हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अलनीनो का सूखा दूर करेंगे गंगरेल और तांदुला, आधी खेती को सम्हाल लेंगे दोनों बांध

अलनीनो के खतरे के बीच रायपुर-दुर्ग संभाग की लाइफलाइन कही जाने वाली नदियों पर बने बांध एक बड़ी राहत भरी खबर दे रहे हैं। महानदी पर स्थित गंगरेल यानी रविशंकर शुक्ल जलाशय शिवनाथ की सहायक नदी तांदुला पर स्थित तांदुला जलाशय में सूखे के खतरे को बहुत हद तक कम करने के लायक पानी है। इन दोनों बांधों से इस इलाके में 50 फीसदी कृषि भूमि में सिंचाई हो जाती है, जो सूख के भयावह खतरे को काफी हद तक कम कर देगी।

दिलीप देवांगन ▶▶| धमतरी

खास खबर

जिले में स्थित गंगरेल बांध राज्य का सबसे लंबा और सबसे बड़ा बांध है। महानदी पर बना यह विशाल बांध रायपुर संभाग की लाइफलाइन है। अलनीनो से उत्पन्न स्थिति से सबकी नजर बांध की ओर लगी है। 1830 मीटर लंबे इस बांध की ऊंचाई नदी तल से 30.5 मीटर है। इसका जलाशय क्षेत्र लगभग ▶▶| शेष पेज 6 पर

निस्तारी के लिए पानी देने के बाद भी 50 फीसदी खेती संभालने लायक पानी

2.64 लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता

गंगरेल बांध की कुल वार्षिक सिंचाई क्षमता लगभग 2,39,000 हेक्टेयर है। खरीफ फसल मानसून के दौरान 2,64,310 हेक्टेयर और रबी फसल के दौरान 40 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचित करने ▶▶| शेष पेज 6 पर

खुद प्यासा, फिर भी बचाई थी फसलों की जान

गंगरेल बांध सूखे की आशंका के बाच इसलिए आस जगा रहा है क्योंकि पहले भी गंभीर संकट की स्थिति में बांध ने राहत पहुंचाई है। 2019 में गंगरेल बांध गंभीर जलसंकट और सूखे जैसी स्थिति से जूझ रहा था। मानसून के आगमन में देरी और कैचमेंट एरिया में कम बारिश के कारण जुलाई और अगस्त की शुरुआत तक गंगरेल बांध में उसकी कुल क्षमता का महज ▶▶| शेष पेज 6 पर

सूखे जैसे हालात में भी पिछले साल से 26 प्रतिशत पानी अधिक

देवीलाल साहू ▶▶| भिलाई

तांदुला जलाशय, पहले अभिवभाजित दुर्ग जिले का एकमात्र जलाशय था। विभाजन के बाद बालोद जिले में है। दुर्ग, बालोद और बेमेतरा जिले के किसानों की सिंचाई और लोगों के पेजयल का मुख्य स्रोत है। 1907 में इस जलाशय निर्माण के बाद अविभाजित मध्यप्रदेश व वर्तमान छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद इलाके को सूखे की स्थिति में संबल देता रहा है। बांध ने कभी पीने के पानी के लिए मोहताज नहीं होने दिया। जलाशय की क्षमता 302.31 एमसीएम की है। तांदुला जलाशय का इतिहास गवाह है कि सबसे कम जलभराव वर्ष 2024 में था। यानी महज 5 प्रतिशत 15 एमसीएम पानी 30 जून ▶▶| शेष पेज 6 पर

पानी का इस तरह होता है उपयोग

तांदुला जलाशय की कुल केपेसिटी का 50 प्रतिशत पानी खेती-किसानी के उपयोग में लाई जाती है। जलसंसाधन विभाग के मुताबिक 151 एमसीएम पानी सिंचाई के लिए होती है। जो बालोद, दुर्ग और बेमेतरा के किसानों को दी जाती है। शेष 151 एमसीएम पानी इन तीनों जिले के पेयजल व निस्तारी ▶▶| शेष पेज 6 पर

खबर संक्षेप

वरिष्ठ प्रचारकों की वार्षिक बैठक 10 से

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ प्रचारक आगामी सप्ताह कर्नाटक के बेलगावी शहर में होने वाली उसकी वार्षिक बैठक में शामिल होंगे। इसमें जनगणना सहित कई समसामयिक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। तीन दिवसीय यह बैठक 10 जुलाई से 12 जुलाई तक आयोजित होगी।

ट्रक से टकराई ट्रैवलर, चार तीर्थयात्रियों की मौत

चंडीगढ़। पंजाब के बठिंडा में बुधवार सुबह बठिंडा-डबवाली राजमार्ग पर एक टेम्पो ट्रैवलर के खड़े ट्रक से टकरा जाने से राजस्थान के चार तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि यह घटना जोधपुर रोमाना गांव के पास उस समय हुई, जब राजस्थान के बाड़मेर से श्रद्धालुओं का एक समूह तीन जुलाई से शुरू हो रही वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए जा रहा था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घायलों को तुरंत अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ले जाया गया।

4.27 करोड़ के गांजे के साथ यात्री गिरफ्तार

अहमदाबाद। बैंकॉक से अहमदाबाद पहुंचे 40 वर्षीय एक यात्री को बुधवार को हाइड्रोपोनिक गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में कीमत 4.27 करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है। आरोपी यात्री महाराष्ट्र का रहने वाला है और उसने मादक पदार्थ अपने चेक-इन ट्रॉली बैग में खाद्य पैकेटों के भीतर छिपाकर रखा था।

पत्नी के शव को कोबरा से डसवाया, उम्रकैद

इंदौर। इंदौर की जिला अदालत ने मुंह दबाकर एक महिला की हत्या करने और शव को कोबरा से डसवाने के जुर्म में उसके पति को उम्रकैद की सजा सुनाई और 45,000 रुपए जुर्माना लगाया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हेमंत कुमार रघुवंशी ने 24 जून को पारित निर्णय में अमितेश पटेरिया उर्फ शालू (43) को भारतीय दंड विधान की धारा 302 (हत्या), धारा 201 (अपराध के सबूत मिटाना) और वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 51 (संरक्षित वन्य जीव की हत्या) के तहत दोषी ठहराया।

1 जुलाई से कई बदलाव : कमर्शियल सिलेंडर 183 रुपए सस्ता, विमान ईंधन के भी घटे दाम

ट्रेन में बिना टिकट सफर पर दोगुना जुर्माना, पासपोर्ट बनाना हुआ महंगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

जुलाई महीने के पहले दिन से रेलवे ने नया नियम लागू कर दिया। रेल मंत्रालय ने ट्रेन में बिना टिकट यात्रा करने पर लगने वाले न्यूनतम जुर्माने को 250 से बढ़ाकर 500 कर दिया है। अब पकड़े जाने पर यात्री को टिकट के वास्तविक किराए के साथ कम से कम 500 का चार्ज देना होगा। इसके अलावा, मामला मजिस्ट्रेट कोर्ट में जाने और दोषी पाए जाने पर अधिकतम 6 महीने की जेल, 1,000 का जुर्माना या दोनों सजाएं हो सकती हैं। बिना टिकट सफर करने वाले यात्रियों की जेब पर अब दोगुनी मार पड़ेगी। उदाहरण के लिए, यदि चेकिंग पॉइंट तक का वास्तविक किराया 150 है।

इधर, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर कट का तोहफा देते हुए 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 183 रुपए से ज्यादा की कटौती की है। इस बदलाव के बाद 1 जुलाई से दिल्ली में 3,113.50 रुपए का मिलने वाला कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर अब 2,930 रुपये का ▶▶| शेष पेज 6 पर

जुलाई महीना का पहला दिन कई बड़े बदलाव लेकर आया। इनमें कही राहत है, तो कभी बोझ बढ़ गया। पहली तारीख से तेल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम घटा दिए हैं, तो पेट्रोल-डीजल के दाम भी कम हो गए हैं। किआ समेत अन्य कंपनियों ने अपनी कारों के दाम में इजाफा कर दिया है। इसके अलावा बिना टिकट रेल सफर में दोगुना जुर्माना और पासपोर्ट बनाना महंगा हो गया।

बड़े बदलाव

- नायरा का पेट्रोल 5 और डीजल 3 रुपए सस्ता
- डीजल की बिक्री पर लिमिट 1 जुलाई से हटी
- हवाई ईंधन की कीमतों में 5 रुपए प्रति लीटर की कटौती

रेलवे में कितना जुर्माना

- पहले (पुराने नियम से): किराया 150 + जुर्माना 250 = कुल 400 रुपए
- अब (नए नियम से): किराया 150 + जुर्माना 500 = कुल 650 रुपए

आधार कार्ड में फ्री अपडेट

1 जुलाई से आधार कार्ड पर ईमेल एड्रेस को अपडेट कराने के लिए लगने वाली 75 रुपए की फीस को हटा दिया है। यह सर्विस अगले छह महीने यानी 31 दिसंबर, 2026 तक मुफ्त रहेगी। इस समयसीमा के खत्म होने के बाद ही दोबारा चार्ज लिया जाएगा। इस फैसले से उन करोड़ों नागरिकों को सीधी राहत मिलेगी जो अपने आधार में ईमेल आईडी लिंक या अपडेट कराना चाहते हैं। अब वे बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के ऑनलाइन या निर्धारित केंद्रों के माध्यम से अपना ईमेल एड्रेस मुफ्त में अपडेट करा सकेंगे।

नायरा का पेट्रोल और डीजल सस्ता

प्राइवेट फ्यूल रिटेलर कंपनी नायरा एनर्जी ने पेट्रोल 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल 3 रुपए प्रति लीटर सस्ता कर दिया है। अब भोपाल में पेट्रोल की कीमत 114.79 रुपए और डीजल 99.57 रुपए पर आ गया है। नायरा के देशभर में 7000 हजार से ज्यादा पेट्रोल पंप हैं। इससे आम आदमी को महंगाई से राहत मिलेगी। डीजल के दाम घटने से सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने ▶▶| शेष पेज 6 पर

पासपोर्ट के लिए एक से दो हजार ज्यादा

केंद्र सरकार ने पासपोर्ट की फीस में बढ़ोतरी की है, जो 1 जुलाई से लागू हो गई है। इससे पहले 2012 में पासपोर्ट की फीस बढ़ाई गई थी। यानी 14 साल बाद ये बढ़ोतरी हुई है। अब नया पासपोर्ट बनवाने या पुराने पासपोर्ट को री-इश्यू कराने वाले नागरिकों की जेब पर सीधा असर पड़ेगा। उन्हें 1,000 से लेकर 2,000 तक अधिक खर्च करने होंगे।

कारों की कीमत में दो फीसदी तक बढ़ोतरी

ज्यादातर ऑटोमोबाइल कंपनियों ने 1 जुलाई से अपने वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। इसके तहत किया इंडिया ने अपने सभी वाहनों की रेंज में 2% तक की बढ़ोतरी की है, जबकि टाटा मोटर्स कीमतों में 1.5% तक की बढ़ोतरी करने जा रही है। 1 जुलाई से नई कार खरीदने वाले ग्राहकों की जेब पर बोझ बढ़ेगा और उन्हें पहले के मुकाबले ज्यादा कीमत चुकानी होगी।

लिव-इन में रहकर शादी नहीं करना, दुष्कर्म नहीं माना जाएगा- हाईकोर्ट

सहमति भी देखनी होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

'यदि दो बालिग लंबे समय तक आपसी सहमति से लिव-इन रिलेशनशिप में रहे हों, तो बाद में शादी नहीं होने मात्र से उसे रेप का मामला नहीं माना जा सकता।' छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने शादी का भरोसा देकर बनाए गए शारीरिक संबंध के एक मामले में यह टिप्पणी करते हुए फैसला सुनाया है। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की तरफ से आरोपी को बरी किए जाने के फैसले को सही ठहराते हुए पीड़िता की अपील शुरुआती सुनवाई (एडमिशन स्टेज) में ही खारिज कर दिया।

जस्टिस संजय एस अग्रवाल और जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की डिवीजन ▶▶| शेष पेज 6 पर

भरोसा देकर उसके साथ संबंध बनाया

दरअसल, 40 साल की महिला ने 2019 में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) रायपुर में एमबीए में प्रवेश लिया था। इसी दौरान उसकी पहचान सहपाठी युवक से हुई। पढ़ाई के दौरान दोनों के बीच बातचीत बढ़ी। महिला का आरोप था कि, 5 जुलाई 2019 को युवक ने ग्रुप स्टडी का बहाना बनाकर उसे अपने घर बुलाया, लेकिन वहां कोई दूसरा छात्र मौजूद नहीं था। उसने शादी का भरोसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद दोनों लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे। महिला का कहना था ▶▶| शेष पेज 6 पर

जिला कोर्ट ने भी किया था युवक को बरी

बाद में महिला ने पहले महिला आयोग और फिर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ चालान पेश किया। ट्रायल कोर्ट ने पाया कि दोनों बालिग थे और लंबे समय तक आपसी सहमति से संबंध में रहे। इसलिए आरोपी को बरी कर दिया। इस फैसले को महिला ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि दोनों के बीच लंबे समय तक ▶▶| शेष पेज 6पर

जनसंख्या में बदलाव पर केंद्र गंभीर, शाह ने उच्चस्तरीय समिति से जल्द मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। देश में अवैध घुसपैठ और अन्य असामान्य कारणों से हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों के अध्ययन के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति ने अपनी कार्ययोजना को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को समिति के साथ समीक्षा बैठक में उसे अपनी सिफारिशें जल्द से जल्द प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान समिति ने गृह मंत्री को बताया कि वह देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा कर जनसांख्यिकीय परिवर्तनों से जुड़ी वास्तविक स्थिति का प्रत्यक्ष अध्ययन करेगी। इस दौरान समिति राज्य सरकारों, प्रशासनिक अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों के साथ विस्तृत चर्चा करेगी, ताकि विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे जनसंख्या संबंधी बदलावों के कारणों और उनके प्रभावों का समग्र आकलन किया जा सके। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से पहले ही विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए एक व्यापक प्रश्नावली तैयार की गई है। इसके माध्यम से संबंधित सरकारों से आवश्यक आंकड़े और सूचनाएं पहले ही जुटा ली जाएंगी, जिससे समिति के क्षेत्रीय दौरे अधिक प्रभावी, तथ्यपरक बन सकें। इसके अलावा समिति विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के साथ भी विचार-विमर्श करेगी। इन मंत्रालयों से प्राप्त सुझावों और आंकड़ों के आधार पर जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक और सुरक्षा संबंधी प्रभावों का व्यापक अध्ययन किया जाएगा। गृह मंत्री अमित शाह ने समिति की कार्ययोजना की सराहना करते हुए केंद्रीय गृह सचिव को निर्देश दिया कि समिति के दैनिक कार्यों, बैठकों तथा राज्यों के दौरों के दौरान हर संभव प्रशासनिक और संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराया जाए।

स्वतंत्रता दिवस पर हुई थी मिशन की घोषणा

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्ष 15 अगस्त को अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में उच्चस्तरीय जनसांख्यिकीय मिशन की घोषणा की थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया, जिसका उद्देश्य अवैध प्रवासन तथा अन्य असामान्य कारणों से उत्पन्न जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का अध्ययन करना, उनके कारणों का विश्लेषण करना तथा उनसे निपटने के लिए उपयुक्त नीतिगत, विधायी और प्रशासनिक उपायों की सिफारिश करना है। इस समिति की अध्यक्षता जस्टिस प्रकाश नौलेकर कर रहे हैं। समिति की रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार भविष्य में जनसांख्यिकीय बदलावों से जुड़े मुद्दों पर आवश्यक नीतिगत और कानूनी कदम उठा सकती है।

इंडिगो का बड़ा ऑफर

सिर्फ हैंड बैगेज वाले यात्रियों को मिलेगा सस्ता टिकट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

एयर इंडिया द्वारा पिछले महीने 16 जून को कुछ डोमेस्टिक रूटों पर मील (खाना) ना लेने वाले यात्रियों को सस्ते टिकट देने वाली 'बेसिक' फेयर स्कीम लॉन्च करने के बाद बुधवार 1 जुलाई को इंडिगो ने भी यात्रियों के लिए 'इंडिगो लाइट' नाम की एक स्कीम लांच की है। इस स्कीम में अगर किसी यात्री के पास चेक इन लगेज नहीं है और केवल केबिन (हैंड बैगेज) बैगेज ही है, तो ऐसे यात्रियों को सस्ती टिकट मिल ▶▶| शेष पेज 6 पर

नॉन-स्टॉप फ्लाइट पर लागू होगी स्कीम

'इंडिगो लाइट' किराया विशेष रूप से इंडिगो के डायरेक्ट चैनलों (वेबसाइट, मोबाइल एप्लिकेशन और संपर्क केंद्र) पर उपलब्ध होगा। यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों रूटों पर केवल नॉन-स्टॉप यानी डायरेक्ट फ्लाइटों के लिए लागू होगी। भले ही यह फ्लाइट वन-वे, राउंडट्रिप और मल्टीसिटी वाली होंगी। कनेक्टिंग फ्लाइटों के लिए यह स्कीम लागू नहीं होगी। इससे ग्राहकों को किफायती 'बेस प्राइस' का लाभ मिलेगा।

देश के साथ प्रदेश में वीबी जीरामजी लागू

श्रमिकों को अब मिलेगी 300 रुपए रोजी, 125 दिन काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

बुधवार को विकसित भारत जी-राम-जी अभियान का शुभारंभ किया गया। योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास को नई गति देना है। बताया गया कि योजना के तहत पात्र परिवारों को अब 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों तक रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही बेरोजगारी भत्ता का भी प्रावधान किया गया है। वीबी जी राम जी के लागू होने के पहले दिन ही श्रमिकों को बड़ी सौगात मिली। ▶▶| शेष पेज 6 पर

बोडला के गंडईखुर्द में विशेष कार्यक्रम

आज से वीबी जीरामजी पूरे देश के साथ राज्य में भी लागू हो गयी है। इसका पूरे राज्य में श्रमिकों द्वारा उत्साह के साथ स्वागत किया जा रहा है। कार्य स्थलों पर लोगों में उत्साह देखने को मिल रहा है। राज्य के हर ग्राम में वीबी जी राम जी के आगमन को एक उत्सव की तरह मनाते सभी को योजना की जानकारी दी जा रही है। 2 जुलाई को तिरुपति, आंध्रप्रदेश से केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा, वहीं प्रदेश ▶▶| शेष पेज 6 पर

इन कार्यों पर फोकस

योजना के अंतर्गत जल संरक्षण एवं जल संवर्धन, ग्रामीण अधोसंरचना का विकास, आजीविका के नए अवसर, बाढ़ प्रबंधन तथा अन्य जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

प्राइवेसी और सुरक्षा की हो रही जांच

रडार पर व्हाट्सएप, यूजरनेम फीचर पर रोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्र की मोदी सरकार ने मेटा के स्वामित्व वाले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्स ऐप के प्रस्तावित यूज़रनेम फीचर को लेकर गंभीर चिंता जताई है। सरकार ने कहा है कि इस नए फीचर के कानूनी पहलुओं की जांच की जाएगी। यदि इससे फर्जी पहचान बनाकर धोखाधड़ी या लोगों को गुमराह करने का खतरा पाया गया तो आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। सूत्रों के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स ▶▶| शेष पेज 6 पर

राष्ट्रीय सुरक्षा और यूजर सेफ्टी पर फोकस

सूत्रों के अनुसार, सरकार का स्पष्ट रुख है कि किसी भी डिजिटल फीचर की वजह से राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अगर समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि फीचर में पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं हैं, तो मेटा को आवश्यक बदलाव करने के निर्देश दिए जा सकते हैं।

नया यूजरनेम फीचर

कंपनी ने हाल ही में घोषणा की है कि व्हाट्सएप पर जल्द ही नंबर शेयर करने का झंझट खत्म हो जाएगा। इंस्टाग्राम और टेलीग्राम की तरह यूजर्स अब यूजरनेम के जरिए एक-दूसरे से जुड़ सकेंगे। कंपनी ने इस फीचर के लिए शुरुआती यूजरनेम रिजर्वेशन भी शुरू कर दिया है और इसे आधिकारिक तौर पर इस साल के अंत तक सभी यूजर्स के लिए रोलआउट किया जाएगा।

फीचर कैसे काम करेगा?

इस फीचर को लेकर व्हाट्सएप का कहना है कि यह फीचर यूजर्स की प्राइवेसी को मजबूत बनाने के लिए तैयार किया गया है। इसके जरिए किसी नए व्यक्ति, ग्रुप या बिजनेस से जुड़ने के लिए मोबाइल नंबर साझा करने की जरूरत नहीं होगी। कंपनी के अनुसार इसमें यूजरनेम अधिकतम 35 कैरेक्टर तक का हो सकेगा। कुछ हाई-प्रोफाइल और सेलिब्रिटी यूजरनेम सुरक्षित रखे जाएंगे।

स्कूलों में मंत्रोच्चार के आदेश को चुनौती

बिलासपुर। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के स्कूलों में मंत्रोच्चार शुरू करने के आदेश को चुनौती देते हुए छत्तीसगढ़ राज्य वक़्फ़ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इस मामले में अभी सुनवाई की तिथि निर्धारित की जानी है। अब्दुल सलाम रिजवी की ओर से पेश याचिका में कहा गया है कि यह आदेश भारत के संविधान का उल्लंघन करता है। इसके साथ ही यह आरोप लगाया गया है कि सरकार जानबूझ कर हिन्दू मुस्लिम कर रही है, जबकि मुस्लिम और क्रिश्चियन धर्म में भी अच्छी बातें लिखी है, पर सिर्फ हिन्दू धर्म का मंत्रोपचार स्कूलों में कराया जा रहा है। याचिकाकर्ता ने 12 जून 2026 को जारी ▶▶| शेष पेज 6 पर

बिजली दरों में आज से बढ़ोतरी, अगले माह के बिल पर पड़ेगा भारी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

अब प्रति यूनिट 30 से 50 पैसे का अतिरिक्त बोझ

छत्तीसगढ़ में महंगी बिजली की मार झेल रहे लोगों को आज से एक और झटका लगने वाला है। छत्तीसगढ़ विद्युत नियामक आयोग द्वारा तय बिजली की नई दरें आज से लागू हो गई हैं। अब उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 30 से 50 पैसे अधिक बिल देने होंगे।

पिछले साल घरेलू बिजली में जहां 10 से 20 पैसे की वृद्धि हुई थी, वह इस बार 30 से 50 पैसे बढ़ गई है। गैर घरेलू उपभोक्ताओं की बिजली दरों में 20 से 40 पैसे प्रति यूनिट बढ़ोतरी हुई है। कृषि पम्पों की दरें 40 पैसे प्रति यूनिट महंगी की गई है, इसके साथ ही नए टैरिफ में कई बदलाव किये गए हैं। इसमें बिजली बिल का अग्रिम भुगतान किए जाने पर 1.25 प्रतिशत छूट को घटाकर 0.75 प्रतिशत कर दिया गया है। बिजली बिल के विलंबित भुगतान से जुड़े नियमों में भी संशोधन किया गया है। अब निर्धारित समय सीमा के बाद बिल जमा करने पर 1.5 प्रतिशत प्रतिमाह के बजाय 0.04 प्रतिशत प्रतिदिन की दर से सरचार्ज लगाया जाएगा। एलवी-1 और एलवी-2 श्रेणी के तहत जारी किए जाने वाले अस्थायी बिजली कनेक्शनों पर लागू सामान्य टैरिफ में भी बढ़ोतरी की गई है। पहले यह सामान्य दर का 1.25 गुना था, जिसे अब बढ़ाकर 1.5 गुना कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने घोषणा की थी कि जिन उपभोक्ताओं का बिजली बिल लंबे समय से बकाया है, उन्हें भुगतान के लिए तीन महीने की अतिरिक्त मोहलत दी जाएगी। इस विशेष अवधि के दौरान बकाया बिल जमा करने वाले उपभोक्ताओं से किसी भी प्रकार का सरचार्ज नहीं वसूला जाएगा, जिससे लाखों उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने बताया कि केवल सरचार्ज माफ ही नहीं किया जाएगा, बल्कि निर्धारित अवधि के भीतर बकाया बिजली बिल का भुगतान करने वाले पात्र उपभोक्ताओं को 10 प्रतिशत की विशेष छूट भी दी जाएगी। इससे उपभोक्ताओं को सीधे आर्थिक लाभ मिलेगा और वे कम राशि में अपना लंबित बिल जमा कर सकेंगे।

खबर संक्षेप

बृजमोहन ने सालभर पहले लिखा था पत्र, नकटी गांव के लोगों को हटाना अमानवीय

रायपुर। ग्राम नकटी के 88 परिवारों को गांव से बेदखल करने के मामले में अब से एक साल पहले सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने एक पत्र लिखकर कहा था कि यहां के लोगों को न हटाया जाए, उन्हें हटाया जाना अमानवीय होगा। श्री अग्रवाल ने यह पत्र मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को भेजा था। पत्र में कहा गया था कि वहां वर्षों से बसे लोगों के घरों को उजाड़ने के लिए नोटिस जारी किया गया है, जिस पर ग्राम पंचायत एवं ग्राम वासियों ने आपत्ति दर्ज की है। ग्रामवासियों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन के हवाले से श्री अग्रवाल ने लिखा था कि ग्राम नकटी स्थित खसरा नंबर 460, 15.4790 हेक्टेयर भूमि जो गांव के ही पूर्वजों द्वारा सम्मिलित भूमि है, जो चारगाह के लिए जनहित में सुरक्षित एवं संरक्षित रखी गई थी, इस संरक्षित भूमि पर विधायक कालोनी का निर्माण किया जा रहा है। कालोनी बनाने के लिए नकटी के संयुक्त चारागाह की भूमि में बसे लोगों की बेदखली करने की कार्रवाई की जा रही है, जो मानवीय दृष्टि से उचित नहीं है।

भ्रामक प्रचार करने वालों पर हो कड़ी कार्रवाई

रायपुर। सोशल मीडिया मंच पर प्रसारित वक्तव्य में भाजपा नेता द्वारा सनातन धर्म के आराध्य, चराचर जगत के स्वामी मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के अस्तित्व, स्वरूप एवं ईश्वरत्व को लेकर जो अत्यंत अमर्यादित, भ्रामक और विद्वेषपूर्ण टिप्पणी की गई है, उस पर सनातनी समाज में भारी जन-आक्रोश है। इस कृत्य पर कड़ी विधिक आपत्ति दर्ज कराते हुए उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सनातन संस्कृति के सजग प्रहरी मनोज सिंह ठाकुर ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है ।

जिन बाघों की खाल जब्त की गई है उनमें एक की उम्र ढाई तथा एक की सवा साल होने का अंदाजा

चार बाघों का शिकार, दो की खाल बरामद, महाराष्ट्र पुलिस इंटेलिजेंस के जवान के साथ हेड कांस्टेबल गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूजःरायपुर

बस्तर में लाल आतंक की समाप्ती के बाद तस्कर सक्रिय हो गए हैं। इंद्रावती टाइगर रिजर्व में पांच माह पूर्व तथा करीब एक सप्ताह पूर्व शिकार किए गए दो बाघों की खाल जब्त की गई है। खाल की लंबाई के आधार पर अंदाजा लगाया जा रहा है कि पांच माह पूर्व शिकार किए गए बाघ की उम्र ढाई तथा हाल के दिनों में शिकार किए गए बाघ की उम्र सवा साल रही होगी। खाल के साथ जिन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, उनमें से एक तस्कर महाराष्ट्र पुलिस के इंटेलिजेंस विभाग का जवान तथा दूसरा हेंड कांस्टेबल बताए जा रहा है। दोनों की पोस्टिंग गढ़चिरौली में होने की बात सामने आई है।

बताया जा रहा है, शिकारियों ने बस्तर के इंद्रावती टाइगर रिजर्व तथा उससे सटे इलाके में चार बाघों का शिकार किया था। इस बात की विभागीय अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर पुष्टि की है। अफसर के अनुसार वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो, यूएसटीआर एंटी पोचिंग तथा उत्तरी एवं मध्य क्षेत्र, राज्य उड़नदस्ता की टीम महाराष्ट्र में छापे की कार्रवाई करने पहुंची, तो उसे महाराष्ट्र वन विभाग की टीम की ओर से कोई अपेक्षाकृत सहयोग नहीं मिल पाया। इस वजह से दो आरोपियों की ही गिरफ्तारी संभव हो पाई। अफसरों के अनुसार शिकार तथा तस्करी में शामिल अन्य आरोपियों के बारे में और जानकारी जुटाकर उनकी जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। संयुक्त टीम ने कांकेर जिले के पश्चिम भानुप्रतापपुर स्थित बांदे परिक्षेत्र में छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा पर गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए ब्येश्वर गेडाम और बाबूराव को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी मोटरसाइकिल से अनुसूची-1 में शामिल संरक्षित वन्यजीव बाघ के दो खालों की अवैध तस्करी कर ले जा रहे थे। दोनों से पूछताछ के बाद उन्हें कोर्ट में पेश कर जेल दाखिल कर दिया गया है। महाराष्ट्र के तडोबा-अंधेरी टाइगर रिजर्व के बाघों का छत्तीसगढ़ के इंद्रावती टाइगर रिजर्व से लेकर ओडिशा के सुनाबेड़ा तक पांच सौ किलोमीटर का एक बड़ा गलियारा है। तोडोबा-अंधेरी के टाइगर अबूझमाड़, इंद्रावती टाइगर रिजर्व के रास्ते होते हुए उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व पार कर ओडिशा के सोनाबेड़ा टाइगर रिजर्व पहुंचते हैं।

वन्यजीवों के जानकारों के मुताबिक तडोबा-अंधेरी के टाइगर के मूवमेंट पर शिकारी नजर रखते हैं। इसके बाद बाघ का पीछा कर उनका शिकार करते हैं। शिकारी ज्यादातर बाघों का शिकार छत्तीसगढ़ या ओडिशा वन सीमा से सटे मार्ग पर करते हैं। पूर्व में नक्सलियों के खौफ से तस्कर घने वनक्षेत्र में जाने से डरते थे।

बारिश में बढ़ा सर्पदंश का खतरा बचाव की तैयारी आधी-अधूरी, दवा गोदाम में एंटी वैनम केवल 24 हजार

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

बारिश का मौसम आते ही राज्य में सर्पदंश की घटनाएं बढ़ने लगी हैं और इससे निपटने स्वास्थ्य विभाग की तैयारी आधी-अधूरी है। राज्य के दवा गोदाम में केवल 24 हजार एंटी स्नैक वैनम मौजूद हैं। आपात स्थिति से निपटने और अतिरिक्त डिमांड को पूरा करने वाला स्टॉक शून्य है। प्रदेश में हर साल सांप काटने की हजार से ज्यादा घटनाएं होती हैं जिसमें मौत का आंकड़ा 20 फीसदी तक होता है। सर्पदंश के लिए संवेदनशील माने जाने वाले कई जिलों की सप्लाई के लिए गिनती के इंजेक्शन मौजूद हैं।

बरसात से बिलों में पानी भरने की वजह से विषधर बाहर आ जाते हैं और कई बार लोगों को अपना शिकार बना लेते हैं। सर्पदंश का शिकार होने वालों को सही समय में एंटी स्नैक वैनम (इंजेक्शन) लगाकर जान जाने की जोखिम से बचाया जा सकता है। बारिश के पहले स्वास्थ्य विभाग प्रदेश के तमाम मेडिकल कालेजों से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में संबंधित इंजेक्शन का पर्याप्त स्टॉक रखता है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कार्पोरेशन (सीजीएमएससी) अपने गोदाम में जरूरी दवाओं और इंजेक्शन का स्टॉक रखता है। इस बार सर्पदंश से निपटने की तैयारी आधी-अधूरी नजर आ रही है। शासकीय अस्पतालों की डिमांड पर भेजे जाने वाले एंटी स्नैक वैनम के केवल 24 हजार इंजेक्शन मौजूद हैं। इनमें सर्पदंश के मामले में संवेदनशील माने जाने वाले दंतेवाड़ा, कोरबा जैसे जिलों में इनका स्टॉक बेहद कम है। जानकारों का कहना है कि सबसे चिंतनीय सीजीएमएससी का अतिरिक्त स्टॉक (क्वालिटी कंट्रोल टेस्ट) का स्टॉक खाली है।

सीजीएमएससी सर्पदंश का शिकार होने वालों की जान बचाने के लिए दो तरह के इंजेक्शन की खरीदी करता है। इसमें एक एंटी वैनम इंडियन नाग और करैत जैसे सर्पों के जहर को बेअसर करने के लिए कारगर माना जाता है। वहीं दूसरी वैक्सीन विभिन्न तरह के विषधरों के जहर को असरहीन करने के काम में आता है। दवा निगम के ऑनलाइन आंकड़ों के मुताबिक इसका स्टॉक मात्र 896 है जिसे कांकेर जिले के लिए जारी किया गया है। इसके पूर्व वहां 1104 तथा जगदलपुर में सौ वैक्सीन की वॉयल भेजी गई थी।

एंटी रैबीज वैक्सीन की ज्यादा खपत रायपुर में

सीजीएमएससी के पास एंटी रैबीज वैक्सीन का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। आंकड़ों के मुताबिक इसकी सबसे ज्यादा खपत रायपुर जिले में है। मौजूदा स्टॉक, क्वलिटी कंट्रोल और पूर्व में भेजे गए वॉयल को मिलाकर यहां की खपत 39 हजार है। इसके अलावा बिलासपुर, दुर्ग और राजनांदगांव में भी एंटी रैबीज वैक्सीन की भारी खपत है। राज्य में डिमांड पर सप्लाई के लिए सीजीएमएससी के पास 7680 वैक्सीन उपलब्ध है और जरूरतों के हिसाब से सप्लाई के पहले पाइपलाइन वाली स्थिति में 40 हजार से ज्यादा का स्टॉक है।

प्रदेशभर के 16 हजार कोटवार कल हड़ताल पर, तहसील स्तर पर देंगे धरना

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ के 16 हजार कोटवारों ने अपनी 6 सूत्रीय मांगों को लेकर शासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। 3 जुलाई को लामबंद कोटवार तहसील स्तर पर एक दिवसीय धरना देकर शासन का ध्यान अपनी लंबित मांगों के प्रति आकर्षित कराने जुटेंगे। कोटवार एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के प्रांत अध्यक्ष प्रेमकिशोर बाघ ने कहा, कई बार ध्यान आकर्षित कराने के बाद भी उनकी मांगों को पूरा नहीं होने से प्रदेशभर के कोटवारों में आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने चेतावनी दी है, यदि 15 अगस्त तक मांगें पूरी नहीं हुईं, तो प्रदेशभर के 16 हजार कोटवार प्रदेश व्यापी आंदोलन करेंगे।

कोटवारों को नियमित कर राजस्व विभाग में संविलयन करने, प्रतिमाह कम से कम 15 हजार रुपए वेतन भुगतान और कोटवारों की नियुक्ति में कोटवारों के परिवार के सदस्यों की नियुक्ति में प्राथमिकता देने सहित 6 सूत्रीय मांग को लेकर प्रदेश भर के कोटवार 3 जुलाई को दोपहर 3 बजे तहसील स्तर पर एक दिवसीय धरना देकर संबंधित तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। प्रांतीय संघर्ष समिति के आव्हान पर प्रदेश भर के कोटवार एक दिवसीय धरना प्रदर्शन में शामिल होकर अपने लंबित मांगों को लेकर हक की आवाज बुलंद करेंगे। कोटवारों की मांग के संबंध में प्रांताध्यक्ष प्रेमकिशोर बाघ ने बताया कि दुर्भाग्य की बात है कि एक अरसे से पीढ़ी दर पीढ़ी शासन प्रशासन एवं आम जनता की सेवा कर रहे कोटवारों का न तो नियमितीकरण हुआ, न ही उन्हें शासकीय कर्मचारी का दर्जा मिल पाया। बच्चों की पढ़ाई, लिखाई के लिए और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कोटवारों के लिए कोई योजना नहीं है। शासन के कोटवारों के प्रति उदासीन रवैये से नाराज प्रदेश के कोटवार एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपेंगे।

नियमितीकरण, मानदेय बढ़ाने सहित 6 सूत्रीय मांग, सभी तहसीलों में तहसीलदार को सौंपेंगे ज्ञापन

शिक्षा विभाग में संविलयन और समान काम, समान वेतन सहित 4 सूत्रीय मांगों को लेकर बुधवार को प्रांतीय अतिथि शिक्षक संघ ने दुर्ग में रैली निकालकर प्रदर्शन किया। 5 जुलाई को राज्य अतिथि शिक्षक अपने लंबित मांगों को लेकर शिक्षा मंत्री के बंगले का घेराव करेंगे। इसी तरह 12 तारीख को रायपुर जल सत्याग्रह कर राज्य अतिथि शिक्षक विरोध जताएंगे। 14 जुलाई को अर्ध नग्न प्रदर्शन कर अपनी मांगों से अवगत कराने का कार्यक्रम रखा गया है। प्रांतीय अतिथि शिक्षक कल्याण संघ के धर्मेंद्र वैष्णव ने बताया कि प्रदेश भर में 1650 राज्य अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं जो कि कक्षा अध्यापन, आईसीटी प्रशिक्षण, चुनाव कार्य, एनएसस प्रभारी, छात्रवृति कार्य, बोर्ड परीक्षाओं का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन कार्य में नियमित शिक्षकों के समान अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके बाद भी इन शिक्षकों को नियमितीकरण, समान काम समान वेतन, अवकाश, सेवा सुरक्षा जैसी सुविधाएं प्रदान नहीं की गई है। इससे राज्य अतिथि शिक्षकों में नाराजगी व्याप्त है।

राशिफल

मेष – संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष – खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन – शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क – क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह – कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या – कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला – लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

वृश्चिक – संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे।

धनु – स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर – आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ – क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

मीन – किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

अब मंत्रालय की तर्ज पर नगरीय निकायों से लेकर ग्राम पंचायत से खत्म होगी लाल फीताशाही

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ में जिस तरह मंत्रालय, विभागाध्यक्ष कार्यालय, सचिव से लेकर कलेक्टर कार्यालयों में ई आफिस का संचालन कर लाल फीताशाही खत्म की गई है, वैसा ही बदलाव अब राज्य के सभी नगरीय निकायों से लेकर पंचायती राज संस्थाओं में किया जाएगा। इसके लिए राज्य के सभी नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में काम करने वाले जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के लिए सीजी ऑथ आईडी बनाना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके बिना ई-ऑफिस प्रणाली में फाइलों का संचालन और डिजिटल अनुमोदन संभव नहीं होगा।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने इस संबंध में सभी नगरीय निकायों को निर्देश जारी कर दिए हैं। दरअसल, यह केवल एक आईडी बनाने का आदेश नहीं है, बल्कि राज्य सरकार के उस बड़े अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत सरकारी कार्यालयों में कागजी फाइलों की जगह पूरी तरह डिजिटल फाइल प्रणाली लागू की जा रही है।

सीजी ऑथ राज्य सरकार की केंद्रीकृत डिजिटल प्रमाणीकरण प्रणाली है। यह सरकारी अधिकारियों और अधिकृत जनप्रतिनिधियों की डिजिटल पहचान का काम करती है। इसी आईडी के माध्यम से अधिकारी ई-ऑफिस में लॉग-इन करते हैं, फाइलें देखते हैं, टिप्पणियां दर्ज करते हैं और डिजिटल रूप से अनुमोदन देते हैं। सरकार का उद्देश्य है कि सभी अधिकृत अधिकारी और जनप्रतिनिधि एक सुरक्षित डिजिटल पहचान के माध्यम से सरकारी कामकाज करें, जिससे पारदर्शिता बढ़े और जवाबदेही तय हो सके। निर्देश के अनुसार नगरीय निकायों में—नगर निगम के महापौर, आयुक्त, सभापति तथा आवश्यकता अनुसार अन्य अधिकारी-कर्मचारी।जिन पार्षदों को शासकीय ई-मेल की आवश्यकता है।नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा संबंधित कर्मचारी। नगर पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्य नगर पालिका अधिकारी और अन्य अधिकृत कर्मचारी। सरकार ने यह व्यवस्था केवल शहरी निकायों तक सीमित नहीं रखी है। आदेश में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और राजस्व विभाग को भी शामिल किया गया है।इसके तहत जिला पंचायत अध्यक्ष, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत अध्यक्ष, ग्राम पंचायतों के सरपंच और सचिवों के अलावा तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और पटवारियों तक को ई-ऑफिस प्रणाली से जोड़ा जाएगा।

ई-ऑफिस का अगला चरण

राज्य सरकार पहले ही मंत्रालय, विभागाध्यक्ष कार्यालयों और जिला स्तर के कार्यालयों में ई-ऑफिस लागू कर चुकी है। अब सरकार इस व्यवस्था को स्थानीय निकायों तक पूरी तरह विस्तार दे रही है। इसके लिए सबसे पहली शर्त प्रत्येक अधिकृत व्यक्ति की डिजिटल पहचान तैयार करना है। जानकारों का मानना है कि इससे फाइलों की आवाजाही तेज होगी, फाइलों की स्थिति ऑनलाइन देखी जा सकेगी और कागजी प्रक्रिया पर निर्भरता कम होगी। इससे फाइलों के लंबित रहने की समस्या पर भी कुछ हद तक अंकुश लग सकता है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों का हवाला देते हुए सभी संयुक्त संचालकों, नगर निगम आयुक्तों तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिया है कि डीए- एडमिन के माध्यम से कार्यालय प्रमुखों और अन्य कर्मचारियों की सीजी ऑथ अनिवार्य रूप से बनाई जाए।

शब्द पहेली - 6274

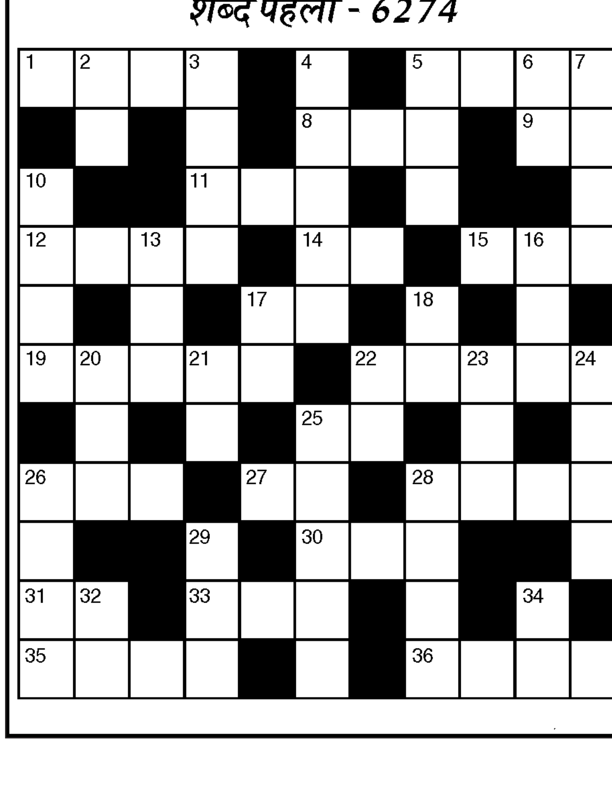

बाएँ से दाए-
1. फिसलना-4
5. गुनाह, जुर्म-4
8. नाव चलानेवाला-3
9. लड़ी, श्रंखला -2
11. ईर्ष्या, डाह-3
12. उद्देश्य, वजह-4
14. भोजन-2
15. थकावट-3
17. जी, चित-2
19. मंत्र पढ़ना-2,3
22. राजपुत्र, राज कुंवर-2,3
25. यात्रा करनेवाला-2
26. समझौता, संधि-3
27. ईसाई साध्वी-2
28. मनमुटाव-4
30. नौकर-3
31. बदला-2
33. गर्भ, कोख-3
35. रुआफ-4
36. सज्जनता-4

ऊपर से नीचे
2. लम्हा, क्षण-2
3. नामित, मनोनीत-4
4. रनिवास, हरम-5
5. बुद्धि-3
6. गोंद, लाख-2
7. हृदयगति, स्पंदन- 4
10. विम्मी व सुनील दत्त की फिल्म-4
13. शिक्षा, पाठ-3
16. कालिख, कालापन-3
17. इंकार, मनाही-2
18. झंडा, पताका-2
20. चौकसी, रखवाली-3
21. मोटा आटा, सूजी -2
22. निशा, रात-2
23. अच्छे कुल का-3
24. प्रस्थान, विदा-4
25. यान चलाने वाला-2,3
26. सुंदरी, षोडशी, कुमारी-4
28. प्रार्थना, मनोकामना-4
29. गरल, विष-3
32. ताला (अंग्रेजी-2)
34. पात्र, थापा, संचक, डाई -2

शब्द पहेली -6273 का हल

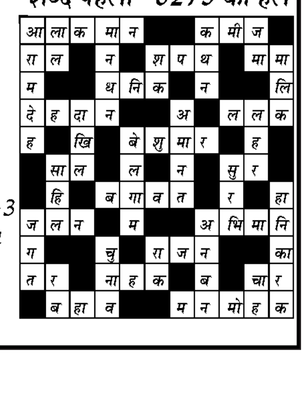

सूडोकु नवताल 6284

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल 6283 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

बिलासपुर

गुरुवार 2 जुलाई 2026

आषाढ़, कृष्ण पक्ष तृतीया

वर्ष : 26, अंक : 101

पृष्ठ : 10+6 =16 मूल्य : 5 .00***

मौसम

अधि. 31.8

न्यून. 26.8

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

ग्रेडिंग रुकने की वजह-किन बिंदुओं में हो मूल्यांकन, यही तय नहीं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत नैक ग्रेडिंग में होना है बदलाव

देशभर में रुकी नैक ग्रेडिंग, वेटिंग में छग के कॉलेज भी, तीन माह पुरानी रैंक को एक्सटेंशन

रुचि वर्मा ⏭ रायपुर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

देशभर के उच्च शैक्षणिक संस्थानों में नैक ग्रेडिंग रूक गई है। इससें छत्तीसगढ़ के भी विश्वविद्यालय और महाविद्यालय शामिल हैं। इसका कारण शैक्षणिक संस्थानों की लापरवाही नहीं बल्कि यूजीसी द्वारा अब तक नैक ग्रेडिंग का क्षेत्र निर्धारित नहीं किया जाना है। दरअसल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत नैक ग्रेडिंग के लिए होने वाली मूल्यांकन पद्धति में बदलाव किया जाना है। बदलाव संबंधित यह योजना लंबे समय से प्रस्तावित है। अब तक इसे अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। अब तक सात बिंदुओं में नैक ग्रेडिंग होती रही है। नई पद्धति में इसे बढ़ाकर 10 किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, प्राचीन बिंदुओं को समाप्त नहीं किया जाएगा बल्कि इसे ही विस्तार दिया जाएगा। गौरतलब है कि बीते वर्ष नैक मूल्यांकन उस वक्त विवादों में आ गया था, जब निरीक्षण दल द्वारा रिश्वत लेकर संस्थान को अच्छे अंक प्रदान करने ⏭ शेष पेज 6 पर

पुरानी पद्धति में 7 क्षेत्र निर्धारित इन्हें बढ़ाकर किया जाएगा 10

पुरानी पद्धति में इन बिंदुओं के अंतर्गत मूल्यांकन

1. पाठ्यचर्या के पहलू
2. अध्यापन-अधिगम और मूल्यांकन
3. अनुसंधान, नवाचार और विस्तार
4. बुनियादी ढांचा और शिक्षण संसाधन
5. छात्र सहायता और प्रगति
6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन
7. सांस्थानिक मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएं

अवधि खत्म हुई तो अतिरिक्त समय

चूंकि ग्रेडिंग में विलंब यूजीसी की ओर से हो रहा है, इसलिए यदि महाविद्यालयों की ग्रेडिंग समाप्त हो जाती है तो वे अपनी पुरानी ग्रेडिंग का इस्तेमाल अतिरिक्त तीन माह के लिए कर सकेंगे। इस दौरान प्रकाशित होने वाली अंकसूची में पुरानी ग्रेडिंग का जिक्र किया जा सकेगा। किसी भी संस्थान को प्रदान की जानी वाली ग्रेडिंग अधिकतम पांच साल के लिए मान्य होती है। इसके बाद संस्थान को पुनः मूल्यांकन करवाना होता है। पं.रविशंकर शुक्ल विवि से संबद्ध महाविद्यालय जहां नैक ग्रेडिंग समाप्त हो चुकी है अथवा होने वाली है, उनमें साइंस कॉलेज, शासकीय महाविद्यालय आरंग तथा महासमुंद, अग्रसेन महाविद्यालय, विप्र कॉलेज प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके अलावा भी कई कॉलेज हैं।

3 माह पूर्व हुआ था ऑनलाइन सर्वे

यूजीसी द्वारा तीन माह पूर्व ऑनलाइन सर्वे किया गया था। इस सर्वे में उन महाविद्यालयों ने हिस्सा लिया था जिनकी नैक ग्रेडिंग या तो समाप्त हो चुकी है अथवा समाप्त होने वाली है। इस सर्वे के जरिए यह पता लगाने की कोशिश की गई थी कि दोनों में से कौन सी मूल्यांकन पद्धति शिक्षा व्यवस्था के लिए बेहतर साबित होगी। इस सर्वे के बाद महाविद्यालयों को उम्मीद थी कि अब उनके संस्थानों की ग्रेडिंग हो सकेगी, लेकिन अब तक किसी तरह की प्रगति इसमें नहीं हो सकी है।

हमारी तैयारी पूर्ण

महाविद्यालय स्तर पर हमने अपनी तैयारी पूर्ण कर ली है। नैक द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए जाने के पश्चात हम आगे की प्रक्रिया पूर्ण करेंगे।

- प्रो.अमिताभ बनर्जी, प्राचार्य, विज्ञान महाविद्यालय

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

'काला हिरण' फिल्म पर 6 को सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को अभिनेता सलमान खान की उस याचिका पर सुनवाई के लिए छह जुलाई की तारीख तय की, जिसमें फिल्म 'काला हिरणः द बैटल फॉर लीगल' की रिलीज रोकने का अनुरोध किया गया है। अदालत ने इस बात पर भी संज्ञान लिया कि फिल्म को अभी तक रिलीज के वास्ते प्रमाणपत्र के लिये प्रमाणन बोर्ड के पास नहीं भेजा गया है।

विदेश सचिव मिसरी का एक साल सेवा विस्तार

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिसरी का कार्यकाल बुधवार को एक साल के लिए बढ़ाकर अगले साल 14 जुलाई तक कर दिया गया। चीन मामलों के जानकार मिसरी को जून 2024 में इस पद पर नियुक्त किया गया था। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने 14 जुलाई 2027 तक कार्यकाल बढ़ाने को अनुमति दे दी है। इस नियम में रक्षा सचिव, विदेश सचिव, गृह सचिव, खुफिया ब्यूरो के निदेशक, रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के सचिव और कुछ अन्य अधिकारियों के लिए 60 साल की सेवानिवृत्ति की उम्र के बाद भी सेवा का कार्यकाल बढ़ाने का प्रावधान है।

13 करोड़ के मादक पदार्थ जब्त, 6 गिरफ्तार

गुवाहाटी। बराक घाटी क्षेत्र से लगभग 13 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए और छह संदिग्ध तस्करों को गिरफ्तार किया गया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि

श्रीभूमि पुलिस और कछार पुलिस ने 49,800 याबा गोलियां और 535 ग्राम हेरोइन बरामद की है। इनकी कीमत लगभग 13 करोड़ रुपए है। साथ ही छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मादक पदार्थों के खतरे के खिलाफ राज्य की लड़ाई पूरी ताकत के साथ जारी रहेगी। उन्होंने (तस्करों ने) दावा किया कि यह उनका कारोबार है।

दो ट्रकों की टक्कर होने से तीन की जलकर मौत

बोयापालेम। आंध्र प्रदेश के बोयापालेम में बुधवार को दो ट्रकों की आमने-सामने की टक्कर होने के बाद आग लगने से तीन लोगों की जलकर मौत हो गई। दुर्घटना सुबह करीब छह बजे बोयापालेम गांव में हुई। हादसे के बाद एक ट्रक में लदे कागजों ने आग पकड़ ली। अधिकारी ने कहा, दोनों ट्रकों की आमने-सामने की टक्कर के बाद लगी आग में तीन लोगों की जलकर मौत हो गई। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है।

छापेमारी के दौरान सीसीटीवी फुटेज की जांच में बड़ा खुलासा, किराए के घर में 10 साल से रह रहा था आरोपी अविनाश

राम मंदिर चढ़ावा मामले में आरोपी के ठिकाने से बरामद हुआ 'रामराज्य कोष'

अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा हेराफेरी मामले में जांच लगातार तेज हो रही है। चढ़ावे की रकम में गड़बड़ी करने के आरोप में मुख्य आरोपी पहले से जेल में हैं। पुलिस उनके बैंक खातों और दूसरे जरूरी दस्तावेजों की जांच कर रही है। अयोध्या के जिस योग केंद्र में आरोपी अविनाश किराए पर रहता था, वहां से पुलिस ने एक बक्सा बरामद की है। इसमें 'रामराज्य कोष' लिखा है और क्यू.आर. कोड चिपका हुआ है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ अयोध्या

खास खबर

राम मंदिर वित्तीय अनियमितता मामले में एक आरोपी के ठिकाने से पुलिस ने एक बक्सा बरामद किया है, जिसपर 'रामराज्य कोष' लिखा है और क्यू.आर. कोड चिपका हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने अयोध्या के एक योग केंद्र से यह बक्सा बरामद किया है, जहां आरोपी अविनाश शुक्ला पिछले 10 साल से रह रहा था। केंद्र में तैनात योग प्रशिक्षक सुंदर लाल ने बताया कि पुलिस ने पांच जून को छापेमारी करके सीसीटीवी फुटेज की जांच की थी। उन्होंने बताया कि इसका वीडियो अब वायरल हुआ है। लाल ने कहा, पुलिस अविनाश को साथ लेकर आई थी और हमें उस जगह से बाहर निकाल दिया जहां वह रह रहा था। पुलिस के जाने के बाद हमें पता चला कि ⏭ शेष पेज 6 पर

ट्रस्ट की बैठक पर सबकी नजर

चंदा चोरी विवाद के बीच अब ट्रस्ट की बैठक पर सबकी नजर है। बैठक में इस्तीफों के अलावा ट्रस्ट की आगे की रणनीति और संभावित बदलावों पर भी चर्चा हो सकती है। चंपत राय, जो विश्व हिंदू परिषद के वाइस प्रेसिडेंट भी हैं, ट्रस्ट के अहम पदाधिकारी रहे हैं। यदि चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार हो जाते हैं तो ट्रस्ट में तीन पद खाली हो जाएंगे। ट्रस्ट के सदस्य बिमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्रा के निधन के बाद एक पद करीब एक साल से खाली है।

किससे क्या मिला?

लवकुश मिश्रा
14,25000

अनुकल्प मिश्रा
16,82000

अविनाश शुक्ला
20,39000

करुणेश पांडे
18,0700

रमाशंकर मिश्रा
7,32000

रामशंकर यादव टिन्नू के पास से एक लाख

400 निजी सुरक्षाकर्मी भी जांच के घेरे में

राम मंदिर परिसर में तैनात 400 निजी सुरक्षाकर्मी भी जांच के घेरे में हैं। उनकी ड्यूटी, रोस्टर, सीसीटीवी, एंट्री-एग्जिट रिकॉर्ड की पड़ताल की जा रही है। मंदिर की सुरक्षा का जिम्मा जिस निजी सुरक्षा कंपनी के पास था, वह बिहार के पूर्व सांसद की है। ट्रस्ट इस पर हर महीने 1 करोड़ खर्च करता था। यानी निजी सुरक्षा पर सालाना 12 करोड़ खर्च किए जा रहे थे।

एसआईटी को जांच के लिए और मिले 15 दिन

चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही एसआईटी को सरकार ने 15 दिन का समय और दिया है। सूत्रों के मुताबिक, चढ़ावा चोरी की जांच का दायरा बढ़ाने के लिए ईडी को भी शामिल किया जा सकता है। अयोध्या पुलिस ने लखनऊ में ऑफिसर्स से इसका आग्रह किया है। मंगलवार को पुलिस ने फैजाबाद जेल में बंद सभी आठों आरोपियों से पूछताछ की।

महंत नृत्य गोपाल दास अस्पताल में भर्ती

अयोध्या स्थित राम मंदिर से जुड़े श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास को स्वास्थ्य खराब होने के बाद यहां मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दास (89) को 29 जून को अपराह्न लगभग 1:30 बजे आपातकालीन विभाग में लाया गया था और उस समय वह अचेत अवस्था में थे। अस्पताल के अनुसार प्रारंभिक जांच के दौरान उनके मूत्र मार्ग में संक्रमण की पुष्टि हुई है।

अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण शुरू

जम्मू से आज रवाना होगा पहला जत्था

उपराज्यपाल जम्मू से पहले जत्थे को करेंगे रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ जम्मू

वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए ऑफलाइन पंजीकरण बुधवार को शुरू हो गया। हालांकि इससे एक दिन पहले ही सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु निर्धारित केंद्रों पर जमा हो गए। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा गुरुवार को यहां भगवती नगर यात्री निवास आधार शिविर से श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को रवाना करेंगे। अमरनाथ गुफा मंदिर की 57 दिनों की यह यात्रा तीन जुलाई से शुरू होने वाली है। यह यात्रा अनंतनाग जिले के पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवां-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले के 14 किलोमीटर लंबे लेकिन अधिक खड़ी चढ़ाई वाले बालटाल मार्ग से होगी।

संधू ने किया आकर्षित

श्रद्धालुओं में उत्तर प्रदेश निवासी संधू राम किशन भी शामिल थे, जिनका अनोखा पहनावा लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा था। सिर और सीने पर रुद्राक्ष के साथ विभिन्न देशों के सिक्के लगाए हुए किशन ने कहा कि उनका यह पहनावा भगवान शिव के प्रति उनकी अटूट आस्था को दर्शाता है। किशन ने कहा, रुद्र के बिना कुछ नहीं होता। श्रद्धालु ने बताया कि उन्होंने 14 वर्षों तक मौन व्रत रखा और वर्ष 2006 से वह इस गुफा के दर्शन के लिए आ रहे हैं।

राहत की बारिश

मुंबई में भारी बारिश, हिमाचल में चट्टान गिरने से कई रास्ते बंद

छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों को जल्द मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

देश के कई राज्यों में मानसून पहुंचने के बाद भारी बारिश हो रही है। मुंबई में मॉनसून पूरी तरह सक्रिय है। पिछले कई दिनों से लगातार मुंबई में दिन की शुरुआत बारिश के साथ हो रही है। उत्तरभारत के कई राज्यों में बरसात ने लोगों को राहत दी है। छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों को गर्मी के रौद्र रूप के बीच अब लोगों को राहत मिलने वाली है। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश होने से नदियों का जलस्तर बढ़ गया, बिजली आपूर्ति बाधित हो गई और कई मार्गों को बंद कर दिया गया। इस दौरान मंडी जिले के औट के पास चट्टान गिरने से एक महिला की मौत हो गई।

19 राज्यों में अलर्ट

मौसम विभाग के अलर्ट के मुताबिक 2 जुलाई को यूपी, बिहार समेत 19 राज्यों में भारी बारिश और तूफान का अलर्ट जारी किया गया है। पूर्वी भारत के राज्यों में भारी बारिश और आंधी का कहर देखने को मिलेगा। नदी किनारे रहने वाले किसानों और मछुआरों को जल्द से जल्द सुरक्षित जगहों पर जाने की सलाह है। कुछ राज्यों में बड़े-बड़े ओले गिरने की भी चेतावनी है। पहाड़ी राज्यों में भी मौसम का मिजाज बिगड़ने वाला है। अगर यात्रा कर रहे हैं तो पूरी सतर्कता के साथ निकलें। घने जंगलों के रास्तों से जाने से बचें। उत्तरी बंगाल की खाड़ी और उसके आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवा में एक चक्रवाती परिसंचरण बन रहा है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है।

पहाड़ी से गिरा पत्थर, महिला की मौत

हिमाचल के सोलन जिले के नालागढ़ की रहने वाली सुखबीर कौर (38) अपने परिवार के साथ मणिकरण जा रही थीं। चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर औट के पास जैसे ही वह कार से बाहर निकलीं, वह पहाड़ी से गिरे एक बड़े पत्थर की चपेट में आ गईं जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को पास के अस्पताल भिजवाया है। लगातार बारिश की वजह से चंबा जिले के लनोट और फागडोग गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हादसा

बस और ट्रक की टक्कर से आग, पांच जिंदा जले

हरिभूमि न्यूज ⏭ जयपुर

राजस्थान के दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बुधवार तड़के एक बस के ट्रक से टकरा जाने के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए। यह हादसा कोलवा थाना क्षेत्र में धनावड़ा के पास हुआ। दौसा के पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित ने बताया कि हादसे में पांच लोग जिंदा जल गए, जबकि दो की मौत सिर में गंभीर चोट लगने के कारण हुई। एक अन्य व्यक्ति ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

यात्रियों में अफरा-तफरी

उत्तराखंड के ऋषिकेश से इंदौर जा रही हंस ट्रेवल्स की बस दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर आगे चल रहे एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर के बाद बस और ट्रक दोनों में आग लग गई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचीं तथा राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। बाद में आग पर काबू पा लिया गया।

सिया ने मर्डर से पहले लिया मंगेतर का फोन, चैट भी की थी डिलीट

हरिभूमि न्यूज ⏭ पुणे

पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। शहर के पास लोहागढ़ किले से मंगेतर केतन अग्रवाल को कथित तौर पर खाई में धक्का देने से ठीक पहले 20 वर्षीय सिया गोयल ने उसका मोबाइल फोन अपने पास ले लिया था। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या सिया ने फोन अपने पास रहने के दौरान कोई अहम सबूत मिटाए थे। पुलिस के मुताबिक, घटना के बाद सिया ने केतन का मोबाइल उसके एक रिश्तेदार को लौटा दिया था। जांच अधिकारियों का कहना है कि यह पता लगाया जा रहा है कि फोन से कोई डेटा या अन्य सबूत तो नहीं हटाए गए।

अब सबूत मिटाने के एंगल से जांच

18 जून को हुई थी केतन की हत्या

आपको बता दें कि 18 जून को पुणे जिले के लोहागढ़ किले पर सिया गोयल (20) और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी (22) ने केतन को कथित रूप से एक खाई में धक्का दे दिया था। केतन और सिया की सगाई इसी साल फरवरी में हुई थी और शादी नवंबर में होने वाली थी। कथित हत्या के बाद सिया और चेतन को गिरफ्तार कर लिया गया था।

चेतन को क्राइम सीन पर ले गई पुलिस

बुधवार सुबह वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ 22 वर्षीय चेतन को क्राइम सीन रीक्रिएट करने के लिए लोहागढ़ फोर्ट ले जाया गया। इससे पहले पुलिस टीम सिया को भी वहां लेकर गई थी। पुलिस अब घटना वाले दिन लोहागढ़ किले पर चेतन की मौजूदगी साबित करने के लिए सीसीटीवी फुटेज का वैज्ञानिक तरीके से विश्लेषण कर रही है। इसके लिए 'गेट एनालिसिस' तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। गेट एनालिसिस एक फॉरेंसिक तकनीक है जिसमें किसी व्यक्ति के चलने के तरीके (चाल) का अध्ययन कर उसकी पहचान की जाती है।

सुप्रीम कोर्ट ने तय किए आय की गणना के लिए दिशा-निर्देश

आयकर रिटर्न से तय होगी हादसे में पीड़ितों की आय

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मोटर दुर्घटना मुआवजे में एकरूपता लाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण फैसले में बुधवार को दिशा-निर्देश तय किए कि अदालतें मृत लोगों या घायल दावेदारों की वार्षिक आय का निर्धारण आयकर रिटर्न (आईटीआर) के आधार पर कैसे करें। शीर्ष अदालत ने कहा कि वेतनभोगी व्यक्तियों के लिए वार्षिक आय दिखाने के लिए केवल पिछले वर्ष की आईटीआर पर्याप्त होगी, जबकि स्वरोजगार करने वाले व्यक्तियों के मामले में, पिछले तीन वर्षों तक के आईटीआर में घोषित औसत आय को सामान्यतः संदर्भ के रूप में माना जाना चाहिए। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत वार्षिक आय की गणना के लिए कोई निश्चित सूत्र नहीं हो सकता, लेकिन उन्होंने मुआवजे के निर्धारण के उद्देश्य से आईटीआर ⏭ शेष पेज 6 पर

हाल ही में पदोन्नति या वेतन बढ़ा हो तो क्या होगा?

हालांकि, यदि दुर्घटना से ठीक पहले किसी व्यक्ति को पदोन्नति या वेतन वृद्धि मिली हो और वह नवीनतम आईटीआर में पूरी तरह न दिखी हो, तो अदालतें पदोन्नति पत्र और अन्य वित्तीय दस्तावेज भी देख सकती हैं। स्व-रोजगार और व्यवसाय करने वाले लोगों के लिए पीठ ने कहा कि पिछले तीन वर्षों के आईटीआर में दिखाई गई आय का औसत सामान्य रूप से वार्षिक आय तय करने का आधार होना चाहिए, क्योंकि इनकी आय बदलती रहती है।

किसके लिए कैसे तय होगा

1. **वेतनभोगीः** आय निर्धारण के लिए पिछले एक साल का आयकर रिटर्न (आईटीआर) ही पर्याप्त माना जाएगा।
2. **स्वरोजगार और व्यवसायीः** आय तय करने के लिए दुर्घटना से ठीक पहले के तीन वर्षों के आयकर रिटर्न (आईटीआर) का औसत निकाला जाएगा।
3. **भविष्य की संभावनाएंः** आय में भविष्य की आय वृद्धि को भी जोड़ा जाएगा। अगर पीड़ित 40 वर्ष से कम उम्र का स्थायी कर्मचारी था, तो आय में 50% और 40-50 वर्ष के बीच 30% की वृद्धि जोड़ी जाएगी।

चिंतन

तनाव के बाद राहत की नई शुरुआत

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव ने न केवल वैश्विक शांति बल्कि अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित किया। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, आपूर्ति बाधित होने की आशंका और बढ़ती महंगाई ने आम लोगों की चिंताएं बढ़ा दी थीं, लेकिन अब हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं और इसके साथ राहत के संकेत भी दिखाई देने लगे हैं। एक जुलाई से लागू हुए कई बदलाव यह भरोसा दिलाते हैं कि संकट के बाद बेहतर दौर की शुरुआत संभव है। इसे तनाव के बाद राहतों की नई शुरुआत माना जा रहा है। सबसे बड़ी राहत ऊर्जा क्षेत्र से मिली है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें घटकर करीब 73 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई हैं। इसका असर भारत में भी दिखाई देने लगा है। निजी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी नायरा एनर्जी ने पेट्रोल 5 रुपये और डीजल 3 रुपये प्रति लीटर सस्ता कर दिया है। यह केवल कीमतों में कमी नहीं, बल्कि यह संदेश भी है कि वैश्विक परिस्थितियां सामान्य होने का लाभ अब आम उपभोक्ता तक पहुंचने लगा है। अब उम्मीद की जा सकती है कि यदि कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह नियंत्रित रहीं तो अन्य तेल कंपनियां भी जल्द राहत देने की दिशा में कदम बढ़ाएंगी। महंगाई पर नियंत्रण की दिशा में एक और सकारात्मक खबर कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में औसतन 180 रुपये की कमी है। इससे होटल, रेस्तरां और छोटे कारोबारियों की लागत घटेगी। यदि यह लाभ ग्राहकों तक पहुंचता है तो बाहर खाना, छोटी-बड़ी कैटरिंग और कई सेवाएं अपेक्षाकृत सस्ती हो सकती हैं। डीजल भरवाने की दैनिक सीमा हटने से परिवहन और उद्योग जगत को भी राहत मिलेगी, जिससे माल ढुलाई सुचारू होगी और बाजार में वस्तुओं की उपलब्धता बेहतर बनेगी। इसी बीच प्रकृति ने भी राहत का संदेश दिया है। मानसून ने देश के अधिकांश हिस्सों में दस्तक दे दी है। अच्छी बारिश किसानों के चेहरों पर मुस्कान लेकर आती है। खेतों में हरियाली बढ़ती है, फसल की उम्मीद मजबूत होती है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलती है। कृषि उत्पादन अच्छा रहने पर खाद्य महंगाई पर भी नियंत्रण रखने में मदद मिलती है। ऐसे में बारिश और ईंधन क्षेत्र से मिली राहत मिलकर अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक माहौल तैयार कर सकती है। हालांकि पासपोर्ट शुल्क में बढ़ोतरी और बिना टिकट यात्रा पर जुर्माना बढ़ना कुछ लोगों की जेब पर असर जरूर डालेगा, लेकिन व्यापक तस्वीर देखें तो एक जुलाई कई ऐसे बदलाव लेकर आया है जो अर्थव्यवस्था और आम जनजीवन में सकारात्मक संकेत दे रहे हैं। संकट के दौर के बाद ऐसे छोटे-छोटे कदम ही लोगों में विश्वास जगाते हैं कि हालात सुधर रहे हैं। भारत ने हमेशा कठिन परिस्थितियों का सामना धैर्य और संतुलन से किया है। आज भी दुनिया जब भू-राजनीतिक चुनौतियों से जूझ रही है, तब राहत के ये संकेत केवल आर्थिक आंकड़े नहीं, बल्कि उम्मीद के प्रतीक हैं। यदि वैश्विक शांति बनी रहती है, कच्चे तेल की कीमतें नियंत्रित रहती हैं और मानसून अनुकूल रहता है, तो आने वाले महीनों में महंगाई पर और लगाम लग सकती है तथा आर्थिक गतिविधियां नई रफ्तार पकड़ सकती हैं। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि यदि ईंधन की कीमतों में और कमी आती है, महंगाई नियंत्रित रहती है और कृषि उत्पादन बेहतर होता है, तो यह केवल अस्थायी राहत नहीं, बल्कि आर्थिक मजबूती की नई शुरुआत साबित हो सकती है। आखिरकार किसी भी नीति की सफलता का सबसे बड़ा पैमाना यही है कि उसका लाभ आम आदमी की थाली, जेब और जीवन में कितना दिखाई देता है।

कोर्ट का फैसला
प्रमोद भार्गव

इस्लाम धर्म अपनाने पर आरक्षण नहीं

> अदालत ने कहा कि धर्म बदलने वाला व्यक्ति 'पिछड़ा वर्ग मुस्लिम' का दर्जा मांगने का अधिकार नहीं रखता है। क्योंकि मुस्लिम समाज में भी अलग-अलग समुदाय और वर्ग होते हैं, परंतु उनकी पहचान जन्म से तय होती है न कि धर्म परिवर्तन से ? अदालत ने यह भी कहा कि इस्लामिक उपदेशक और ईसाई मिशनरियां सदियों से यह प्रचार करती आई हैं कि उनके धर्मों में सामाजिक समानता है, जबकि हिंदू धर्म में जाती व्यवस्था एक बुनियादी विसंगति है। अतएव धर्म परिवर्तन के लिए ऐसा रुख अपनाने के बाद यह कहना बेमानी है कि इस्लाम में भी ऊंच-नीच या वर्गभेद है। अतएव ऐसे उपाय हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान के उद्देश्य के तहत आरक्षण नीतियों की मूल भावना के विपरीत हैं।

उच्च न्यायालय मद्रास ने तमिलनाडु सरकार के उस अहम आदेश को रद्द कर दिया, जिसके तहत हिंदू धर्म के पिछड़े, अति पिछड़े या अनुसूचित जाति वर्ग के लोग इस्लाम अपनाने के बाद भी 'पिछड़े वर्ग मुस्लिम' का जाति प्रमाण पत्र ले सकते थे। सरकारी नौकरी और शिक्षा में आरक्षण पा लेने की इस सुविधा को न्यायालय ने दो टूक शब्दों में असंवैधानिक माना है। अदालत ने कहा कि धर्म बदलने वाला व्यक्ति 'पिछड़ा वर्ग मुस्लिम' का दर्जा मांगने का अधिकार नहीं रखता है। क्योंकि मुस्लिम समाज में भी अलग-अलग समुदाय और वर्ग होते हैं, परंतु उनकी पहचान जन्म से तय होती है न कि धर्म परिवर्तन से ? अदालत ने यह भी कहा कि इस्लामिक उपदेशक और ईसाई मिशनरियां सदियों से यह प्रचार करती आई हैं कि उनके धर्मों में सामाजिक समानता है, जबकि हिंदू धर्म में जाती व्यवस्था एक बुनियादी विसंगति है। अतएव धर्म परिवर्तन के लिए ऐसा रुख अपनाने के बाद यह कहना बेमानी है कि इस्लाम में भी ऊंच-नीच या वर्गभेद है।

हमारी राय में कुछ मुस्लिम समुदायों को पिछड़ा और कुछ को अगड़ा मानना कुरान की शिक्षाओं के खिलाफ है। दरअसल इस्लाम एक ऐसा समाज बनाना चाहता है, जिसमें सब का दर्जा एक समान रहे। यह ऐतिहासिक फैसला न्यायामूर्ति जीआर स्वामीनाथन और पीबी बालाजी की पीठ ले दिया है। इस मामले में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने तमिलनाडु सरकार के तीन मार्च 2024 के आदेश को आधार बनाया था। इसमें आरक्षित श्रेणियों से धर्मांतरित लोगों को तमिलनाडु में अधिसूचित सात पिछड़े वर्ग के मुस्लिम समूहों में से एक से संबंधित होने का सामुदायिक प्रमाण-पत्र जारी किया जा सकता था। सरकार ने अपने आदेश में यह प्रावधान किया था कि अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग या डी-नोटिफाइड समुदायों से आने वाले व्यक्ति यदि इस्लाम धर्म अपनाते हैं तो उन्हें पिछड़ा वर्ग मुस्लिम की क्षेणी में आरक्षण का लाभ दिया जा सकता है। इस सिलसिले में सरकार का तर्क था कि धर्म परिवर्तन करने वाले लोगों के अधिकार सुरक्षित रहेंगे और सामाजिक संतुलन बना रहेगा, किंतु अदालत ने कहा कि आरक्षण का आधार धर्म नहीं, बल्कि सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ापन है। इसी से मिलती-जुलती प्रकृति के एक एक मामले में फैसला देते हुए सर्वोच्च न्यायालय कह चुका है कि बिना किसी वास्तविक आस्था के केवल आरक्षण के लाभ हेतु किया गया धर्म परिवर्तन संविधान के साथ धोखाधड़ी है। सी सेल्वरानी की याचिका पर 26 नवंबर 2024 को फैसला सुनाते हुए, मद्रास उच्च न्यायालय के 24 नवंबर के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें ईसाई धर्म अपना चुकी एक महिला को अनुसूचित जाति प्रमाण-पत्र देने से इनकार कर दिया गया था। महिला ने बाद में आरक्षण के तहत रोजगार का लाभ प्राप्त करने के लिए हिंदू होने का दावा किया था, लेकिन इस पीठ ने फैसले में साफ किया कि कोई व्यक्ति किसी अन्य धर्म को तभी अपनाता है, जब वह वास्तव में उसके सिद्धांतों और धर्म आधारित आध्यात्मिक विचारों से प्रेरित होता है। यदि धर्म परिवर्तन का मकसद दूसरे धर्म में वास्तविक आस्था होने की बजाय आरक्षण का लाभ प्राप्त करना है तो इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती, क्योंकि ऐसी गलत इच्छा रखने वाले लोगों को आरक्षण

का लाभ देने से आरक्षण नीति के सामाजिक व्यवहार को क्षति पहुंचेगी। बावजूद सेल्वरानी हिंदू होने का दावा करती है और नौकरी के लिए अनुसूचित जाति का प्रमाण-पत्र मांगती है, तब यह दोहरा दावा अस्वीकार्य है। साफ है, वह ईसाई धर्म अपनाने के बावजूद एक हिंदू के रूप में अपनी पहचान नहीं बनाए रख सकती हैं। संविधान के तीसरे अनुच्छेद, अनुसूचित जाति आदेश 1950 जिसे प्रेसिडेंशियल ऑर्डर के नाम से भी जाना जाता है, के अनुसार केवल हिंदू धर्म का पालन करने वालों के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति को अनुसूचित जाति की श्रेणी में नहीं माना जाएगा। इसी तारतम्य में पिछले पचास सालों से दलित ईसाई और दलित मुसलमान संघर्षरत रहते हुए हिंदू अनुसूचित जातियों को दिए जाने वाले अधिकारों की मांग करते चले आ रहे हैं। वर्तमान में मुसलमान, सिख, पारसी, ईसाई और बौद्ध ही अल्पसंख्यक दायरे में आते हैं। जबकि जैन, बहाई और कुछ दूसरे धर्म-समुदाय भी अल्पसंख्यक दर्जा हासिल करना चाहते हैं। लेकिन जैन समुदाय केन्द्र द्वारा अधिसूचित सूची में नहीं है। इसमें भाषाई अल्पसंख्यकों को अधिसूचित किया गया है, धार्मिक अल्पसंख्यकों को नहीं। सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के मुताबिक जैन समुदाय को भी अल्पसंख्यक माना गया है, परंतु इन्हें अधिसूचित करने का अधिकार राज्यों को है, केंद्र को नहीं। इन्हीं वजहों से आतंकवाद के चलते अपनी ही पुश्तैनी जमीन से बेदखल कश्मीरी पंडित अल्पसंख्यक के दायरे में नहीं आ पा रहे हैं। मध्यप्रदेश में दिग्विजय सिंह की कांग्रेस सरकार के दौरान जैन धर्मावलंबियों को भी अल्पसंख्यक दर्जा दिया था, लेकिन अल्पसंख्यकों को दी जाने वाली सुविधाओं से ये आज भी वंचित हैं।

संविधान के अनुच्छेद-342 में धर्म परिवर्तन के संबंध में अनुच्छेद-341 जैसे प्रावधान में लोच है। 341 में स्पष्ट है कि अनुसूचित जाति (एससी) के लोग धर्म परिवर्तन करेंगे तो उनका आरक्षण समाप्त हो जाएगा। इस कारण यह वर्ग धर्मांतरण से बचा हुआ है। जबकि 342 के अंतर्गत संविधान निर्माताओं ने जनजातियों के आदि मत और पुरखों की पारंपरिक सांस्कृतिक आस्था को बनाए रखने के लिए व्यवस्था की थी कि अनुसूचित जनजातियों को राज्यवार अधिसूचित किया जाएगा। यह आदेश राष्ट्रपति द्वारा राज्य की अनुशंसा पर दिया जाता है। इस आदेश के लागू होने पर उल्लेखित अनुसूचित जनजातियों के लिए संविधान सम्मत आरक्षण के अधिकार प्राप्त होते हैं। इस आदेश के लागू होने के उपरांत भी इसमें संशोधन का अधिकार संसद को प्राप्त है। इसी परिप्रेक्ष्य में 1956 में एक संशोधन विधेयक द्वारा अनुसूचित जनजातियों में धर्मांतरण पर प्रतिबंध के लिए प्रावधान किया गया था कि यदि इस जाति का कोई व्यक्ति ईसाई या मुस्लिम धर्म स्वीकारता है तो उसे आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा, किंतु यह विधेयक पारित नहीं हो पाया है। अनुच्छेद 341 के अनुसार अनुसूचित जातियों के वही लोग आरक्षण के दायरे में हैं, जो भारतीय धर्म हिन्दू, बौद्ध और सिख अपनाने वाले हैं। गोया, अनुच्छेद-342 में 341 जैसे प्रावधान हो जाते हैं, तो अनुसूचित जनजातियों में धर्मांतरण की समस्या पर स्वाभाविक रूप से अंकुश लग जाएगा। अनुसूचित जातियों के परिप्रेक्ष्य में न्यायालय के इस फैसले ने साफ कर दिया है कि ईसाई या इस्लाम धर्मावलंबी बने अनुसूचित जाति के लोग केवल नौकरी के लिए फिर से धर्म परिवर्तन कर हिंदू नहीं बन सकते हैं। यह उपाय आरक्षण के मूल उद्देश्य के विरुद्ध होने के साथ संविधान के साथ धोखाधड़ी है। यह उपाय आरक्षण नीति के मौलिक सामाजिक लक्ष्यों को कमजोर करता है। अतएव ऐसे उपाय हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान के उद्देश्य के तहत आरक्षण नीतियों की मूल भावना के विपरीत हैं।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

मंथन
ममता कुशवाहा

आराम की दौड़ में आखिर सुरक्षा से समझौता क्यों

नोएडा के एक बहुमंजिला अपार्टमेंट में हाल ही में एयर कंडीशनर (एसी) में हुए विस्फोट से लगी आग ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि आधुनिक सुविधाएं यदि सावधानी के साथ न अपनाई जाएं तो वही जीवन के लिए बड़ा खतरा बन सकती हैं। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन आग पर काबू पाने में दमकल विभाग को कई घंटे लग गए। इससे पहले भी देश के विभिन्न शहरों में एसी फटने या उसमें शॉर्ट सर्किट से आग लगने की अनेक घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इन हादसों ने स्पष्ट कर दिया है कि केवल तकनीक पर भरोसा करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसके सुरक्षित उपयोग और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था पर भी उतना ही ध्यान देना आवश्यक है। भीषण गर्मी के इस दौर में एयर कंडीशनर अब केवल विलासिता का साधन नहीं रह गया है। पहले जहां एसी केवल बड़े घरों, कार्यालयों या होटलों तक सीमित था, वहीं आज मध्यम वर्गीय परिवारों के घरों में भी यह आम जरूरत बन चुका है। लगातार बढ़ते तापमान और बदलती जीवनशैली ने एसी को रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बना दिया है। लेकिन सुविधा का यह साधन तभी तक उपयोगी है, जब तक उसका उपयोग जिम्मेदारी और सावधानी के साथ किया जाए। जैसे-जैसे एसी का उपयोग बढ़ा है, वैसे-वैसे उससे जुड़ी दुर्घटनाओं की संख्या भी बढ़ी है।

यह स्थिति केवल व्यक्तिगत लापरवाही का परिणाम नहीं है, बल्कि इसमें तकनीकी खामियां, घटिया गुणवत्ता वाले उपकरण, अपर्याप्त रखरखाव और सुरक्षा मानकों की अनदेखी भी समान रूप से जिम्मेदार हैं। यदि समय-समय पर प्रशिक्षित तकनीशियन से एसी की जांच कराई जाए, गैस का स्तर देखा जाए और बिजली की वायरिंग की स्थिति पर ध्यान दिया जाए, तो अधिकांश हादसों को रोका जा सकता है। बढ़ती दुर्घटनाओं के पीछे एक और चिंता का विषय बाजार में उपलब्ध निम्न गुणवत्ता वाले उत्पाद हैं। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में कई कंपनियां कम कीमत पर उपकरण बेचने के लिए गुणवत्ता से समझौता कर लेती हैं। दूसरी ओर उपभोक्ता भी कम कीमत के लालच में बिना प्रमाणित उत्पाद खरीद लेते हैं। ऐसे उपकरणों में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं होता और उनमें प्रयुक्त पुर्जे भी टिकाऊ नहीं होते। परिणामस्वरूप थोड़ी-सी तकनीकी खराबी भी बड़े हादसे का रूप ले सकती है। इसलिए उपभोक्ताओं को हमेशा प्रमाणित और भरोसेमंद कंपनियों के उत्पाद ही खरीदने चाहिए। यह समस्या केवल घरेलू स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि शहरी विकास और भवन निर्माण व्यवस्था से भी जुड़ी हुई है। आज महानगरों में ऊंची-ऊंची इमारतें तेजी से बन रही हैं, लेकिन उनमें अग्नि सुरक्षा के मानकों का पालन हमेशा संतोषजनक नहीं होता। परिणामस्वरूप छोटी-सी आग भी भयावह रूप धारण कर लेती है। दमकल विभाग की चुनौतियां भी कम नहीं हैं। देश के अनेक शहरों में संसाधनों और आधुनिक उपकरणों का अभाव है। ऊंची इमारतों तक पहुंचने वाली हाइड्रोलिक सीढ़ियां और उच्च क्षमता वाले अग्निशमन उपकरण पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं। कई बार संकरी सड़कें, अवैध पार्किंग और अव्यवस्थित यातायात भी दमकल वाहनों के समय पर पहुंचने में बाधा बन जाते हैं। ऐसे में आग पर नियंत्रण पाने में देरी होती है और नुकसान कई गुना बढ़ जाता है। जलवायु परिवर्तन भी इस समस्या को और गंभीर बना रहा है।

हर वर्ष तापमान के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं, जिससे एसी का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। बिजली की मांग बढ़ने से विद्युत व्यवस्था पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ता है। कई क्षेत्रों में पुरानी वायरिंग और ओवरलोड ट्रांसफार्मर दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ा देते हैं। इसलिए ऊर्जा अवसंरचना को भी समय के अनुरूप आधुनिक बनाना आवश्यक है, ताकि बढ़ती जरूरतों को सुरक्षित ढंग से पूरा किया जा सके। वास्तव में आधुनिक तकनीक का उद्देश्य जीवन को सरल और आरामदायक बनाना है, न कि उसे संकट में डालना। इसलिए सुविधा और सुरक्षा का संतुलन बनाए रखना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। नोएडा जैसी घटनाएं केवल समाचार नहीं हैं, बल्कि चेतावनी हैं कि यदि हम अभी भी नहीं चेते तो भविष्य में ऐसे हादसे और बढ़ सकते हैं। सरकार को सुरक्षा मानकों का कठोर पालन सुनिश्चित करना होगा, भवन निर्माताओं को अग्नि सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी, कंपनियों को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराने होंगे और नागरिकों को जिम्मेदार उपभोक्ता बनना होगा। जब तकनीक के साथ सतर्कता, गुणवत्ता के साथ जिम्मेदारी और सुविधा के साथ सुरक्षा भी जुड़ जाएगी, तभी आधुनिक जीवन वास्तव में सुरक्षित, सुखद और विश्वासपूर्ण बन सकेगा।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मन को स्थिर रखना ही है जीवन का सूत्र

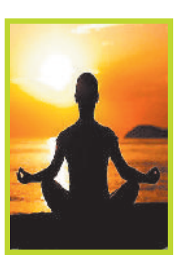

संकलित
दर्शन

काम, क्रोध, लोभ और मोह की स्वाभाविक वृत्तियों से घिरा हुआ मनुष्य जब अपनी असत दृष्टि से इनमें आनंद का अनुभव करने लगता है, तो उसे यह संसार खुशनुमा लगने लगता है। काम अर्थात इच्छा। जब भी किसी व्यक्ति के मन में उठी इच्छा की पूर्ति होती है, तो वह परम आनंद को प्राप्त होता है, पर वह यह भूल जाता है कि उसकी यह इच्छापूर्ति उसी तरह से उसके मन में एक और इच्छा जागृत करके उसके चित्त को अव्यवस्थित कर देगी, जिस तरह से जलती हुई अग्नि पूरी मात्र में घी पाने पर भी बुझती नहीं है, अपितु और वेग से जलने लगती है। इसी भांति से यदि अन्य किसी व्यक्ति के साथ विचार भिन्नता होती है तो वे दोनों ही पक्ष एक-दूसरे की हानि करने के लिए तत्पर हो जाते हैं और अपने चित्त की सहज शांति खो बैठते हैं। इस स्थिति में जिसकी हानि होती है वह तो दुखी होता ही है, जो लाभ में रहता है वह भी हारे हुए पक्ष की ओर से आने वाली संभावित प्रतिक्रिया से हर दम चिंता में डूबा रहता है। और इस तरह से क्रोध भी व्यक्तियों को पीड़ित करने का कारण ही बनता है। वहीं लोभ और मोह की असीमित शक्ति का तो यह हाल है कि हम अपना पूरा का पूरा जीवन इसमें लगा देते हैं कि हमारे पास इतनी अथाह संपत्ति हो, जिसकी बराबरी धरती का कोई भी दूसरा व्यक्ति कभी न कर सके और हमारी अपनी संतान भी ऐसी हो, जिसकी सुंदरता और बुद्धिमत्ता का कोई मुकाबला न हो सके। रावण से लेकर कंस आदि के उदाहरण हमारे सामने हैं, जो अपने जीवन में अपनी ऐसी ही मानसिक विकृतियों से कभी भी पार नहीं पा सके।

भक्ति करने का मतलब ये नहीं कि जीवन में दुख नहीं आएंगे

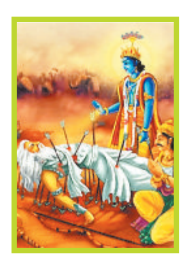

संकलित
प्रेरणा

महाभारत युद्ध के बाद का किस्सा है। पांडवों ने कौरवों को हरा दिया था और युधिष्ठिर राजा बन गए थे। उस समय भीष्म पितामह बाणों की शय्या पर लेटे हुए थे और प्राण त्यागने के लिए सूर्य के उत्तरायण होने की प्रतीक्षा कर रहे थे। भीष्म के पूरे शरीर पर तीर लगे हुए थे। एक दिन श्रीकृष्ण पांडवों के साथ भीष्म से मिलने पहुंचे। श्रीकृष्ण ने भीष्म से कहा कि आप पांडवों को राजधर्म का ज्ञान दें, ताकि ये अपना राज-पाठ अच्छी तरह चला सके। बातचीत करते समय पांडवों ने देखा कि भीष्म पितामह की आंखों में आंसू आ गए थे। पांडवों को इस बात की हैरानी हुई कि भीष्म पितामह जैसे महारथी को भी मृत्यु का डर सता रहा है, इस वजह से इनकी आंखों में आंसु आ गए हैं। जबकि इन्हें तो इच्छामृत्यु का वरदान मिला हुआ है। पांडवों के मन की बात समझकर श्रीकृष्ण ने भीष्म पितामह से पूछा कि आपकी आंखों में आंसू क्यों हैं? श्रीकृष्ण का प्रश्न सुनकर भीष्म ने कहा कि आप तो सब कुछ जानते हैं, मैं पांडवों को भी बता देता हूं। मेरी आंखों में आंसू पांडवों को देखकर आ गए। पांडवों पुत्रों के साथ स्वयं श्रीकृष्ण साथ हैं। फिर भी इनके जीवन में लगातार दुख आते रहे। कदम-कदम पर पांडवों के जीवन में मुश्किलें आईं। इन्हें देखकर मुझे समझ आया कि अगर हमारे भगवान हैं, तब भी इसका मतलब ये नहीं है कि हमारे जीवन में दुख नहीं आएंगे। दुख तो आएंगे, लेकिन भगवान की मदद से हम दुखों का सामना पूरे साहस के साथ कर पाते हैं। भक्ति करेंगे तो भगवान हमें दुखों से लड़ने का साहस देंगे।

अंतर्मन

आज की पाती

साइबर सुरक्षा के लिए जनचेतना जरूरी

आज हमारे देश में साइबर फ्रॉड के मामले बहुत बढ़ गए हैं। इसके लिए जागरूकता अभियान बहुत जरूरी है। साइबर सुरक्षा के लिए इन बातों पर ध्यान रखना जरूरी है। एसएमएस या व्हाट्सएप पर आए किसी भी अनजान लिंक को न खोलें। किसी को भी ओटीपी या अपने इंटरनेट बैंकिंग की डिटेल न दें। केवाईसी के नाम पर भी साइबर फ्रॉड हो सकता है। इसके लिए बैंक से संपर्क करें। आजकल तो ई-चालान, बिजली बिल भरने के नाम पर धोखाधड़ी के मैसेज आ रहे हैं, इनसे भी सावधान रहें। अपने नेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग के पासवर्ड और पिन बदलते रहें। हालांकि सरकार ने साइबर धोखाधड़ी से बचने के अनेक उपाय किए हैं, लेकिन समूह समाज को भी सचेत रहना होगा।

- मनीष अग्रवाल, धमतरी

ट्रेंड

विजया मेहता को श्रद्धांजलि

दिग्गज अभिनेत्री और थिएटर डायरेक्टर विजया मेहता के निधन की खबर दिल तोड़ने वाली है। उन्हें मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि। विजया ताई ने कई नाटकों और फिल्मों के ज़रिए अहम योगदान दिया।
- **नितिन गडकरी,** केंद्रीय राजमार्ग मंत्री

इज़राइल दौरा

हम इज़राइल के रणनीतिक दायरे में और गहरे धंसते जा रहे हैं, जबकि दुनिया उससे तेज़ी से दूर हो रही है। प्रधानमंत्री का इज़राइल दौरा एक हैरान करने वाले रणनीतिक फैसले के तौर पर इतिहास में दर्ज होगा।
- **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

नई ईवी पॉलिसी

दिल्ली की नई ईवी पॉलिसी को आधिकारिक तौर पर गैज़ेट में नोटिफाई कर दिया गया है और यह अब लागू हो गई है। आज से, इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर खरीदने वालों को 30,000, थ्री-व्हीलर को 50,000 और एन1 कैटेगरी के हल्के कमर्शियल वाहनों के लिए 1 लाख की सब्सिडी मिलेगी।
-**रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

विकास का अगला चरण

इस साल असम में बिजली की अधिकतम मांग के 3,000 एमडब्ल्यू से ज़्यादा होने की उम्मीद है, इसलिए हम राज्य को बिजली के मामले में सरप्लस बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम असम को विकास के अगले चरण के लिए तैयार कर रहे हैं।
- **हिमंत बिस्वा सरमा,** सीएम, असम

करंट अफेयर

अमेरिकी डाक सेवा दिवाली पर जारी करेगी डाक टिकट

अमेरिकी डाक सेवा (यूएसपीएस) ने दिवाली के त्योहार पर आधारित एक डाक टिकट जारी करने की घोषणा की है। यह टिकट इस वर्ष के अंत में जारी किया जाएगा। दिवाली के इस डाक टिकट पर ह्यूस्टन की कलाकार संगीता भूटाडा द्वारा बनाई गई रंगोली की आकृति है जिसकी तस्वीर बिनय दीक्षित ने ली थी। यूएसपीएस ने कहा कि रंगोली फर्श पर की जाने वाली एक खूबसूरत कलाकारी है जिसे पारंपरिक रूप से चावल के रंगीन पाउडर, चॉक और फूलों की पंखुड़ियों जैसी सामग्री से बनाया जाता है तथा इसे शुभ माना जाता है। यूएसपीएस के अनुसार, भूटाडा मूल रूप से भारत की रहने वाली हैं और लंबे समय से ह्यूस्टन क्षेत्र में रह रही हैं। वह करीब 30 वर्षों से रंगोली की प्राचीन लोककला से जुड़ी हुई हैं। इस डाक टिकट को जेनिफर अर्नोल्ड ने डिजाइन किया है और विलियम जे. गिकर इसके कला निदेशक हैं। यूएसपीएस ने बताया कि दिवाली पर आधारित यह डाक टिकट अक्टूबर में जारी किया जाएगा। यूएसपीएस ने कहा, 'हिंदू पंचांग के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में शामिल दिवाली हर वर्ष शरद ऋतु में मनाई जाती है और यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। दिवाली आमतौर पर पांच दिन तक मनाई जाती है। वर्ष 2026 में त्योहार का मुख्य दिन आठ नवंबर को होगा।'

ऑफ बीट

कैसे साफ किया जा सकता है अंतरिक्ष में मौजूद कचरा

सत्तर साल पहले पृथ्वी का सिर्फ एक ही प्राकृतिक उपग्रह था-चंद्रमा। आज पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे उपग्रहों की संख्या 15,000 से अधिक हो चुकी है, जिनमें से लगभग 10,000 एलन मस्क की कंपनी 'स्पेसएक्स' के हैं। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क की योजना 10 लाख और उपग्रह अंतरिक्ष में भेजने की है। इनमें से प्रत्येक की लंबाई लगभग 70 मीटर और चौड़ाई करीब 20 मीटर होगी तथा ये मिलकर अंतरिक्ष में डेटा केंद्रों के रूप में काम करने वाला एक विशाल उपग्रह समूह बनाएंगे। अंतरिक्ष कचरे से आशय पृथ्वी की कक्षा में मौजूद उन सभी वस्तुओं से है, जिनका अब कोई उपयोग नहीं रह गया है। इनमें इस्तेमाल हो चुके रॉकेट के हिस्से, निष्क्रिय या क्षतिग्रस्त उपग्रह तथा अति सूक्ष्म कण भी शामिल हैं। वर्तमान में पृथ्वी की कक्षा में 10 सेंटीमीटर से बड़े कचरे के करीब 36,000 टुकड़े हैं, जबकि इससे छोटे कणों की संख्या करोड़ों में है। अनुमान है कि इस पूरे मलबे का कुल वजन 13,486 टन है। इस मलबे में सबसे बड़ा योगदान अमेरिका, रूस और चीन का है। अंतरिक्ष मलबा इसलिए बेहद खतरनाक है क्योंकि यह लगभग सात किलोमीटर प्रति सैकंड की औसत गति से पृथ्वी की निचली कक्षा में घूम रहा होता है। इतनी तेज गति से होने वाली एक टक्कर किसी उपग्रह को पूरी तरह तोड़ सकती है तथा उससे और भी अधिक अंतरिक्ष मलबा पैदा हो सकता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

हॉर्मुज में बीच समंदर फंसा विदेशी जहाज, ईरान का 'तय रूट' नहीं अपनाने का दावा

एजेंसी ▶▶| तेहरान

दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में बुधवार को एक विदेशी कंटेनर जहाज फंस गया। ईरान के सरकारी टेलीविजन के अनुसार, जहाज ने ईरान द्वारा निर्धारित आधिकारिक समुद्री मार्ग का पालन नहीं किया, जिसके कारण वह उथले पानी में जाकर फंस गया और आगे बढ़ने में असमर्थ हो गया। हालांकि ईरान ने जहाज के नाम, उसके झंडे या उसके गंतव्य के बारे में तत्काल कोई जानकारी साझा नहीं की। सरकारी टीवी ने केवल इतना कहा कि जहाज विदेशी कंटेनर पोत था और गलत मार्ग चुनने के कारण यह हादसा हुआ। ईरानी मीडिया ने दावा किया कि हॉर्मुज से गुजरने वाले सभी जहाजों को IRGC द्वारा निर्धारित रूट ऑफ अथॉरिटी का पालन करना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया कि आईआरजीसी पहले भी दुनिया भर के जहाज मालिकों, कप्तानों और शिपिंग कंपनियों को चेतावनी दे चुका है कि निर्धारित मार्ग से हटकर आने-जाने पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

जारी है कूटनीतिक वार्ता

यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच हालिया संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच युद्धविराम को स्थायी बनाने के लिए कतर की राजधानी दोहा में कूटनीतिक वार्ता जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और उनके दामाद जेरेड कुशनर कतर पहुंचे हुए हैं। क्षेत्रीय अधिकारियों के अनुसार, दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों के बीच तकनीकी स्तर की बातचीत शुरू हो चुकी है, हालांकि ईरान ने आधिकारिक तौर पर इन वार्ताओं की पुष्टि नहीं की है।

हॉर्मुज है वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा

सूत्रों के मुताबिक, अंतरिम समझौते के तहत ईरान और अमेरिका ने 60 दिनों तक जहाजों को बिना शुल्क हॉर्मुज से गुजरने देने पर सहमति जताई थी। लेकिन इसके साथ ही ईरान ने यह भी शर्त रखी कि समुद्री मार्गों का नियंत्रण उसके पास रहेगा और भविष्य में वह जहाजों से पारगमन शुल्क वसूलने का अधिकार चाहता है। अमेरिका और कई खाड़ी देशों ने इस मांग का विरोध किया है। गौरतलब है कि हॉर्मुज वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माना जाता है। सामान्य परिस्थितियों में दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति इसी समुद्री मार्ग से होती है। इसलिए इस क्षेत्र में किसी भी तरह की अस्थिरता का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर पड़ सकता है।

विदेश मंत्री अराघची ने ट्रंप को दी 'धमकी'

'तेल अवीव में 'पालतू जानवरों' का मुंह बंद कराएं, वरना सबक सिखाएंगे'

ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव के बीच विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप को अमेरिका से तेल अवीव में अपने सहयोगियों को मुंह बंद करने के लिए कहना चाहिए। यदि वे उनकी बात नहीं माने, तो ईरान उन्हें सबक सिखाने के लिए तैयार है। सैयद अब्बास अराघची ने कहा, 'ट्रंप ने अमेरिका को तेल अवीव में अपने पालतू

जानवरों का मुंह बंद करने के लिए कहा है। यदि वे अपने मालिक की बात नहीं मानेंगे, तो ईरान उन्हें सबक सिखाएगा। हमारे लोगों और लीडरशिप के खिलाफ किसी भी खतरे का तुरंत कड़ा जवाब दिया जाएगा। हम किसी तरह का दबाव स्वीकार नहीं करेंगे।' ईरानी विदेश मंत्री का यह बयान क्षेत्रीय तनाव के बीच आया है, जहां ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच लगातार बयानबाजी जारी है। सैयद अराघची ने ईरान के लोगों और नेतृत्व को लेकर भी सख्त रुख दिखाया। उन्होंने साफ संदेश दिया कि देश अपनी सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़े मामलों में किसी दबाव को स्वीकार नहीं करेगा।

इधर, वार्ता के लिए अमेरिकी अधिकारी पहुंचे कतर

इसी बीच युद्ध खत्म करने के लिए शुरुआती डील को लागू करने के बारे में बातचीत के लिए अमेरिका के दो दूत मंगलवार को कतर पहुंचे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खास दूत स्टीव विटकॉफ और उनके दामाद जेरेड कुशनर का यह दौरा होर्मुज स्ट्रेट को शिपिंग ट्रैफिक के लिए फिर से खोलने की कोशिशों को लेकर वीकेंड में हुई गोलीबारी के बाद हुआ है। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने कहा कि दोहा में अमेरिकी दूत ईरानी डिप्लोमैट के साथ सीधी बातचीत नहीं करेंगे। यूएस और ईरान पहले भी अप्रत्यक्ष बातचीत कर चुके हैं।

खबर संक्षेप

दीक्षित बने भारतीय वायुसेना के उप प्रमुख

नई दिल्ली। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित भारतीय वायु सेना के नए और 51वें उप प्रमुख बनाए गए हैं। उन्होंने एयर मार्शल नागेश कपूर का स्थान लिया है। इससे पहले वे एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख के रूप में सेवा दे रहे थे। उससे पहले वे केंद्रीय वायु कमान के वायु अधिकारी कमांडिंग-इन-चीफ थे। आशुतोष दीक्षित दक्षिण पश्चिमी वायु कमान के वरिष्ठ वायु सेना अधिकारी के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। तीन दशकों से अधिक के अपने करियर में, उनके पास विभिन्न लड़ाकू जेट विमानों पर 3300 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव है।

नहीं रहीं दिग्गज निर्देशक विजय मेहता

मुंबई। मराठी थिएटर को नई पहचान देने वाली सीनियर डायरेक्टर, अभिनेत्री और रंगकर्मी विजय मेहता का मंगलवार रात निधन हो गया। वह 92 साल की थीं। उम्र संबंधी बीमारियों के कारण उन्होंने दक्षिण मुंबई स्थित अपने घर पर अंतिम सांस ली। एक्टर विजय केंकरे ने उनके निधन की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि विजय मेहता का निधन रात करीब 9:30 से 10 बजे के बीच हुआ।

पर्सनैलिटी राइट्स : राघव को अंतरिम राहत नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा की पर्सनैलिटी राइट्स से जुड़ी याचिका पर फिलहाल कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि इसमें कोई पर्सनैलिटी राइट्स शामिल नहीं है। हालांकि, कोर्ट इस मामले में पहले ही पहली ही मानहानि कारक माने गए पोस्ट और दस्तावेजों को हटाने का आदेश दे चुका है। मामले की सुनवाई के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने स्पष्ट किया कि अदालत पहले ही उन पांच चुनिंदा पोस्ट और दस्तावेजों को हटाने का आदेश दे चुकी है जो प्रथम दृष्टया मानहानिकारक प्रतीत हो रहे थे।

हॉर्स ट्रेडिंग के आरोपों में पुलिस ने किया 3 लोगों को गिरफ्तार

तमिलनाडु में विजय सरकार गिराने की साजिश 35 करोड़ का ऑफर, रडार पर थे 15 विधायक

» तमिलनाडु की सियासत से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां अभिनेता से नेता बने विजय के नेतृत्व वाले टीवीके विधायक ने दावा किया है कि उन्हें सदन अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्तावित विधानसभा प्रस्ताव पर अपना वोट प्रभावित करने के लिए 35 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी।

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में करिश्माई जीत हासिल करके मुख्यमंत्री बने सीएम सी जोसेफ विजय 10 जुलाई को दो महीने पूरे करेंगे। इस पहले तमिलनाडु में विजय की सरकार को अस्थिर करने की साजिश सामने आई है। तमिलनाडु पुलिस ने तीन लोगों को विधायकों को 35 करोड़ रुपये ऑफर करने और हॉर्स ट्रेडिंग के आरोपों में अरेस्ट किया है। इस पूरे मामले में डीएमके के कद्दावर और पूर्व मंत्री वी सेंथिल बालाजी का नाम उछलने से राजनीति गरमा गई है। दावा किया जा रहा है कि पुलिस के इंटेलीजेंस विभाग ने इस मामले की भनक लगते ही सरकार गिराने की साजिश को विफल कर दिया। दावा किया जा रहा है कि करीब 15 विधायकों से विपक्ष में वोट दिलवाने की साजिश रची जा रही थी।

डीएमके के कद्दावर पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी पर लगे गंभीर आरोप

डीएमके के सहयोगी दलों से मिले समर्थन से चल रही है टीवीके सरकार

विधायक की शिकायत पर एक्शन

पुलिस ने यह कार्रवाई तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के विधायक एन. इलैयाराजा के आरोपों के बाद की गई है। उन्होंने दावा किया कि उन्हें विधानसभा स्पीकर के खिलाफ प्रस्तावित प्रस्ताव पर अपना वोट प्रभावित करने के लिए 35 करोड़ रुपये का ऑफर दिया गया था। बुधवार को पुलिस ने बताया, जांच में पूर्व डीएमके मंत्री वी सेंथिल बालाजी और उनके भाई वी अशोक कुमार का नाम भी कथित तौर पर इस साजिश से जुड़ा पाया गया है। 29 जून को चेन्नई पुलिस कमिश्नर के पास इलैयाराजा द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में विजय की पार्टी टीवीके बहुमत से चूक गई थी।

शिकायत में यह है आरोप

टीवीएके एमएलए इलैयाराजा की शिकायत के अनुसार, थिरुनावुक्करसु नाम के एक व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया। उसने दावा किया कि वह 'इंडियन पॉलिटिकल डेमोक्रेटिक स्ट्रैटेजीज' (आईपीडीएस) नाम की एक ओपिनियन पोलिंग संस्था का प्रमुख है और एक बड़ी राजनीतिक पार्टी के सदस्यों की ओर से बात कर रहा है। कॉलर ने कथित तौर पर टीवीके विधायक से कहा कि तमिलनाडु विधानसभा के स्पीकर के खिलाफ एक प्रस्ताव लाया जाएगा और उनसे कहा कि वे सत्ताधारी पार्टी का सदस्य होने के बावजूद एक खास तरीके से वोट करें। इसके बदले में उसने कथित तौर पर इलैयाराजा को 35 करोड़ रुपये तक का ऑफर दिया।

टीवीके विधायक ने ठुकराया प्रस्ताव

इलैयाराजा ने आरोप लगाया कि उन्होंने यह ऑफर ठुकरा दिया और कॉलर से दोबारा संपर्क न करने को कहा। हालांकि थिरुनावुक्करसु ने कथित तौर पर उन्हें धमकी दी और चेतावनी दी कि अगर उन्होंने इस बातचीत का खुलासा किया तो उन्हें और उनके परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। पुलिस ने बताया कि बाद की जांच में पता चला कि पूर्व डीएमके मंत्री और कोयंबटूर दक्षिण के विधायक वी सेंथिल बालाजी के भाई वी अशोक कुमार ने चेन्नई में नरेश से मुलाकात की थी। जांच करने वालों का आरोप है कि सेंथिल बालाजी और अशोक कुमार के कहने पर थिरुनावुक्कारासु ने इलैयाराजा से संपर्क किया।

टीवीके एक नैरेटिव गढ़ रहा : डीएमके

डीएमके के प्रवक्ता ए सरवनन ने कहा- टीवीके जांच से जुड़ी जानकारी लीक करके सिर्फ जनता के बीच सनसनी फैलाना चाहती है। इससे पता चलता है कि उन्हें तथ्यों की जानकारी नहीं है और वे सिर्फ एक मनगढ़ंत कहानी बना रहे हैं। अगर उसके पास पुख्ता सबूत हैं तो वह सेंथिल बालाजी को गिरफ्तार करके दिखाए। उन्होंने आगे कहा- विजय और सेंथिल बालाजी के बीच संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं। डीएमके के पूर्व मंत्री करूर से ताल्लुक रखते हैं, जहां विजय की चुनावी रैली के दौरान भगदड़ मच गई थी। विजय ने तब बालाजी पर उन्हें बदनाम करने के लिए भगदड़ की साजिश रचने का आरोप लगाया था। बालाजी ने इस आरोप से इंकार किया था।

वेनेजुएला में मारे गए भारतीय का इंडिया पहुंचा शव

दिल-दिमाग, गुर्दा, लिवर सब गायब, शॉक में परिवार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वेनेजुएला में मई में दिल का दौरा पड़ने से मरे एक भारतीय नाविक की मौत का रहस्य उस समय और गहरा गया, जब उसका शव भारत लाया गया। 33 वर्षीय राकेश चौहान के परिवार ने आरोप लगाया है कि उसके शरीर से दिमाग, दिल और फेफड़ों समेत कई अंग गायब थे। इसके बाद फेडरेशन ऑफ सीफेरर्स यूनियंस ऑफ इंडिया (एफएसयूआई) ने इस मामले की पूरी जांच की मांग की है। एफएसयूआई ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा कि चौहान का शव बिना किसी पोस्टमार्टम रिपोर्ट और वेनेजुएला के अधिकारियों की किसी जानकारी के उनके गृहनगर उत्तर प्रदेश के देवरिया भेज दिया गया।

शरीर पर पहले चोट के नहीं थे कोई निशान

परिवार ने दोबारा पोस्टमार्टम की मांग की थी। संगठन ने लिखा, 'भारत में हुए आधिकारिक पोस्टमार्टम में एक भी अंग नहीं मिला. दिमाग गायब, दिल गायब, दोनों फेफड़े गायब, लिवर, किडनी, तिल्ली, अग्नाशय, पेट और आंतें, थायरॉइड, हायॉइड, लैरिंक्स और ट्रेकिया, सब कुछ गायब था।' पोस्ट में यह भी लिखा गया कि शव की गर्दन से लेकर प्यूबिक हिस्से तक 22 टांके और एक कान से दूसरे कान तक 21 टांके पहले से लगे हुए मिले। शरीर पर पहले चोट के कोई निशान नहीं थे। शव को करीब एक महीने तक डीप फ्रीज में रखा गया था। चूंकि सारे अंग गायब थे, इसलिए मौत का असली कारण पता ही नहीं चल सका।

परिवार ने की जांच की मांग

राकेश चौहान देवरिया के लगड़ा बाजार टोला के रहने वाले थे। वे नवंबर 2025 में एक मालवाहक जहाज पर काम करने वेनेजुएला गए थे। उन्हें एक्सफिनिटी नाम की कंपनी ने भेजा था। कंपनी ने पहले परिवार को बताया कि राकेश जहाज पर गिर गए और घायल हो गए। अगली सुबह बताया गया कि उनके बचने की संभावना सिर्फ पांच प्रतिशत है, और शाम तक उनकी मौत की खबर आ गई। राकेश के पिता रामदेव चौहान ने कहा, 'हमें अंधेरे में रखा गया। पहले भी एक पोस्टमार्टम हुआ था, लेकिन जिलाधिकारी के आदेश पर हुए दूसरे पोस्टमार्टम में पता चला कि शरीर से सारे अंग गायब थे और मौत का कारण पता नहीं चल सका. हम चाहते हैं कि सरकार कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करे और मामले की जांच हो।'

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

चार्जशीट की प्रति नहीं मिलने मात्र से डिफॉल्ट जमानत का अधिकार नहीं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को स्पष्ट किया कि किसी आरोपी को आरोप-पत्र (चार्जशीट) की प्रति उपलब्ध नहीं कराए जाने को डिफॉल्ट जमानत का आधार नहीं बनाया जा सकता है। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने यह टिप्पणी करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें एक आरोपी की ऐसी ही एक याचिका खारिज कर दी गई थी। आरोपी का तर्क था कि उसे चार्जशीट की प्रति उपलब्ध नहीं कराई गई, इसलिए उसे डिफॉल्ट जमानत दी जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 193(8) के तहत चार्जशीट की अतिरिक्त प्रतियां दाखिल नहीं किए जाने से स्वयं चार्जशीट अमान्य नहीं हो जाती। अदालत ने कहा कि पूर्ववर्ती दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की तरह ही बीएनएसएस के तहत भी डिफॉल्ट जमानत का अधिकार तभी उत्पन्न होता है, जब जांच एजेंसी 60 या 90 दिनों की निर्धारित अवधि के भीतर, जैसा भी मामला हो, चार्जशीट दाखिल नहीं करती।

साइबर ठगी से जुड़े मामले पर हो रही थी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज एक मामले में गिरफ्तार आरोपी की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। यह मामला करीब 3.81 करोड़ रुपये की कथित बड़े पैमाने की साइबर ठगी से जुड़ा है। सीबीआई के अनुसार, अज्ञात साइबर अपराधी अत्याधुनिक डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल कर लोगों से ठगी कर रहे हैं। इसके लिए वे फर्जी पहचान, जाली दस्तावेज और अन्य तकनीकी तरीकों का उपयोग करते हैं।

यह कहा पीठ ने

पीठ ने कहा, 'निर्धारित अवधि के भीतर बीएनएसएस की धारा 193(3) के तहत निर्धारित प्रारूप में चार्जशीट दाखिल हो जाने के बाद डिफॉल्ट जमानत का अधिकार समाप्त हो जाता है। बीएनएसएस की धारा 193(8) का पालन नहीं करने को धारा 187(3) के समान नहीं माना जा सकता।' बता दें कि बीएनएसएस, 2023 की धारा 187(3) डिफॉल्ट जमानत से संबंधित प्रावधानों को नियंत्रित करती है।

जैन मुनि को खामेनेई के अंतिम संस्कार का न्योता

नई दिल्ली। जैन संत और अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक आचार्य लोकेश मुनि को ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण मिला है। यह कार्यक्रम 4 और 5 जुलाई को तेहरान में होगा। ईरान के सर्वोच्च नेता के कार्यालय की ओर से भेजे गए निमंत्रण पत्र में कहा गया है कि भारत और ईरान के ऐतिहासिक रिश्तों को देखते हुए आचार्य लोकेश मुनि की मौजूदगी दोनों देशों के बीच गहरे सम्मान और मित्रता का प्रतीक होगी। ईरानी मीडिया के मुताबिक, अंतिम संस्कार में 1.2 करोड़ से 2 करोड़ लोगों के शामिल होने का अनुमान है। इसी वजह से पूरे तेहरान में सुरक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य व्यवस्थाओं के विशेष इंतजाम किए गए हैं।

तीन लोग हुए गिरफ्तार

चारधाम हेलीकॉप्टर बुकिंग के नाम पर धोखाधड़ी, कई राज्यों में नेटवर्क

एजेंसी ▶▶| देहरादून

चारधाम या केदारनाथ जाने की सोच रहे हैं और हेलीकॉप्टर बुक करना चाहते हैं तो सावधान हो जाएं क्योंकि हाल ही में साइबर अपराधियों ने एक अधिकारी को निशाना बना लिया। 12 मई को एक सरकारी अधिकारी ने एक वेबसाइट के जरिए कुछ ही मिनटों में अपराधियों ने ठग लिया। दरअसल, सरकारी अधिकारी केदारनाथ के लिए हेलीकॉप्टर बुकिंग करना चाहते थे और इसके लिए उन्होंने गूगल पर सर्च किया उन्हें गूगल सर्च में अधिकृत बुकिंग वेबसाइट से मिलती-जुलती वेबसाइट मिली। उन्होंने कुछ ही मिनटों में भुगतान कर बुकिंग किया और जब परिवार फाटा हेलीपैड पहुंचा तो उन्हें पता चला कि टिकट नकली है।

लोगों को गुमराह करने के लिए बनाई वेबसाइट

मामले की जांच कर रहे अधिकारियों ने बताया कि यह वेबसाइट लोगों को गुमराह कर धोखाधड़ी से तीर्थयात्रियों से पैसे ऐंठने के लिए बनाई गई थी। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, सरकारी अधिकारी ने गूगल लिंक '**irctc-heliyatra.com**' पर क्लिक किया था। पोर्टल पर चार पवित्र हिमायली धामों की दिव्य यात्रा टैगलाइन के साथ-साथ 4 धाम, 5 रात/6 दिन,89,999 रुपये से शुरू नामक एक पैकेज का विज्ञापन और चारों तीर्थ स्थलों की तस्वीरें भी थीं।

कई राज्यों में फैला हुआ नेटवर्क

पुलिस ने कहा, 'जो शुरू में ऑनलाइन धोखाधड़ी का एक अकेला मामला लग रहा था, वह कई राज्यों में फैला हुआ एक नेटवर्क निकला।' बैंक अकाउंट, धन के लेन-देन, डोमेन रजिस्ट्रेशन, जीमेल रिकॉर्ड, आईपी लॉग और तकनीक सबूतों के विस्तृत विश्लेषण के जरिए पुलिस ने इन आरोपियों की पहचान की और 2 जून को बिहार के नालंदा से ओमप्रकाश कुमार, रोहित कुमार नाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान पुलिस ने बताया कि उन्होंने तीसरे आरोपी श्रेयांश तिवारी उर्फ शिवम की भूमिका का खुलासा किया, जो यूपी के जौनपुर का रहना वाला बीटेक का छात्र है। उसे बाद में नोएडा से गिरफ्तार कर लिया गया।

दोनों देशों के 117 नेताओं ने लिखा प्रधानमंत्री मोदी, पाक पीएम शाहबाज को पत्र

भारत, पाकिस्तान में हो बातचीत, खत्म होनी चाहिए दुश्मनी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के 100 से अधिक प्रमुख नागरिकों के एक ग्रुप ने मंगलवार को दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों से दुश्मनी खत्म करने, शांति, सामान्य स्थिति, संवाद करने की दिशा में कदम उठाने के आग्रह किया। आगे कहा कि यह दोनों देशों के लाखों युवाओं को अवसरों, समृद्धि और एक सुरक्षित भविष्य से वंचित कर रही है। उन्होंने पूर्ण राजनयिक संबंधों की बहाली और भारत और पाकिस्तान में उच्चायुक्तों की पुनःनियुक्ति के साथ-साथ दोनों देशों के नागरिकों के लिए सामान्य वीजा सेवाओं को फिर से शुरू करने की मांग की।

सेंटर फॉर पीस एंड प्रोग्रेस की ओर से जारी किया गया पत्र

इन नेताओं ने लिखा पत्र

सेंटर फॉर पीस एंड प्रोग्रेस की ओर से जारी एक पत्र में भारत और पाकिस्तान के अहम राजनीतिक हस्तियों समेत 117 लोगों ने तुरंत राजनायिक से लेकर संवाद होने, लोगों के बीच संबंधों को फिर से जोड़ने के साथ-साथ धार्मिक और सांस्कृतिक पहुंच को बढ़ावा देने तक के सुझाव दिए हैं। भारत से नेशनल कॉन्फ्रेंस के चीफ फारूक अब्दुल्ला, अलगाववादी नेता मीरवाइज उमर फारूक, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती, राजद सांसद मनोज झा, पूर्व टीएमसी मंत्री और वर्तमान एजएयूपी नेता हुमायुं कबीर समेत 61 लोगों ने पत्र में साइन किए थे। जबकि पाकिस्तान की ओर से पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी, राजनयिक अशरफ जहांगीर काजी, राष्ट्रीय सभा के सदस्य इस्फन्यार भंडारा जैसे राजनेताओं के अलावा न्यूक्लियर फिजिक्स साइंटिस्ट और राइटर परवेज हुडभोय समेत 56 लोगों ने साइन किए थे।

'शांति का रास्ता चुनना चाहिए': पत्र में कहा गया, 'भारत और पाकिस्तान की आबादी दुनिया की आबादी का एक पाँचवाँ हिस्सा हैं। दोनों देशों के आबादी का एक बड़ा हिस्सा युवा है। दोनों देशों के लोग निरंतर अविश्वास और टकराव के बजाय शांति, विकास, संपर्क और सहयोग से भविष्य के हकदार हैं।' आगे कहा, 'दशकों के अलगाव ने हमारी सामूहिक क्षमता को बाधित किया है और इसके फलस्वरूप सामाजिक, आर्थिक और मानवीय स्तर पर भारी नुकसान हुआ है। हमारा मानना है कि निरंतर जुड़ाव और संवाद ही मतभेदों को सुलझाने और एक स्थिर एवं समृद्ध क्षेत्र का एकमात्र सही रास्ता है।'

अहम मुद्दों पर द्विपक्षीय संवाद का आह्वान

पत्र में जम्मू-कश्मीर पर चर्चा समेत सभी लंबित मुद्दों पर एक व्यापक द्विपक्षीय संवाद को फिर से शुरू करने का भी आह्वान किया, जिसमें 2004 से 2007 के बीच बातचीत से तैयार किए गए ढांचे पर पुनर्विचार करना, विसैन्यीकरण की दिशा में कदम उठाना और क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए तनाव कम करना शामिल हैं। अटारी-वाघा बॉर्डर को व्यापार और यात्रा के लिए पूरी तरह से खोलने, श्रीनगर-मुजफ्फराबाद बस सर्विस को फिर से शुरू करने और अन्य कनेक्टिविटी पहलों के सुझावों के अलावा, उन्होंने यात्रा के समय और लागत को कम करने और कनेक्टिविटी में सुधार के लिए कॉमर्शियल एयरलाइनों के लिए एयर स्पेस को फिर से खोलने का भी आह्वान किया।

टीएमसी ने भाजपा पर लगाया आरोप

महुआ पर फेंके गए अंडे बैंगन, गरमाया माहौल

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा ने बीजेपी समर्थकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महुआ मोइत्रा का दावा है कि नादिया के कालीगंज स्थित अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के पार्टी कार्यालय में उनके ऊपर अंडे और बैंगन फेंके गए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी समर्थक लगातार पार्टी कार्यालय की तीसरी मंजिल को निशाना बनाकर अंडे और बैंगन फेंक रहे थे। मोइत्रा ने सोशल मीडिया पर घटना की जानकारी देते हुए कहा कि पुलिस काफी देर से मौके पर पहुंची, लेकिन वहां मौजूद रहने के बावजूद उसने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की और मूकदर्शक बनी रही। फेसबुक लाइव में उन्होंने आरोप लगाया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाने के बजाय पुलिस केवल तमाशा देखती रही।

उमस भरी गर्मी में हैवी वर्कआउट करने से डिहाइड्रेशन की आशंका बढ़ जाती है। ऐसा आपके साथ न हो, इसके लिए आपको वर्कआउट करने से पहले लिक्विड डाइट जरूर लेना चाहिए। इससे आपकी बॉडी में हाइड्रेशन लेवल मेंटेन रहेगा।

प्री-वर्कआउट ड्रिंक्स बॉडी रहेगी हाइड्रेटेड

सजेशन

ललिता गोयल

शरीर को फिट रहने के लिए कुछ लोग जिम में हैवी वर्कआउट जरूर करते हैं, लेकिन इस दौरान अगर वे खाली पेट रहते हैं, शरीर के लिए सही नहीं होता है। इसके कारण वे कमजोरी महसूस कर सकते हैं और उनका ब्लड प्रेशर भी लो हो सकता है। हाइड्रेशन लेवल कम होने पर वे बेहोश भी हो सकते हैं। इससे बचने के लिए जिम में वर्कआउट करने से पहले कुछ नेचुरल प्री-वर्कआउट ड्रिंक्स पीना फायदेमंद होता है, जो वर्कआउट के दौरान एनर्जी लेवल बढ़ाने में मदद करते हैं। लेकिन अगर आपको कोई स्वास्थ्य समस्या रहती है तो एक्सपर्ट की सलाह पर ही इनका सेवन करें।

नीबू पानी: नीबू पानी में विटामिन-सी मौजूद होता है, जो बॉडी में इलेक्ट्रोलाइट लेवल बढ़ाने में मदद करता है। नीबू पानी में थोड़ा-सा शहद और चुटकी भर नमक

मिला लेने से यह एक बेहतरीन प्री-वर्कआउट ड्रिंक बन जाता है, जो शरीर को डिटॉक्स और हाइड्रेट करता है और वर्कआउट के लिए जरूरी एनर्जी भी देता है।

नारियल पानी: बॉडी में एनर्जी लेवल नेचुरली बढ़ाने के लिए नारियल पानी सबसे अच्छा माना जाता है, इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स की उच्च मात्रा, सोडियम और मैग्नीशियम होता है, साथ ही इसमें मौजूद नेचुरल शुगर शरीर में एनर्जी के लेवल को मेंटेन रखती है। इलेक्ट्रोलाइट्स का यह नेचुरल सोर्स शरीर में हाइड्रेशन और एनर्जी को बनाए रखता है, जिससे वर्कआउट करने में आसानी होती है।

गोंद कतीरा ड्रिंक: इस मौसम में बॉडी को हाइड्रेट रखने के लिए गोंद कतीरा को भी प्री-वर्कआउट ड्रिंक के रूप में लिया जा सकता है। यह पानी ज्यादा सोखता है इसलिए इसके सेवन से बॉडी हाइड्रेट रहती है, कूलिंग इफेक्ट मिलता है। इसमें मौजूद कार्बोहाइड्रेट से बॉडी में एनर्जी मेंटेन रहती है और इसमें मौजूद फाइबर डाइजेशन ठीक रखने में भी मदद करता है। पानी में चिया सीड्स, नीबू और गोंद कतीरा डालकर हेल्दी ड्रिंक बनाया जा सकता है।

सत्तू शरबत: प्रोटीन इनटेक बढ़ाने के लिए सत्तू का शरबत एक बेहतरीन प्री-वर्कआउट ड्रिंक ऑप्शन है। इसके सेवन से बॉडी हाइड्रेटेड रहती है और वर्कआउट के बाद कमजोरी महसूस नहीं होती है।

बेल का शरबत: उमस भरी गर्मी के लिए बेल का शरबत एक सुपरड्रिंक है। यह शरीर को ठंडक देने के साथ डिहाइड्रेशन से बचाता है। बेल के शरबत में मौजूद नेचुरल शुगर तुरंत एनर्जी देती है और वर्कआउट से पहले इसे पीने से डाइजेशन भी सही रहता है।

ग्रीन टी: ग्रीन टी एक बेहद हेल्दी और लो कैलोरी प्री-वर्कआउट ड्रिंक है। ग्रीन टी, कैफीन और एंटीऑक्सीडेंट्स का अच्छा

सोर्स होती है, जो वर्कआउट के दौरान एनर्जी बढ़ाने और फोकस करने में मदद करती है।

तरबूज का जूस: तरबूज का जूस प्री-वर्कआउट के लिए एक टेस्टी और हेल्दी ऑप्शन है। तरबूज में 90 प्रतिशत से अधिक पानी होता है और इसका जूस पीने से शरीर तुरंत हाइड्रेट हो जाता है और इसमें मौजूद लाइकोपीन, विटामिन ए और सी शरीर को एनर्जी देते हैं। *

(जिम इंस्ट्रक्टर राहुल चौहान से बातचीत पर आधारित)

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. लोकेश महाजन

वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ
मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल, फरीदाबाद

वैसे तो कोई भी दवा बिना डॉक्टर की सलाह के नहीं लेनी चाहिए। लेकिन कफ सिरप को लेकर और सावधानी बरतने की जरूरत होती है। खासतौर पर बच्चों को कफ सिरप का सेवन डॉक्टर के निर्देशानुसार ही कराना चाहिए। कफ सिरप कब हार्मफुल हो सकता है, इसका सेवन करते समय किन बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए, यहां डिटेल में बताया जा रहा है।

डॉक्टर की सलाह के बिना ना करें कफ सिरप का सेवन

हाल ही में भारत सरकार ने ड्रग्स रूल्स 1945 में संशोधन करते हुए ड्रग्स रूल्स 2026 लागू किया है। जिसके तहत देश भर में अब किसी भी मेडिकल स्टोर पर सिरप आधारित दवाओं (विशेषकर कफ सिरप) की ओवर-द-काउंटर ब्रिकी को निषेध किया गया है। यानी डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बिना कोई भी सिरप दवाई नहीं मिलेगी। केंद्र सरकार ने यह फैसला मूलतया नकली या कहें मिलावटी कफ सिरप पीने से होने वाली मौतों के आधार पर लिया है। लोगों की जान बचाने और दवाओं के सुरक्षित इस्तेमाल के लिए सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम सराहनीय है।

दूषित सिरप से बच्चों की मौतें

पिछले कुछ वर्षों में भारत और अन्य देशों में ऐसे कई मामले सामने आए, जिनमें कुछ कफ सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल और इथाइलीन ग्लाइकॉल जैसे जहरीले रसायन पाए गए। इनसे बच्चों में किडनी फेल होने और मृत्यु तक की कुछ घटनाएं सामने आईं। ऐसे में हम सभी अगर जरूरी सावधानियां बरतें तो दवाओं से होने वाले नुकसान से काफी हद तक बचे रह सकते हैं।

गाइडलाइन का क्या है उद्देश्य

लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ही सरकार ने सभी सिरपों पर प्रतिबंध नहीं लगाया है, केवल उनकी बिक्री को डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन से जोड़ दिया है ताकि उनका सुरक्षित उपयोग हो सके। सरकार की हाल में दी गई नई गाइडलाइन के पीछे पांच बड़े उद्देश्य बताए जा रहे हैं।

- दूषित सिरप से होने वाली मौतों की रोकथाम।
- बच्चों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित हो।
- सेल्फ-मेडिकेशन या मेडिकल स्टोर जाकर स्वयं दवा लेने की आदत कम करना।
- सिरप के दुरुपयोग को रोकना और नशे की समस्या पर नियंत्रण करना।
- दवाओं की गुणवत्ता तथा उसके सही वितरण व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखना।

कफ सिरप तब होता है हार्मफुल

विशेषज्ञ मानते हैं कि शरीर की खांसी एक प्राकृतिक रक्षा प्रणाली भी है। इसलिए बार-बार कफ सिरप पीना, खुराक बढ़ा देना या कई कफ सिरप एक साथ लेना नुकसानदायक हो सकता है। सिरप अलग-अलग तरह के कंसंट्रेशन और डोज के साथ आते हैं। इन्हें लंबे समय तक, गलत तरीके से (जैसे-छोटे-बड़े सबको एक समान), ज्यादा मात्रा में या डॉक्टर की सलाह के बिना लिया जाए, तो कई साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। यहां तक कि व्यक्ति की मौत भी हो सकती है। हाल के वर्षों में जिन सिरपों ने सबसे अधिक चिंता पैदा की, उनमें डाइएथिलीन ग्लाइकॉल, एथिलीन ग्लाइकॉल जैसे विषैले घटक पाए गए हैं। जिनसे किडनी-लिवर फेलियर, ब्लड प्रेशर-हार्ट रेट बढ़ना, मस्तिष्क को नुकसान, दौरे पड़ना, मृत्यु तक हो सकती है। कुछ कफ सिरप में कोडीन नामक दवा होती है। यह खांसी को दबाने में मदद करती है, लेकिन अधिक मात्रा में लेने पर नशे जैसी स्थिति पैदा कर सकती है। अत्यधिक नींद और सुस्ती आ सकती है। सांस

लेने की गति धीमी हो सकती है। व्यक्ति को इसकी लत लग सकती है।

डेक्स्ट्रोमेथॉर्फन नामक रासायनिक घटक भी कई कफ सिरप में पाया जाता है। इसे अधिक मात्रा में लेने पर चक्कर आना, कंफ्यूजन होना, व्यवहार में बदलाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा क्लोरफेनिरामाइन, डाइफेनहाइड्रामाइन एंटीहिस्टामिन जैसी दवाएं एलर्जी और खांसी के उपचार में दी जाती हैं। इनसे अधिक नींद, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, कंफ्यूजन जैसी स्थिति पैदा कर सकती हैं। स्वाद बढ़ाने के लिए कई सिरपों में काफी मात्रा में चीनी मिलाई जाती है। इससे मधुमेह रोगियों को परेशानी हो सकती है। बच्चों में दांतों की समस्याएं बढ़ सकती हैं।

किन्हें है ज्यादा खतरा

डॉक्टर की सलाह के बिना कफ सिरप लेने के दुष्प्रभावों का जोखिम मूलतया कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों पर अधिक होता है जैसे छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, अस्थमा रोगी, किडनी, लिवर या गंभीर बीमारियों से ग्रसित व्यक्ति। इसलिए ऐसे लोग पूरी सावधानी बरतें।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

कफ सिरप का सेवन करने से पहले कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें।

- खांसी के कारण का पता लगाएं। किसी भी सिरप को सुरक्षित या सामान्य मानकर बार-बार न लें। खांसी शरीर का एक संकेत है, बीमारी नहीं। इसलिए केवल खांसी दबाने के बजाय उसके कारण का पता लगाकर उपचार कराना अधिक महत्वपूर्ण है।
- यदि आप पहले से मधुमेह, उच्च रक्तचाप, अस्थमा, किडनी, लिवर या हृदय रोग की दवाएं ले रहे हैं, तो डॉक्टर को इसकी जानकारी दें। कुछ सिरप अन्य दवाओं के साथ प्रतिक्रिया कर सकते हैं।
- डॉक्टर की सलाह के बिना कोई कफ सिरप न लें। खांसी-जुकाम या गले की खराश होने पर हर बार सिरप लेना जरूरी नहीं होता। खांसी कई बार एलर्जी, अस्थमा, टीबी, निमोनिया, एसिडिटी या किसी अन्य बीमारी का लक्षण भी हो सकती है। इसलिए बगैर जांच कराए बार-बार स्वयं दवा लेने से बचें।
- गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को बिना डॉक्टर की सलाह के कोई भी सिरप नहीं लेना चाहिए।
- बुजुर्गों में किडनी और लिवर की कार्यक्षमता कम हो सकती है। इसलिए दवा का प्रभाव अधिक हो सकता है। उन्हें डॉक्टर द्वारा निर्धारित की गई मात्रा में ही किसी भी तरह के सिरप का सेवन करना चाहिए।
- सिरप ही नहीं कोई भी दवा खरीदते समय उसकी एक्सपायरी डेट, बैच नंबर और निर्माता कंपनी की जानकारी अवश्य जांचें। एक्सपायर सिरप का उपयोग न करें। बोतल की सील टूटी हुई न हो और पैकिंग सही अवस्था में हो। यदि सिरप का रंग, गंध या स्वाद असामान्य लगे। तो उसका उपयोग न करें।
- निर्धारित मात्रा से अधिक किसी दवा का सेवन कभी न करें। कुछ लोग यह सोचकर अधिक मात्रा में सिरप पी लेते हैं कि जल्दी आराम मिलेगा। ऐसा करना खतरनाक हो सकता है और दुष्प्रभावों का जोखिम बढ़ा सकता है।
- बच्चों को विशेष सावधानी से दवा दें। बच्चों के लिए दवा की मात्रा उम्र और वजन के अनुसार तय होती है। कभी भी बड़े लोगों वाली दवा बच्चों को न दें और न ही अनुमान से खुराक तय करें।
- कोई भी सिरप पिलाने के लिए मापने वाले सही चम्मच या कप का ही उपयोग करें। कई लोग घर के सामान्य चम्मच से सिरप पी लेते हैं। इससे दवा की मात्रा कम या अधिक हो सकती है। हमेशा दवा के साथ मिलने वाले मापने वाले कप, ड्रॉपर या माप वाले चम्मच का ही उपयोग करें।
- किसी दूसरे व्यक्ति के लिए लिखी गई दवा स्वयं न लें और इसी तरह अपनी दवा किसी अन्य को रोगी को न दें। एक जैसी खांसी होने पर भी कारण अलग-अलग हो सकते हैं।
- यदि सिरप लेने के बाद अत्यधिक नींद, चक्कर, सांस लेने में कठिनाई, त्वचा पर चकत्ते, सूजन या अन्य असामान्य लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

खतरनाक है सेल्फ मेडिकेशन

कई लोग खांसी-जुकाम या बुखार होने पर बिना डॉक्टर से सलाह लिए सीधे मेडिकल स्टोर से सिरप खरीद लेते हैं। कई बार बीमारी का सही कारण जाने बिना दवा लेने से समस्या बढ़ सकती है। वास्तव में सेल्फ मेडिकेशन बहुत खतरनाक हो सकता है, इसलिए इससे बचा जाना जरूरी है। कुछ सिरप में ऐसे घटक होते हैं, जो अधिक मात्रा में लेने पर नशे जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं। इसलिए इनके दुरुपयोग और लत की आशंका भी रहती है।

हेल्थ अवेयरनेस

शिखर चंद जैन

हमारे शरीर की कोशिकाओं में उपस्थित जीन में हमारे वर्तमान और भावी स्वास्थ्य की पिक्चर कोड के रूप में मौजूद रहती है। आने वाले समय में जीन मैपिंग और एडिटिंग के जरिए अनेक बीमारियों का पूर्वानुमान लगाकर उसको पनपने से भी रोका जा सकेगा।

जीन तय करते हैं कैसा होगा स्वास्थ्य

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने आज उस रहस्यमयी चाबी को खोज लिया है, जो हमारे स्वास्थ्य और आयु के छिपे रहस्यों के राज खोल सकती है। ये चाबी और कुछ नहीं हमारे 'जीन' हैं। हमारी जीन कुंडली में हमारे जीवन का इतिहास, वर्तमान और भविष्य लिखा है। विज्ञान की भाषा में इसे 'जेनेटिक ब्लूप्रिंट' कहा जाता है, जो न केवल हमारी शारीरिक बनावट तय करता है, बल्कि यह भी निर्धारित करता है कि हम कितने साल जिएंगे और किन बीमारियों के प्रति संवेदनशील होंगे।

क्या है जेनेटिक कुंडली: चिकित्सा विज्ञान में जीनोम सीक्वेंसिंग के जरिए व्यक्ति की सेहत की सटीक 'कुंडली' तैयार की जा सकती है। हमारे शरीर में बड़ी संख्या में जीन होते हैं। ये जीन डीएनए के बने होते हैं, जो प्रोटीन बनाने के निर्देश देते हैं। ये प्रोटीन ही तय करते हैं कि हमारी मांसपेशियां कितनी मजबूत होंगी, हमारा मेटाबॉलिज्म कैसा होगा और हमारा इम्यून सिस्टम कितना प्रभावी होगा।

जीन से आयु का निर्धारण: वैज्ञानिकों का मानना है कि मनुष्य की औसत आयु का लगभग 20 से 30 प्रतिशत हिस्सा उसके आनुवंशिक गुणों पर निर्भर करता है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि जो लोग 100 वर्ष से अधिक जीवित रहते हैं, उनमें अक्सर 'फॉक्सो-3' नामक जीन का एक विशेष प्रकार पाया जाता है। इसे 'दीर्घायु जीन' भी कहा जाता है। यह जीन कोशिकाओं की मरम्मत करने और इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही हमारे क्रोमोसोम के सिरों पर 'टेलोमेयर्स' नामक सुरक्षा कवच होते हैं। टेलोमेयर्स का सीधा संबंध इस बात से है कि

एआई इमेज

आपका शरीर कितनी तेजी से 'बूढ़ा' हो रहा है। इसकी प्रक्रिया कुछ इस तरह काम करती है, हमारा शरीर लगातार पुरानी कोशिकाओं को हटाकर नई कोशिकाएं बनाता रहता है। जब भी एक कोशिका दो भागों में बंटती है, तो उसके टेलोमेयर्स थोड़े छोटे हो जाते हैं। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, टेलोमेयर्स इतने छोटे हो जाते हैं कि कोशिकाएं अब और विभाजित नहीं हो पातीं। यहीं से बुढ़ापा शुरू होता है। अंग कमजोर होने लगते हैं और इम्यून सिस्टम थक जाता है। जिनके टेलोमेयर्स धीरे-धीरे छोटे होते हैं या लंबे समय तक सुरक्षित रहते हैं, वे लोग आमतौर पर ज्यादा समय तक जवान और स्वस्थ रहते हैं।

मिलते हैं बीमारियों के पूर्व संकेत: जेनेटिक मैपिंग का सबसे बड़ा लाभ बीमारियों के जोखिम को पहले से पता लगाना होता है।

क्योर से प्रिवेंशन तक: आने वाले 10-20 वर्षों में, स्वास्थ्य देखभाल का केंद्र अस्पताल नहीं, बल्कि हमारा अपना डेटा होगा। जीन एडिटिंग तकनीक के जरिए भविष्य में दोषपूर्ण जीन को गर्भ में ही ठीक करना संभव हो सकता है। हम एक ऐसे युग की ओर बढ़ रहे हैं, जहां बीमारी होने का इंतजार नहीं किया जाएगा, बल्कि उसे होने से पहले ही रोक दिया जाएगा।

कैंसर की पहचान: 'बीआरसीए-1 और बीआरसीए-2' जैसे जीन में म्यूटेशन स्तन और डिंबग्रंथि के कैंसर के उच्च जोखिम का संकेत देते हैं।

हृदय रोग और मधुमेह: यदि किसी के जीन में कोलेस्ट्रॉल प्रबंधन की क्षमता कम है, तो उसे कम उम्र में ही दिल के दौरे का खतरा हो सकता है, भले ही वह बाहर से फिट दिखे।

अल्जाइमर और पार्किंसंस: मस्तिष्क से जुड़ी इन जटिल बीमारियों के संकेतों को भी जेनेटिक टेस्टिंग के जरिए दशकों पहले पहचाना जा सकता है।

पर्सनलाइज्ड मेडिसिन: मौजूदा दौर में चिकित्सा पद्धति 'ट्रायल और एरर' पर आधारित है, यानी एक ही दवा सबको दी जाती है लेकिन फार्माकोजेनोमिक्स ने इसे बदल दिया है। जीन यह तय करते हैं कि आपका शरीर किसी दवा को कैसे प्रोसेस करेगा। कुछ लोगों पर एक विशेष दवा बहुत अच्छा असर करती है, जबकि दूसरों पर उसका कोई प्रभाव नहीं होता या साइड इफेक्ट हो जाते हैं। जेनेटिक प्रोफाइलिंग से डॉक्टर अब यह जान सकते हैं कि आपके लिए कौन-सी दवा और कितनी डोज सही रहेगी।

एपिजेनेटिक्स: सटीक सुझाव का वैज्ञानिक आधार एपिजेनेटिक्स वह विज्ञान है जो बताता है कि हमारे पर्यावरण और आदतों के कारण जीन कैसे 'ऑन' या 'ऑफ' होते हैं। मान लीजिए आपके जीन में टाइप-2 मधुमेह का जोखिम लिखा है। लेकिन यदि आप सही खान-पान और नियमित व्यायाम अपनाते हैं, तो आप उस 'खराब जीन' को सुप्त रख सकते हैं। अत्यधिक तनाव और खराब पर्यावरण हमारे अच्छे जीन को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

कैसे होता है जेनेटिक टेस्ट: जेनेटिक टेस्ट चार चरणों में पूरा होता है। पहले लार या खून का एक छोटा नमूना लिया जाता है। फिर लैब में कोशिकाओं से डीएनए को अलग किया जाता है। इसके बाद मशीनों के जरिए डीएनए के कोड्स को पढ़ा जाता है। अंत में विशेषज्ञ आपके डेटा की तुलना 'नॉर्मल डेटा' से करते हैं और बताते हैं कि आपके जीन में कहां गड़बड़ी या जोखिम है। जेनेटिक रिपोर्ट को कभी भी अंतिम फैसला न मानें। यह केवल 'जोखिम' बताती है। रिपोर्ट आने के बाद हमेशा एक योग्य जेनेटिक काउंसलर या डॉक्टर से सलाह लें। *

तब देर से आएगा बुढ़ापा

टेलोमेयर्स जब देर से यानी धीमी गति से कमजोर-छोटे होते हैं तो बुढ़ापा भी देर से आता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, कुछ आदतें टेलोमेयर्स को तेजी से घिसने (छोटा होने) पर मजबूर करती हैं, जबकि कुछ आदतें उन्हें सुरक्षित रखती हैं। अत्यधिक मानसिक तनाव, सिगरेट और शराब का सेवन, बहुत ज्यादा चीनी और जंक फूड का सेवन, प्रदूषणयुक्त माहौल में रहने और सुस्त जीवनशैली से बचें। अनुशासित जीवनशैली अपनाएं और पौष्टिक भोजन करें।

अमेरिका के निर्यात नियंत्रण हटने से एंथ्रोपिक की पहुंच हुई बहाल

एंथ्रोपिक ने फेबल-5, मिथोस-5 एआई मॉडल की पहुंच बहाल की

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

कृत्रिम मेधा (एआई) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एंथ्रोपिक ने अपने उन्नत एआई मॉडल फेबल-5 और मिथोस-5 की पहुंच बहाल कर दी है। अमेरिकी सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए इस महीने की शुरुआत में इन मॉडल पर निर्यात नियंत्रण लगाए थे जिसके कारण इन तक पहुंच रोक दी गई थी। कंपनी ने ब्लॉग में लिखा कि फेबल-5 एक जुलाई से दुनिया भर के उपयोगकर्ताओं के लिए क्लॉड डॉट एआई और क्लॉड कोवर्क सहित एंथ्रोपिक के विभिन्न मंचों पर उपलब्ध हुआ। वहीं, मिथोस-5 तक पहुंच 26 जून को अमेरिकी सरकार की मंजूरी मिलने के बाद अमेरिका के चुनिंदा संगठनों के लिए फिर से शुरू कर दी गई है।

- अमेरिकी सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला दिया था

भारत, एंथ्रोपिक का दूसरा सबसे बड़ा बाजार

एंथ्रोपिक ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' अमेरिकी सरकार के साथ कई सार्थक बातचीत के बाद हम नए वर्गीकरण तंत्र के साथ फेबल-5 मॉडल को फिर से उपलब्ध करा रहे हैं, ताकि साइबर सुरक्षा से जुड़े अधिक कार्यों की पहचान कर उन्हें रोका जा सके। भारत, एंथ्रोपिक का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है।

एंथ्रोपिक ने टीसीएस के साथ किया समझौता

कंपनी ने हाल ही में टीसीएस (टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज) के साथ समझौता किया है, जिसके तहत उसके 50,000 कर्मचारियों को एंथ्रोपिक के एआई मॉडल उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अलावा कंपनी ने इन्फोसिस के साथ भी साझेदारी की घोषणा की है। इसके तहत क्लॉड मॉडल श्रृंखला का उपयोग कर उन्नत एंटरप्राइज एआई समाधान तैनात किए जाएंगे।

साझेदारों तक पहुंच बढ़ाने काम जारी

एंथ्रोपिक ने कहा कि अब वह अपनी 'प्रोजेक्ट ग्लासविंग' पहल के तहत अमेरिकी सरकार के साथ मिलकर घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक साझेदारों तक इसकी पहुंच बढ़ाने के लिए काम कर रही है।

मिथोस मॉडल तक पहुंच प्रदान की गई

मामले से परिचित सूत्रों के अनुसार, हाल ही में भारत की कुछ सरकारी एजेंसियों और निजी कंपनियों को भी 'प्रोजेक्ट ग्लासविंग' नामक साइबर सुरक्षा पहल के तहत मिथोस मॉडल तक पहुंच प्रदान की गई है। 'प्रोजेक्ट ग्लासविंग', एंथ्रोपिक द्वारा अप्रैल, 2026 में शुरू किया गया एक विशेष साइबर सुरक्षा गठबंधन है।

खबर संक्षेप

रुपया 67 पैसे कमजोर होकर 95.23 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया बुधवार को 67 पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.23 (अस्थायी) पर रहा। विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर की मजबूती से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और एशियाई मुद्राओं में व्यापक कमजोरी के कारण डॉलर-रुपये की विनिमय दर पर दबाव देखा गया।

एचएमएसआई की बिक्री 2% बढ़कर 5.28 लाख इकाई पर

मुंबई। दोपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) की कुल बिक्री जून, 2026 में 23 प्रतिशत बढ़कर 5,28,281 इकाई रही, जबकि जून, 2025 में कंपनी ने 4,29,147 वाहन बेचे थे। कंपनी ने बुधवार को कहा कि पिछले महीने उसकी घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 4,68,956 इकाई रही।

वाटरवेज लीजर 16 प्रतिशत गिरावट के साथ सूचीबद्ध

WATERWAYS LEISURE TOURISM LIMITED

नई दिल्ली। कॉर्डेलिया क्रूज का संचालन करने वाली वाटरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 808 रुपये के मुकाबले करीब 16 प्रतिशत की गिरावट के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर 808 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 14.60 प्रतिशत टूटकर 690 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ।

नए कारोबारी ऑर्डर नरम रहने से उत्पादन पर असर पड़ा

देश में विनिर्माण गतिविधियों की वृद्धि जून में धीमी पड़ी : पीएमआई

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों की वृद्धि जून में धीमी पड़ गई। नए कारोबारी ऑर्डर और अंतरराष्ट्रीय बिक्री की वृद्धि दर नरम रहने से खरीद, रोजगार और उत्पादन की रफ्तार भी कम रही।

बुधवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मई के 55.0 से घटकर जून में 54.2 पर आ गया। यह 2022 के मध्य के बाद से क्षेत्र की स्थिति में दूसरा सबसे कमजोर सुधार दर्शाता है।

बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा का कंपनियों ने उल्लेख किया

सर्वेक्षण के अनुसार, कई कंपनियों ने मांग की स्थिति में सुधार की बात कही, जबकि कुछ कंपनियों ने अपने उत्पादों की मांग कमजोर रहने और बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा का उल्लेख किया। एचएसबीसी की मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, '' भारत की विनिर्माण पीएमआई मई के 55.0 से घटकर जून में 54.2 पर आ गया, जो विस्तार तो दर्शाता है लेकिन धीमी रफ्तार से। यह संकेत देता है कि पश्चिम एशिया संघर्ष से जुड़ी पहले की तेजी के बाद मांग में कुछ नरमी आई है।''

यूरोपीय बाजारों में कमजोर बिक्री बताई गई

भंडारी ने कहा, '' उत्पादन, नए ऑर्डर, निर्यात ऑर्डर और रोजगार सभी क्षेत्रों में वृद्धि की रफ्तार धीमी रही। वहीं अंतरराष्ट्रीय बिक्री में मार्च, 2023 के बाद सबसे कमजोर बढ़ोतरी दर्ज की गई। भारतीय वस्तुओं की अंतरराष्ट्रीय मांग जून में भी बढ़ी, लेकिन इसकी रफ्तार 39 महीनों में सबसे कमजोर रही। इसकी वजह कुछ यूरोपीय बाजारों में कमजोर बिक्री बताई गई।

कंपनियों ने नई नियुक्तियां रोक दी

कीमतों के मोर्चे पर, मांग की वृद्धि कमजोर पड़ने से वस्तु उत्पादक कीमतें बढ़ाने के प्रति कम उत्सुक दिखे। उत्पादन कीमतों में बढ़ोतरी मध्यम रही और पिछले तीन महीनों में सबसे कम दर्ज की गई। रोजगार के मोर्चे पर, कार्यभार स्थिर रहने और मांग का दबाव नहीं होने से कंपनियों ने नई नियुक्तियां रोक दीं या उन्हें कम कर दिया।

- अंतरराष्ट्रीय बिक्री की वृद्धि दर नरम रहने का असर पड़ा
- रोजगार और उत्पादन की रफ्तार भी कम रही
- जून में सूचकांक घटकर 54.2 पर आ गया

विनिर्माताओं ने तटस्थ रुख अपनाया

बड़ी संख्या में विनिर्माताओं ने तटस्थ रुख अपनाया, जिससे समग्र कारोबारी आशावाद पांच महीने के निचले स्तर पर आ गया। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

भर्ती गतिविधियां समित रही : क्षमता पर दबाव नहीं होने से वित्त वर्ष की पहली तिमाही के अंत में भर्ती गतिविधियां सीमित रहीं। इस बीच, मांग और बाजार की स्थिति को लेकर चिंता के कारण जून में निवेशकों और कारोबारियों का भरोसा कमजोर पड़ा।

प्रतिभूति धोखाधड़ी मामले में 221 इकाइयों पर सेबी का प्रतिबंध

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 'पंप-एंड-डंप ऑपरेशन' यानी प्रतिभूति धोखाधड़ी मामले में 221 इकाइयों पर सात साल तक के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है। साथ ही व्यक्तिगत निवेशक हनीफ शेख पर 10 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

सेबी ने बुधवार को यह जानकारी दी। 'पंप-एंड-डंप ऑपरेशन' प्रतिभूति धोखाधड़ी का एक रूप है। धोखाधड़ी करने वाले पहले किसी छोटी या कम कारोबार वाली कंपनी के शेयर खरीदते हैं, सोशल मीडिया या थोक संदेशों के माध्यम से झूठी अफवाहें फैलाकर शेयर की कीमत को कृत्रिम रूप से बढ़ाते (पंप) हैं और फिर शेयरों को उच्च कीमतों पर बेच देते (डंप) हैं।

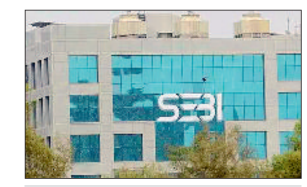

- कंपनियों को सात साल के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित किया
- निवेशक हनीफ शेख पर 10 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया

इससे खुदरा निवेशकों को भारी नुकसान होता है। सेबी ने मंगलवार को जारी आदेश में कहा कि मॉरिया उद्योग लिमिटेड, 7एनआर रिटेल, दार्जिलिंग रोपवे कंपनी, जीबीएल इंडस्ट्रीज और विशाल फैब्रिक्स लिमिटेड के शेयरों में शेख और उसकी सहयोगी कंपनियों ने हेरफेर किया है।

घोटाले से करीब 143.79 करोड़ का अवैध लाभ अर्जित किया गया

नियामक के अनुसार, इस घोटाले से करीब 143.79 करोड़ रुपये का अवैध लाभ अर्जित किया गया। सेबी ने हनीफ शेख को सात वर्षों के लिए बाजार से प्रतिबंधित किया और 10 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। वहीं, उनसे जुड़ी पांच इकाइयों को छह वर्षों के लिए प्रतिबंध करते हुए उन पर दो-दो करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, वृत्त-बिलासपुर

प्रथम निविदा/ऑफर आमंत्रण सूचना

वि.क्र.-33

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल वृत्त- बिलासपुर अन्तर्गत संभाग बिलासपुर में अभिलाषा परिसर तिफरा बिलासपुर में (1) सामान्य आवास योजना देवरीखुर्द, जिला बिलासपुर में निर्मित सामुदायिक भवन के संधारण एवं संचालन का कार्य (2) सामान्य आवास योजना अभिलाषा परिसर तिफरा बिलासपुर में निर्मित सामुदायिक भवन के संधारण एवं संचालन का कार्य ऑफर आधार पर मेनुअल ऑफर प्रपत्र में आमंत्रित की जाती है। ऑफर से संबंधित विस्तृत विवरण मण्डल वेबसाईट http://cghb.gov.in में उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यपालन अभियंता, संभाग बिलासपुर के मो.नं. 8103002219 पर संपर्क करें।

संवाद- 48315 उपायुक्त

मारुति की बिक्री जून में 19 फीसदी बढ़कर 2 लाख से ऊपर

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया की कुल बिक्री जून में 19.3 प्रतिशत बढ़कर 2,00,390 इकाई रही, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह 1,67,993 इकाई थी।

कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि पिछले महीने घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री 23.8 प्रतिशत बढ़कर 1,47,187 इकाई रही, जो जून 2025 में 1,18,906 इकाई थी। ऑल्टो और एस-प्रेसो समेत छोटी कारों की बिक्री जून में

बढ़कर 11,416 इकाई रही, जबकि एक वर्ष पहले समान महीने में यह 6,414 इकाई थी। बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट और वैगनआर जैसी कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री जून 2025 के 55,205 इकाई से बढ़कर पिछले महीने 63,815 इकाई हो गई। ब्रेजा, अर्टिगा, ई-विटारा, फ्रॉन्क्स, ग्रैंड विटारा, इनविक्टो, जिम्नी, विक्टोरिस और एक्सएल6 जैसे यूटिलिटी वाहनों की बिक्री समीक्षाधीन महीने में सालाना आधार पर 47,947 इकाई से बढ़कर 61,726 इकाई हो गई।

ईको वैन की बिक्री 10,230 इकाई रही

कंपनी ने बताया कि ईको वैन की बिक्री पिछले महीने 10,230 इकाई रही, जबकि जून 2025 में यह 9,340 इकाई थी। मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा कि हल्के वाणिज्यिक वाहन (एलसीवी) सुपर कैरी की बिक्री जून में बढ़कर 2,963 इकाई हो गई।

एडविट ज्वेल्स का शेयर 37 प्रतिशत चढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। आभूषण विनिर्माता कंपनी एडविट ज्वेल्स लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 138 रुपये के मुकाबले करीब 37 प्रतिशत की तेजी के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर 138 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 35.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 187 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। एनएसई पर शेयर ने 188.90 रुपये पर शुरुआत की जो निर्गम मूल्य से 36.88 प्रतिशत अधिक है। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 814.27 करोड़ रुपये रहा।

जीएसटी संग्रह जून में 14 फीसदी बढ़कर रहा 1.95 करोड़ रुपए

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का कुल संग्रह जून में 14 प्रतिशत बढ़कर करीब 1.95 लाख करोड़ रुपये हो गया। आयात और घरेलू आपूर्ति से कर संग्रह में वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। आंकड़ों के अनुसार, घरेलू लेन-देन से सकल संग्रह 6.5 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.35 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसमें केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी), राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) क्रमशः 37,376 करोड़ रुपये, 45,116 करोड़ रुपये और 52,282 करोड़ रुपये शामिल हैं। आयात से प्राप्त जीएसटी राजस्व जून में 34.6 प्रतिशत बढ़कर 60,038 करोड़ रुपये हो गया। आंकड़ों के अनुसार, कुल 'रिफंड' जून में 29.1 प्रतिशत बढ़कर 32,436 करोड़ रुपये रहा। 'रिफंड' समायोजित करने के बाद शुद्ध जीएसटी संग्रह जून में 11.2 प्रतिशत बढ़कर 1.62 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। एकेएम ग्लोबल में अप्रत्यक्ष कर विभाग के प्रमुख इकेश नागपाल ने बताया कि मई, 2026 की तुलना में संग्रह लगभग स्थिर रहा है।

संचालनालय कृषि, छ.ग. रायपुर
इंद्रावती भवन, द्वितीय तल, ब्लॉक-2, नवा रायपुर, अटल नगर - 492002
Email ID: diagricg.cg@nic.in phone No: 0771-2511630

क्र./FAO-GEF/REC./03/2026-27/81
नवा रायपुर, दिनांक 25/06/2026

सूचना

GEF 7 FOLUR Project अंतर्गत State Project Monitoring Unit (SPMU) के संविदा पदों पर भर्ती हेतु दिनांक 19.12.2025 को विज्ञापन जारी कर पदवार दिनांक 20.01.2026 तक आवेदन आमंत्रित किया गया था। पदवार प्राप्त आवेदनो के अनुसार प्रविष्टियां कर विवरण संचालनालय कृषि छ.ग. रायपुर के विभागीय वेबसाइट - https://agriportal.cg.nic.in/agridept/AgriHi/ पर उपलब्ध है। आवेदक द्वारा किसी प्रकार की असहमती होने की स्थिति में दिनांक 28.06.2026 दिन- रविवार से 04.07.2026 तक कार्यालयीन समय (10:00 AM से 05:30 PM) में संचालनालय कृषि छ.ग., इंद्रावती भवन, द्वितीय तल, ब्लॉक-2, नवा रायपुर, अटल नगर, कक्ष क्रमांक II/2/01 में स्वयं उपस्थित होकर दस्तावेज की स्व-प्रमाणित प्रति आवेदन के साथ जमा कर दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

अपर संचालक कृषि
संचालनालय कृषि छ.ग. रायपुर

जी. 262701817/2

देश में बिजली की खपत जून में 11.62 फीसदी बढ़ी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

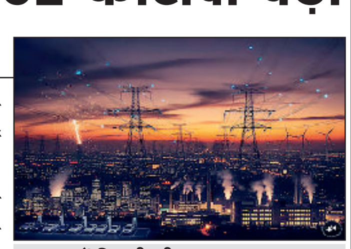

देश में भीषण गर्मी पड़ने और मानसून में देरी के कारण जून में बिजली की खपत 11.62 प्रतिशत बढ़कर 166.46 अरब यूनिट रही। मानसून में देरी और गर्मी के कारण एयर कंडीशनर जैसे ठंडक देने वाले उपकरणों का इस्तेमाल बढ़ने से बिजली की खपत बढ़ी है।

देश में कुल बिजली खपत बीते वर्ष जून में 149.13 अरब यूनिट थी। पिछले महीने बिजली की अधिकतम मांग भी बढ़कर 264.76 गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) हो गई, जो जून, 2025 में 242.77 गीगावाट थी। दक्षिण-पश्चिम मानसून चार जून, 2026 को केरल पहुंचा था। आम तौर पर, मानसून एक जून के आसपास केरल पहुंचता है। यह दक्षिण-पश्चिम मानसून आने (जून-सितंबर) का शुरुआत का संकेत होता है। विशेषज्ञों का कहना है कि जून में मानसून की धीमी गति के कारण लू की स्थिति बनी। इससे एयर कंडीशनर और डेजर्ट कूलर जैसे 'कूलिंग' उपकरणों का इस्तेमाल बढ़ा। विशेषज्ञों का मानना है कि जुलाई में बिजली की मांग स्थिर रहेगी, क्योंकि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बारिश में थोड़ी कमी का अनुमान लगाया है। बिजली की अधिकतम मांग मई, 2026 में बढ़कर 270.82 गीगावाट के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई थी।

- जून में बिजली की खपत बढ़कर 166.46 अरब यूनिट पर
- देश में भीषण गर्मी पड़ने और मानसून में देरी से खपत बढ़ी

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर छ.ग.
जोन क्र. 02
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर (छ.ग.)

क्रमांक 16/न.पा.नि/जोन क्र. 02/2026 निविदा निरस्तीकरण सूचना रायपुर, दिनांक 30/06/2026

निविदा सूचना क्र. 12/26 में दिनांक 08.06.2026 प्रकाशित अंक दिनांक 10. 06.2026 को ऑन लाईन निविदा आमंत्रण की कार्यवाही की गई थी। जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	सिस्टम टेण्डर नं.	कार्य स्थल का नाम	कुल कुशल / अकुशल श्रमिक	निविदा राशि (लाख रू. में)	अमानती राशि (लाख रू. में)	समयावधि
1	192903	प्लेसमेंट एजेंसी के तहत जोन क्र. 02 अंतर्गत वार्डो में में जल विभाग के पावर पंपों के संचालन हेतु 20 अकुशल श्रमिक कलेक्टर दर पर 01 वर्ष के लिए रखे जाने का कार्य।	20	33.86	0.70	12 माह
2	192906	प्लेसमेंट एजेंसी के तहत जोन क्र. 02 अंतर्गत उद्यानों के वार्षिक संधारण हेतु 13 अकुशल श्रमिक कलेक्टर दर पर 01 वर्ष के लिए रखे जाने का कार्य।	13	22.01	0.70	12 माह

उपरोक्त निविदा को अपरिहार्य कारणों से कार्य क्र. 01 सिस्टम टेण्डर नं. 192903 एवं कार्य क्र. 02 सिस्टम टेण्डर नं. 129906 के कार्य को निरस्त किया जाता है। उपरोक्त ऑन लाईन निविदा निरस्तीकरण सूचना समाचार पत्र में प्रकाशन किये जाने हेतु सूचनार्थ प्रस्तुत।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें

जोन आयुक्त
जोन क्र. 02
नगर पालिक निगम, रायपुर

नीलामी की सूचना
3 सीजी एयर स्क्वाड्रन एनसीसी, रायपुर

दिनांक 09 जुलाई 2026 को दोपहर 12:00 बजे 03 सीजी एयर स्क्वाडन एनसीसी सुन्दर नगर रायपुर छ.ग. में इस युनिट का अनुपयोगी सामाग्री की निलामी होना है। इच्छुक व्यक्ति/संस्थान संपर्क करें।
दूरभाष :-0771-3525953
स्थान :- रायपुर
दिनांक :-30 जुन 2026

(वी.के. शर्मा)
वारंट आफिसर
एडजुटेंट

जी. 262701809/2

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग-सूरजपुर (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम आमंत्रण)

क्रमांक-1780/एन.आई.टी.-04/2026-27/व.ले.लि. दिनांक 30.06.2026
निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि :- 10.07.2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 16.07.2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 17.07.2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे से

एन.आई.टी.क्र./ निविदा क्र.	कार्य नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)/ अमानत राशि (रू. में) / बैंक साल्वेंसी (रू. मे) कार्य पूर्णता हेतु अवधि
04 T0012	सखी वन स्टेप सेन्टर भवन सूरजपुर के सामने शेड बाथरूम एवं बाउण्ड्रीवॉल में फेसिंग का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	8.12/6090.00/ 121800.00 04 माह (वर्षा ऋतु सहित) क्रमांक
04 T0013	जिला सूरजपुर के पी.डब्ल्यु.डी. मार्ग से कैलाशपुर पटपरियापारा असनापारा जुनापारा होते हुए बिशुनपुर तक मार्ग में रोड फर्निचर एवं रोड सेफ्टी आईटम प्रोवाईडिंग फिक्सिंग कार्य (प्रथम आमंत्रण)	8.53/6398.00/127950.00 01 माह (वर्षा ऋतु सहित)
04 T0014	जिला सुरजपुर के छठघाट सरस्वतीपुर से रामनगर तक सड़क में रोड फर्निचर एवं रोड सेफ्टी आईटम प्रोवाईडिंग फिक्सिंग कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	4.40/3300.00/66000.00 01 माह (वर्षा ऋतु सहित)
05 T0015	Special Repair for fixing in position km stone, hetometere stone, 5th km stone under PWD sub division Surajpur and Sub division Premnagar (प्रथम आमंत्रण)	8.21/6158.00 / 123150.00 02 माह (वर्षा ऋतु सहित)

* Special Condition for T0013 and T0014 (Special Clause Issued By Deputy Secretary Govt. of Chhattisgarh Public Works Department, Raipur vide Memo no. 21-5/T/19/2012/Tender Naya Raipur Dated 15.10.2020) Special Condition For SOR Item No. 8.4, 8.5 & 8.13 Applicable.)

नियम व शर्तें : ई-पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी "द" से "अ" में पंजीकृत ठेकेदार निविदा में भाग ले सकेंगे, निविदा प्रपत्र की कीमत 750.00 प्रति निविदा फार्म है, निविदा संबंधी अन्य शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभागीय संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ./स.) संभाग सूरजपुर

जी-262701800/4

कार्यालय कलेक्टर
(आदिवासी विकास) बिलासपुर छ.ग.
दूरभाष नं. 07752-225545 फैक्स नं. 07752-225545
E-mail-Id actd.bilaspur@nic.in

क्रमांक/विज्ञप्ति/प्रयास/2026-27/773 दिनांक 30/06/2026

संक्षिप्त विज्ञप्ति

प्रयास आवासीय विद्यालय बालक/बालिका एवं अन्य पिछड़ावर्ग प्रयास कन्या आवासीय विद्यालय बिलासपुर के कक्षा 11वीं में Lateral. Entry के माध्यम से प्रवेश हेतु सूचना का प्रकाशन (सत्र 2026-27)

प्रयास आवासीय विद्यालय योजना छत्तीसगढ़ शासन की एक महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना का उद्देश्य नक्सल प्रभावित घोषित जिले एवं आदिवासी उपयोजना क्षेत्र में स्थित शासकीय/अशासकीय शालाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करते हुए विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश हेतु प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने हेतु प्रारंभ से ही विशेष कोचिंग के माध्यम से तैयार कर सक्षम बनाया जाना है। इन प्रयास आवासीय विद्यालयों से प्रत्येक वर्ष काफी मात्रा में विद्यार्थी चयनित होकर उच्च संस्थानों में प्रवेशित होते हैं।

प्रयास आवासीय विद्यालय बालक/बालिका कक्षा 11वीं (वाणिज्य एवं कला संकाय) में 61 एवं अन्य पिछड़ावर्ग प्रयास कन्या आवासीय विद्यालय (गणित) में 19 सीट रिक्त हैं। इन रिक्त सीटों पर प्रवेश प्राक्चयन परीक्षा के माध्यम से होगा। प्रश्न पत्र कक्षा 10वीं स्तर का होगा। परीक्षा में शामिल होने हेतु कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में न्यूनतम 60% अंक या समकक्ष ग्रेड से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है, प्रयास आवासीय विद्यालय बालक/बालिका बिलासपुर में चयन हेतु प्रदेश के साथ ही प्रदेश के संपूर्ण अनुसूचित क्षेत्र में स्थित शासकीय/अशासकीय शालाओं से कक्षा 10वीं "उत्तीर्ण हो तथा अन्य पिछड़ावर्ग प्रयास कन्या आवासीय विद्यालय बिलासपुर हेतु सम्पूर्ण प्रदेश के किसी भी शासकीय/ अशासकीय संस्था से कक्षा 10वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी होना चाहिये।
प्रवेश के संबंध में ऑफलाईन आवेदन पत्र प्रस्तुत करने हेतु महत्वपूर्ण तिथियाँ निम्नानुसार है :-

क्र.	विवरण	तिथि एवं समय
1	ऑफलाईन आवेदन पत्र भरने की प्रारंभ तिथि	01/07/2026
2	ऑफलाईन आवेदन पत्र भर कर जमा करने की अंतिम तिथि	10/07/2026 (अपरान्ह 05:00 बजे तक)
3	प्राप्त आवेदन के पात्र/अपात्र की सूची का प्रकाशन	13/07/2026 (सांय: 05:00 बजे तक)
4	प्रवेश पत्र जारी होने की तिथि	14/07/2026
5	प्रवेश हेतु प्राक्चयन परीक्षा की तिथि	19/07/2026 दिन रविवार (प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 01.30 बजे तक)
6	परीक्षा केन्द्र	डेल्टा पब्लिक स्कूल पुराना हाईकोर्ट के सामने बिलासपुर
7	परीक्षा परिणाम घोषित होने की तिथि	22/07/2026

1. आवेदक आवेदन का प्रारूप दिनांक 09.07.2026 तक कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, जिला बिलासपुर से प्राप्त कर सकते है साथ ही कार्यालय कलेक्टर, जिला बिलासपुर वेवसाईट https://bilaspur.gov.in/से डाउनलोड किया जा सकता है।
2. आवेदक को निर्धारित प्रारूप में ही आवेदन दिनांक 10.07.2026 सायं 05:00 बजे तक कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, जिला बिलासपुर में पंजीकृत डाक अथवा स्वयं उपस्थित होकर जमा करना होगा। निर्धारित तिथि एवं समय समाप्ति पश्चात आवेदन स्वीकार नहीं किया जावेगा।
3. दिनांक 13.07.2026 को पात्र/अपात्र की सूची कार्यालय कलेक्टर, जिला बिलासपुर वेवसाईट https://bilaspur.gov.in/ पर देखा जा सकता है।
4. दिनांक 19.07.2026. को प्रवेश पत्र कार्यालय कलेक्टर, जिला बिलासपुर वेवसाईट https://bilaspur.gov.in/से डाउनलोड किया जा सकता है साथ ही कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास जिला बिलासपुर में उपस्थित होकर प्राप्त किया जा सकता है। डाक से प्रवेश पत्र प्रेषित नहीं किया जावेगा।
5. दिनांक 22.07.2026 को परीक्षा परिणाम/मेरिट सूची कार्यालय कलेक्टर, जिला बिलासपुर वेव्साईट https://bilaspur.gov.in/ में प्रदर्शित किया जावेगा।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास बिलासपुर

जी-262701804/2

प्रथम पृष्ठ का शेष

अलनीनो का सूखा...

83 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। बांध की कुल जल भराव क्षमता 32.150 टीएमसी तथा उपयोगी जल भराव 27.079 टीएमसी है। वर्तमान में उपयोग किए जाने के लायक पानी 11.703 टीएमसी है जो लाइफ कैपिसिटी का 43.21 फीसदी पानी है। **ऐसे समझें बांध की क्षमता-** सिंचाई विभाग के अनुसार 1 टीएमसी का मतलब 1 हजार मिलियन क्यूसेक फीट होता है। पानी के मापन में 1 टीएमसी यानी 2831.6 करोड़ लीटर (28.31 अरब लीटर) के बराबर होता है। 32.150 टीएमसी क्षमता वाले इस बांध में 910.1655 अरब लीटर पानी भरता है। निस्तारी के लिए 436 तालाबों में पानी- जल संसाधन विभाग के योजनानुसार धमतरी तथा बालोद जिले के 436 तालाबों को पानी दिया जाता है। अप्रैल और मई माह के भीषण गर्मी में महानदी मुख्य नहर और उनकी सहायक छोटी नहरों के माध्यम से तालाबों को भरने पानी छोड़ा जाता है। ताकि ग्रामीणों को पेयजल निस्तारी संकट का सामना न करना पड़े। इसके अलावा डिमांड के अनुसार रायपुर बलौदाबाजार तक पानी जाता है। रायपुर तथा धमतरी में पेयजल आपूर्ति भी इस बांध से होती है।

2.64 लाख हेक्टेयर...

की क्षमता रखता है। इस बांध का पानी मुख्य नहर के माध्यम से धमतरी, रायपुर, बालोद तथा बलौदाबाजार-भाटापारा जिला के खेतों को सिंचित करता है। अनुमान है कि यह रायपुर संभाग का 50 फीसदी से ज्यादा कृषि क्षेत्र है।

खुद प्यासा, फिर...

21 प्रतिशत पानी शेष बचा था। बारिश नहीं होने और बांध खाली होने की वजह से रायपुर, धमतरी, बालौदाबाजार जिले के किसानों की फसल सूखने की कगार पर पहुंच गई थी। शुरुआत में पानी की भारी किल्लत को देखते हुए अधिकारियों ने सिंचाई के लिए पानी देने में असमर्थता जताई। सूखे से बेहाल किसानों के बढ़ते दबाव और फसलों की बर्बादी बचाने के लिए सरकार ने विशेष कदम उठाए। जल संसाधन विभाग के अधिकारी बताते हैं कि स्थिति बहुत गंभीर होने पर विभाग ने आपातकालीन फैसला लिया। 17 अगस्त 2019 को 507 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। यह पानी रूद्री बैराज से महानदी मुख्य नहर के जरिए सूखा प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाया गया। पानी की कमी के कारण आपूर्ति बेहद नियंत्रित तरीके से की गई ताकि संकट के समय फसल को जीवनदान मिल सके। साथ ही शहरों के लिए पीने का पानी भी सुरक्षित रहे। इसके बाद अगस्त के उत्तरार्ध और सितंबर में हुई अच्छी बारिश से बांध का जलस्तर सुधरा जिससे किसानों को राहत मिली।

सूखे जैसे हालात...

2024 को था। पिछले साल 30 जून 2025 में 17 प्रतिशत यानी 51.72 एमसीएम जलभराव हुआ। वर्तमान 30 जून 2026 को बारिश नहीं होने के बावजूद भी 129.62 एमसीएम यानी 43 प्रतिशत पानी का स्टोरेज है। पिछले साल की तुलना में 26 प्रतिशत पानी का स्टोरेज ज्यादा है। जो दुर्ग संभाग के तीन जिलों को सूखे से बचाने की क्षमता रखता है। इन इलाकों में कुल कृषि क्षेत्र के लगभग आधे में तांदुला से सिंचाई होती है। **00 तांदुला जलाशय में इस तरह होता है जलभराव-** तांदुला जलाशय जलभराव मुख्य रूप से मानसूनी वर्षा और उसके जलग्रहण (कैचमेंट) क्षेत्र से आने वाले पानी से होता है। इस जलाशय का कैचमेंट क्षेत्र लगभग 827.91 वर्ग किलोमीटर है। बालोद, दल्लीराजहरा और कांकेर जिले के पहाड़ी और वनांचल क्षेत्रों जैसे आसपास के खेतों, जंगलों और पहाड़ी क्षेत्रों से वर्षा का पानी बहकर जलाशय में आता है। तांदुला जलाशय में जरूरत के हिसाब से स्टोरेज बनाए रखने के लिए इसे गंगरेल और खरखरा बांध से जोड़ा गया है। बीएसपी को खरखरा और गंगरेल से पानी लेकर ही पूरे सालभर पानी की आपूर्ति तांदुला जलाशय करता है। इसी तरह पेयजल या गर्मी के दिनों में तालाबों को भरना हो या फिर खरीफ फसल की सिंचाई के लिए पानी देना हो इन बांधों से पानी लेकर संकट दूर कर लेते हैं। इसलिए सूखे के हालात में भी तांदुला जलाशय से पानी मिलना रूकता नहीं है। **पिछले साल से अच्छी स्थिति-** तांदुला जलाशय में पिछले साल से 26 प्रतिशत ज्यादा जलभराव है। बारिश कम हुई तो भी स्थिति संभल जाएगी। यह जीवनदायिनी बांध है। **पीयूष देवांगन**, ईई जलसंसाधन विभाग बालोद

पानी का इस...

संबंधी कार्य के लिए इस्तेमाल में लाई जाती है। जिसमें देश का सबसे बड़ा भिलाई इस्पात संयंत्र भी शामिल है। संयंत्र को सालभर 22 एमसीएम और पेयजल पर 22एससीएम पानी रिलीज किया जाता है।

ट्रेन में बिना...

रह गया है यानी ये 183.50 रुपये सस्ता हुआ है। कोलकाता में ये 3255.50 रुपए से घटकर 3,081.50 रुपए का, लखनऊ में 3,052.50 रुपए और पटना में 3,227 रुपए का हो गया है। हालांकि, इस बार भी घर की रसोई में इस्तेमाल होने वाले 14 किलो एलपीजी के दाम को स्थिर रखा गया है और इसकी कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके अलावा एटीएफ यानी हवाई ईंधन का दाम 1.15 लाख रुपए प्रति किलोलीटर से घटाकर 1.10 लाख रुपए प्रति किलोलीटर कर दिया गया है।

नायरा का पेट्रोल...

का खर्च (ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट) कम हो जाता है। इससे आने वाले दिनों में फल, सब्जियां, राशन और दूसरी जरूरी चीजें सस्ती हो सकती हैं।

लिव-इन में...

बेंच ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि, वर्तमान के समय में कई महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं और अपने जीवन से जुड़े फैसले खुद लेने में सक्षम हैं। ऐसे में लंबे समय तक साथ रहने वाले रिश्तों को केवल शादी नहीं होने के आधार पर रेप नहीं माना जा सकता। कोर्ट को रिश्ते की अवधि, दोनों पक्षों के व्यवहार और परिस्थितियों को देखकर यह तय करना होगा कि संबंध आपसी सहमति से था या नहीं।

भरोसा देकर उसके...

कि, जब भी वह शादी की बात करती, वो टाल देता था। अगस्त 2021 में आरोपी ने फोन पर बताया कि महिला के तलाकशुदा होने और ईसाई समुदाय से होने के कारण उसके माता-पिता इस शादी के लिए तैयार नहीं हैं। इसके बावजूद वह शादी का भरोसा देता रहा।

जिला कोर्ट ने...

सहमति से संबंध रहे और वे साथ भी रहे। ऐसे मामलों में केवल शादी से इनकार होने के आधार पर रेप का अपराध नहीं बनता। कोर्ट ने माना कि ट्रायल कोर्ट के फैसले में कोई कानूनी त्रुटि या ऐसी कमी नहीं है, जिसके कारण हस्तक्षेप की जरूरत हो। इसी आधार पर अपील को एडमिशन स्टेज पर ही खारिज कर दिया।

सिर्फ हैंड बैगेज...

सकेगी। इंडिगो ने कहा कि इस स्कीम के तहत बुकिंग एक जुलाई से शुरू कर दी गई है। स्कीम का फायदा 15 जुलाई से शुरू हो जाएगा। यह स्कीम ना केवल डोमेस्टिक बल्कि इंटरनेशनल फ्लाइटों के लिए भी होगी। इसमें अगर किसी यात्री के पास 15 किलो तक वजन वाला चेक इन बैगेज नहीं है और सात किलो तक का केबिन बैगेज ही है तो ऐसे यात्री सस्ता टिकट पाने के हकदार होंगे। यह स्कीम इकॉनमी क्लास पैसेंजर्स के लिए शुरू की गई है। इंडिगो के चीफ स्ट्रेटजी ऑफिसर आलोक सिंह ने कहा कि 'इंडिगो लाइट' उन यात्रियों के लिए एक बड़ा कदम होगा, जो कम सामान के साथ यात्रा करते हैं। वह केवल उन्हीं सेवाओं के लिए भुगतान करना चाहते हैं, जिनकी उन्हें आवश्यकता है।

श्रमिकों को अब...

भारत सरकार द्वारा विकसित भारत–रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत अकुशल श्रमिकों के लिए नई मजदूरी दरें अधिसूचित की गई हैं। नई दरें 1 जुलाई 2026 से प्रभावी हो गई हैं। नई व्यवस्था के तहत छत्तीसगढ़ में ग्रामीण श्रमिकों की मजदूरी दर को 261 रुपए प्रतिदिन से बढ़ाकर 300 रुपए प्रतिदिन कर दिया गया है। इसके तहत मजदूरी दर में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। **अब 125 दिनों तक रोजगार की गारंटी**-इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों को वर्ष में 125 दिनों तक रोजगार की गारंटी, 15 दिवस के भीतर मजदूरी भुगतान, बेरोजगारी भत्ता, डिजिटल जॉब कार्ड एवं तकनीक आधारित कार्य प्रबंधन प्रणाली, समयबद्ध एवं पारदर्शी भुगतान व्यवस्था प्राप्त होगी। वीबी जीरामजी में जल संरक्षण, सिंचाई, ग्रामीण सड़क, वृक्षारोपण एवं टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण के साथ ग्रामीण युवाओं के लिए कौशल विकास एवं आजीविका पर जोर दिया गया है। अब ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की कार्ययोजना ग्राम सभा के माध्यम से तैयार की जाएगी, जिससे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यों का चयन किया जा सकेगा।

बोडला के गंडईखुर्द...

में यह कार्यक्रम कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत गंडईखुर्द में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा कार्यक्रम में शामिल होंगे।

रडार पर व्हाट्सएप,...

एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इस बात की समीक्षा कर रहा है कि कहीं यह सुविधा साइबर अपराधियों के लिए नई चुनौती तो नहीं बन जाएगी। जरूरत पड़ने पर सरकार व्हाट्सऐप को नोटिस भेजकर इस फीचर से जुड़ी पूरी जानकारी भी मांग सकती है। कानून प्रवर्तन एजेंसियां भी इस मामले की जांच कर सकती हैं। व्हाट्स ऐप ने हाल ही में घोषणा की है कि वह जल्द ही ऐसा फीचर शुरू करेगा, जिसके तहत उपयोगकर्ता अपना मोबाइल नंबर साझा किए बिना केवल यूज़रनेम के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ सकेंगे। कंपनी का कहना है कि इस सुविधा का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं की निजता को और मजबूत करना है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो नए लोगों, समूहों या व्यावसायिक खातों से जुड़ते हैं। हालांकि सरकार और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की चिंता यह है कि यदि कोई व्यक्ति किसी सरकारी संस्था, प्रतिष्ठित कंपनी या प्रसिद्ध व्यक्ति से मिलता-जुलता यूज़रनेम बना लेता है, तो उसका इस्तेमाल फर्जी पहचान बनाकर लोगों को ठगने, गलत सूचना फैलाने या वित्तीय धोखाधड़ी के लिए किया जा सकता है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और आम नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यदि किसी नई डिजिटल सुविधा से धोखाधड़ी की संभावना बढ़ती है तो संबंधित मंच को उसके लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा। व्हाट्सऐप का कहना है कि यूज़रनेम फीचर में दुरुपयोग रोकने के लिए कई सुरक्षा उपाय शामिल किए जा रहे हैं। कंपनी के अनुसार, केवल सही यूज़रनेम जानने वाला व्यक्ति ही संपर्क स्थापित कर सकेगा और किसी प्रकार की सार्वजनिक यूज़रनेम सूची उपलब्ध नहीं होगी। फिर भी भारत सरकार इस फीचर के सभी सुरक्षा प्रावधानों और कानूनी प्रभावों का विस्तृत परीक्षण करने के बाद ही आगे का निर्णय लेगी। डिजिटल ठगी के लगातार बढ़ते मामलों के बीच सरकार का यह रुख इस बात का संकेत है कि भविष्य में सोशल मीडिया और मैसेजिंग मंचों पर आने वाले नए फीचरों की सुरक्षा और जवाबदेही को लेकर निगरानी और अधिक सख्त हो सकती है।

स्कूलों में मंत्रोच्चार...

राज्य सरकार के इस आदेश को रद्द करने की मांग याचिका में की है। एडवोकेट डा आमिर खान के माध्यम से पेश याचिका की सुनवाई इसी सप्ताह में होने की संभावना है। याचिका में यह उल्लेख किया गया है कि संविधान के अनुसार राज्य को धार्मिक तटस्थता बनाए रखने और सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान प्रदर्शित करने का दायित्व है। स्कूल शिक्षा विभाग का यह आदेश, विशिष्ट हिंदू धार्मिक प्रार्थनाओं और मंत्रों को अनिवार्य विद्यालयी गतिविधियों के रूप में निर्धारित करके, मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन और अन्य समुदायों के छात्रों के साथ भेदभाव करता है और उनकी अंतरात्मा और धर्म की स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है।

देशभर में रुकी...

की बात सामने आई थी। इसके बाद से ऐसी पद्धति विकसित करने पर जोर दिया जा रहा था, जिसमें निरीक्षण दल का हस्तक्षेप कम हो और संस्थानों के वास्तविक कार्य के आधार पर ग्रेडिंग प्रदान की जा सके।

राम मंदिर चढ़ावा...

अविनाश के पास से पांच लाख रुपये बरामद हुए हैं। अधिकरियों के मुताबिक पुलिस को योग केंद्र से जो बक्सा मिला है उस पर लाल रंग से 'रामराज्य कोष' लिखा हुआ था और उसपर एक क्यू.आर. कोड भी चिपका हुआ था। इस बीच, पुलिस ने रूदौली कोतवाली क्षेत्र के ठाकुरान फगोली गांव के निवासी एक अन्य आरोपी लवकुश मिश्रा के घर पर छापा मारकर सघन तलाशी ली। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक छापेमारी के दौरान पुलिस ने पशुओं के लिए रखे सूखे चारे की तलाशी ली और भूसे के ढेर के अंदर भी देखा। उन्होंने बताया कि इससे पहले 28 जून को भी पुलिस ने मिश्रा के मकान पर जाकर उसके परिजन से पूछताछ की थी। अधिकारियों के मुताबिक पुलिस ने लव कुश के पिता बच्चू लाल मिश्रा को हिरासत में ले लिया है। आरोपियों के कब्जे से लगभग 11 ग्राम सोना, लगभग 375 ग्राम चांदी और 1121 डॉलर भी बरामद किए गए हैं।

आयकर रिटर्न से...

के आधार पर वेतनभोगी कर्मचारियों और स्वरोजगार करने वाले व्यक्तियों के बीच अंतर स्पष्ट किया। न्यायमूर्ति करोल ने कहा, इस न्यायालय के विचार में, किसी मृत व्यक्ति/दावेदार की वार्षिक आय की गणना के लिए कोई सख्त और निश्चित नियम नहीं हो सकता। आईटीआर एक वैधानिक दस्तावेज होने के कारण, मोटर वाहन अधिनियम के तहत मुआवजे के उद्देश्य से किसी व्यक्ति की आय का आकलन करने में एक महत्वपूर्ण संदर्भ बिंदु होता है। फैसले में वरिष्ठ वकील जे. आर. मिधा द्वारा दी गई दलीलों से सहमति जताई गई कि वार्षिक आय के आकलन के मामले में वेतनभोगी व्यक्तियों और स्वरोजगार करने वाले व्यक्तियों के बीच स्पष्ट विभाजन किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, हमारे विचार में, वेतनभोगी व्यक्तियों के लिए वेतन से होने वाली वार्षिक आय दर्शाने हेतु केवल पिछले वर्ष का आयकर रिटर्न पर्याप्त होगा। केवल पिछले वर्ष को ध्यान में रखने का कारण यह है कि पदोन्नति का वित्तीय प्रभाव महत्वपूर्ण होता है और वह केवल उसी वर्ष के आयकर रिटर्न में परिलक्षित हो सकता है। इसने कहा कि हालांकि, जहां दुर्घटना से ठीक पहले पदोन्नति या वेतन संशोधन हुआ हो और वह नवीनतम रिटर्न में पूरी तरह परिलक्षित न हुआ हो, वहां अदालतें पदोन्नति पत्रों और अन्य वित्तीय अभिलेखों पर भी विचार कर सकती हैं। पीठ ने कहा, हमारे विचार में, व्यवसाय से होने वाली वार्षिक आय के आकलन के लिए पिछले तीन वर्षों तक के आयकर रिटर्न में दर्शाई गई आय का औसत एक संदर्भ बिंदु के रूप में लिया जाना चाहिए। यह भी संभव है कि कुछ मामलों में केवल एक या दो आईटीआर ही दाखिल किए गए हों। इसने कहा, ऐसी परिस्थितियों और इन पेशों में आय के उतार-चढ़ाव को देखते हुए, अन्य परिस्थितियों पर भी विचार किया जाना चाहिए। न्यायालय ने यह निर्णय निर्माण व्यवसायी रश्मिरेखा त्रिपाठी के परिवार द्वारा श्रीराम जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिया। शीर्ष अदालत ने दावेदारों के देय मुआवजे में भी वृद्धि की।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसुति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771-4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ऑरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
HMS घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
HMS देखकर खरीदें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-श्री गुरुतेग बहादुर उ.मा. शाला 27खोली विकास नगर में अंग्रेजी पढ़ाने हेतु शिक्षक एवं आफिस कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- प्रातः 8 से 1बजे तक 9827405850, 9039768650 (41306)

आवश्यकता है-सीसीटीवी कैमरा की वायरिंग एवं फिटिंग हेतु युवकों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- पारस इन्टरप्राइजेस, GF-26, अम्बे अंजनी ई-प्लाजा, सीएमडी कॉलेज चौक, लिंक रोड बिलासपुर 94255 30470, 9826598526 (41308)

आवश्यकता है-होलसेल दवाई दुकान में कार्य करने हेतु लड़की, लड़को एवं ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें-के. एस. एजेन्सीज मेडिकल काम्प्लेक्स बिलासपुर (41312)

आवश्यकता है-दवाई दुकान में पिकर, चेकर, लोकल डिलीवरी एवं पैकर कार्य करने हेतु लड़के और लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जगत फार्मा, होटल अजीत के पीछे मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर (41313)

आवश्यकता है-तेलीपारा मेडिकल कॉम्प्लेक्स बिलासपुर में दवाई दुकान में कार्य करने हेतु डिलीवरी बॉय की आवश्यकता है। सम्पर्क करें-7974882279 (5119)

आवश्यकता है-बॉयज हॉस्टल में चौकीदार एवं पुस्तक दुकान में कार्य हेतु अविवाहित युवक चाहिए सम्पर्क करें- देवांगन बुक स्टाल E-15 सिटी सेन्टर कॉम्प्लेक्स, मारुति कार शोरूम, शिव टॉकीज रोड, बिलासपुर 6262227355 (41283)

आवश्यकता है-दवाई दुकान में पैकिंग, माल मिलाने, होम डिलीवरी, ट्रांसपोर्टेशन हेतु पार्ट/ फुल टाइम लड़के, लड़कियां चाहिए। वेतन- 4000 से 12000 (समयानुसार)पता- प्रीमियर एजेन्सीज मेडिकल कॉम्प्लेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 7049952000 (41311)

आवश्यकता है-दुकान में काम करने के लिए सेल्समैन की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- महामाया बैग हाउस शॉप नम्बर बी-4 वृन्दावन परिसर तेलीपारा बिलासपुर (41310)

आवश्यकता है-60वर्षीय महिला वकील की शाम 5बजे से सुबह 7बजे तक देखभाल हेतु 35-40वर्ष की महिला चाहिए विधवा, परित्यक्ता को प्राथमिकता वेतन 6000/- सम्पर्क- सोनगंगा कॉलोनी सीपत रोड बिलासपुर 78697 59897, 9893968977 (41296)

आवश्यकता है-तत्काल भर्ती सुरक्षागार्ड 25, ड्राइवर 10, फिल्ड ऑफिसर 10 बाइक अनिवार्य, वेतन- 11000 से 18000+ रहना फ्री, साईट बिलासपुर, भूपदेवपुर पता- शॉप नं.-210 फर्स्ट फ्लोर बालाजी प्लाजा 8461881110, 91110 00881, 8889823100 (41295)

आवश्यकता है-संजय बैग हाउस एसी शोरूम में सेल्स के लिए लड़के, लड़कियों एवं कम्प्यूटर आपरेटर ब्वॉयेज, गर्ल्स की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 9827114449 (41305)

आवश्यकता है-यदुनन्दन नगर तिफरा में महिला ट्यूटर की आवश्यकता है जो घर पर आकर दो घंटे क्लास 3 के बच्चे को पढ़ा सके। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- रविन्द्र पाटनवार 97533 11111 (612)

आवश्यकता है-टायर शोरूम में कार्य हेतु सेल्समैन 4पद (वेतन योग्यतानुसार 15000- 20000) एवं हेल्पर कार्य हेतु मेहनती लड़कों की (वेतन 10000-12000) सम्पर्क- (1) टायर सेन्टर विनायक नेत्रालय के बाजू अग्रसेन चौक बिलासपुर (2) टायर सेन्टर, महिन्द्रा शोरूम के पास सिरगिट्टी (41309)

आवश्यकता है-हायर सेकेण्डरी कक्षा हेतु रसायन जीव विज्ञान पढ़ाने हेतु शिक्षक की आवश्यकता है। व्हाट्स एप 9827192066 में जानकारी भेजें। सम्पर्क करें- सरदार सन्तोष सिंह मेमोरियल स्कूल सिरगिट्टी बिलासपुर (41291)

आवश्यकता है-दुकान एवं घरेलू कार्य हेतु युवक की आवश्यकता है। रहने, खाने की सुविधा। सम्पर्क करें- सुबह 11 से 2बजे एवं शाम 5 से 9बजे गगन फ्लेक्स 27खोली चौक बिलासपुर 9039768650 (41293)

आवश्यकता है-मोबाइल दुकान में लड़का, लड़की चाहिए योग्यता 18वर्ष या अधिक, स्क्रीन गार्ड लगाने, मोबाइल कवर, एक्सेसरीज बेचने का अनुभवी, मोबाइल की सामान्य जानकारी हो। अनुभवी को प्राथमिकता समपर्क करें- 8718855032 (41286)

आवश्यकता है-(1) बीएससी नर्सिंग-4पद (2) मार्केटिंग मैनेजर-1पद (3) कम्प्यूटर ऑपरेटर+ एकाउंटेंट-1पद (4) गार्ड (ड्यूटी) (5) ड्यूटी डॉक्टर चाहिए सम्पर्क करें-सांई बाबा हॉस्पिटल, रिंग रोड नं-2, बिलासपुर 9827150429 (41244)

आवश्यकता है-दुकान में काम करने के लिए सेल्समैन लड़का एवं सेल्स गर्ल लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अमित थ्रेड गोल बाजार बिलासपुर 98279 23507(41281)

आवश्यकता है-जय हिंद पब्लिक स्कूल लखराम (रतनपुर के पास में) विषय हिन्दी, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान,गणित पढ़ाने हेतु अनुभवी शिक्षक शिक्षिकाओं की तत्काल आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9981766606, 7000549454 (41288)

आवश्यकता है- शीघ्र भर्ती हाउस कीपिंग स्टाफ 50 (M/F), केयर टेकर- 25 (खाना बनाना आना चाहिए) ऑफिस बॉय 10 शॉप कर्मचारी- 25 ड्राइवर-5 कंप्यूटर ऑपरेटर 30 पता- D.K. & Son's नियर सत्संग विहार शंकर नगर बिलासपुर 9368425184, 9651120491 (41294)

आवश्यकता है-फर्निशिंग शोरूम में काउंटर सेल्स कार्य हेतु 15 लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। गाड़ी चलाना आता हो, 12वीं पास हो। सम्पर्क करें- अर्बन लिविंग मुंगेली नाका चौक बिलासपुर 8109090000, 83193 97645 (41304)

आवश्यकता है-होलसेल मेडिकल एजेन्सी में डाटा स्पेक कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए वेतन योग्यता अनुसार अनुभवी को प्राथमिकता बायोडाटा सहित सम्पर्क करे- छत्तीसगढ़ साइंटिफिक, नागरिक सहकारी बैंक के पास, बृहस्पति बाजार, बिलासपुर 9329124924 (41292)

आवश्यकता है-कैमरा फिटिंग और सर्विस का काम करने के लिये लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- दोपहर 12 से 3बजे अपेक्स सिक्यूरिटी सिस्टम, ए-37, विनोबा नगर, बिलासपुर 8223003099 (41258)

आवश्यकता है-गिफ्ट शोरूम में काम करने के लिए लड़को, लड़कियों तथा जिसे कार्टून पैकिंग का अनुभव हो एवं रिक्शा चालक की आवश्यकता है सम्पर्क करें- प्रणभ तोलानी 7711006641 (41257)

आवश्यकता है-UTN Shop में सर्वे कार्य हेतु लड़के, लड़कियों चाहिए सैलरी 10000 से 15000, रिसेप्शनिस्ट 1पद, वेतन 6000 पता- शॉप नम्बर FS16 प्रथम तल, सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 79995 94790, 7806007192 (41302)

आवश्यकता है-दुकान में कार्य हेतु लड़कियों की आवश्यकता है वेतन 8000 सम्पर्क करें-गुप्ता अम्ब्रेला (छाता दुकान) हनुमान मन्दिर खोवा मण्डी के पास, जगदीश होटल के सामने, गोल बाजार बिलासपुर (41301)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल्स दुकान में साईट कार्य हेतु वाईरिंग, फिटिंग इलेक्ट्रीशियन फ्रेशर एवं अनुभवी लड़के और Marg साफ्टवेयर अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़की चाहिए पता- अरूण इलेक्ट्रीकल्स बृहस्पति बाजार बिलासपुर 7869102080 (41280)

आवश्यकता है-भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 500-1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के। जुड़ने के लिए कॉल करें-89294 49955 (63586)

आवश्यकता है-दुकान में अकाउंटेंट (बिजी सॉफ्ट वेयर अनुभवी को प्राथमिकता) एवं दुकान में स्टाफ व ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- JMD मित्र विहार कॉलोनी बिलासपुर 7987756265, 9376557711 (41289)

आवश्यकता है-दोसा दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़के/ लड़कियों एवं चाइनीज मिस्त्री तथा दोसा मिस्त्री और सप्लायर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- साउथ इंडियन दोसा 36मॉल के सामने बिलासपुर 93005 18958 (41290)

आवश्यकता है-नर्सरी से 12वीं तक पढ़ाने हेतु टीचर्स एवं साफ सफाई हेतु महिला आया की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- संस्कार स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, बाजार के पास, उसलापुर 7440549466, 70248 53558 (41287)

आवश्यकता है-पार्ट टाइम रिसेप्शनिस्ट (लड़की) की जिसे कम्प्यूटर नॉलेज, बात करने का अच्छा अनुभव हो। कार्य समय सुबह 11 से 3बजे सम्पर्क करें-दोपहर 12-4बजे 9993784390 (41282)

आवश्यकता है-अनुभवी कार वॉशकर्मी की। शांति नगर, रिंग रोड-2 में घर पर रोज़ाना 3 कार, 8 बाइक की डेली वॉशिंग हेतु अनुभवी व्यक्ति चाहिए। सम्पर्क करें- प्रणव कुमार 7711006641 (41256)

आवश्यकता है-रिसेप्शनिस्ट (लड़की) वेतन योग्यता अनुसार, रावतपुरा मेडिकल कॉलेज रायपुर में सुपरवाइजर सुरक्षा गार्ड वेतन 10000 से 18000 रहना फ्री। सम्पर्क करें- एक्समैन सिक्योरिटी सर्विस हेमू नगर बिलासपुर 98271 52819, 8349974442, 9754713125 (41237)

आवश्यकता है-न्यू कंपनी विस्तार हेतु आवश्यकता है लड़के, लड़कियों की 8वीं 10वीं पास सैलरी 12000 से 15000, रहना फ्री, मिले- Ambition Compny सुंदर नगर रायपुर 90981 00628, 8435887784 (890)

आवश्यकता है-जिला स्तरीय कंपनी में भर्ती परमानेंट बेसेस पर पद फॉरेस्ट गार्ड क्लर्क वन पाल, चपरासी हेतु 10वी, 12वी पास लड़के लड़कियां, उम्र सीमा 18 से 42 सैलरी- 26500 से 45500 आवेदन हेतु-मार्क सीट, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो व्हाट्स एप/ कॉल करे-84004 06891 (102)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु 10वीं, 12वीं पास छात्रों के लिए जो कानपुर में रहकर काम कर सके वेतन 12000+ कमीशन+ बोनस+ प्रमोशन+ रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15000 से 20000 महीना कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 87705 08791, 8982834337 (529)

बेचना

बेचना है-10×14 की दुकान छत नहीं नरेश बाजार के अन्दर मां शारदा कॉम्प्लेक्स तेलीपारा, 10×14 दुकान मेन रोड पर (दीदी गारमेन्ट) गुरुनानक चश्मा के पास सदर बाजार में सम्पर्क- 9827938236, 87709 63388 (41298)

बेचना है-समृद्धि विहार कालोनी (सेन्दरी) कोनी में नवनिर्मित 2BHK मकान बेचना है सम्पर्क करें- 8965074333, 70007 65996 (41261)

किराया

किराया-मगरपारा रोड VP हुंडई शोरूम के बाजू गली संस्कृति विहार में प्रथम तल पर 2BHK सर्वसुविधायुक्त मकान किराए से देना है। केवल शासकीय कर्मचारी ही सम्पर्क करें- 8965074333 7000765996 (41262)

किराया-2BHK स्वतन्त्र मकान पोर्च सहित किराए पर देना है किराया 7500/- पता- काली मन्दिर के सामने, मन्नाडोल तिफरा बिलासपुर सम्पर्क करें- 9098468103, 9770128995 (41307)

फाइनेन्स

फायनेंस-बन्धना फाइनेन्स द्वारा दुकानदार, होलसेल, कृषि लोन, ग्रुप लोन, बिजनेस लोन 2% ब्याज में। 25000 से 30लाख तक लोन वीकली या मंथली आसान किश्तों में। सम्पर्क 9770833099 (4282)

लोन-Sai Kripa Financial Service पर्सनल लोन, मॉर्गेज लोन, बिजनेस लोन,लोन ट्रांसफर (BT),होम लोन, केसीसी लोन, पट्टे पर लोन, कार एवं हेवी व्हीकल लोन, बिना बैंक के चक्कर लगायें लोन प्राप्त करें पता- शॉप नं.- 231 आकाशंगगा, ढिल्लन कॉम्पलेक्स सुपेला भिलाई मो.-नुरज सिंह राजपुत 7587287565, 91650 58207, 83139119645 (307)

Advertisement Booking Time 10.30 AM To 4.00 PM

Medicare Specialists
गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-	मो.9993567380, 8770837744
एड प्रयास:-	मो.9826701269, 9926003943
श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-	मो.9827168452, 9300625174
रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-	मो. 9826129386, 8319503386
जे.जे. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9300659628
रौनक पब्लिसिटी:-	मो.9300328290, 9981658490
भार्गव एडवरटाइजर्स:-	मो.9827167997
श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-	मो.9826705603
एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-	मो.9827180896, 9131155033
श्री श्याम पब्लिसिटी:-	मो.9425540759
अमित पब्लिकेशन:-	मो.9826304304, 9827124304
विप्रा विज्ञापन सेवा:-	मो.9302462506
माधवास & कम्पनी:-	मो. 9977185123, 9893115084
बालाजी एडवरटाइजर्स:-	मो.9827466133, 9907047586
हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:-	मो. 8109229025

नॉकआउट के नए 'किंग' एमबाप्पे, रचा कीर्तिमान

स्टार फुटबॉलर काइलियन एमबाप्पे ने फ्रांस की स्वीडन के खिलाफ 3-0 से जीत में दो गोल करके विश्व कप के नॉकआउट राउंड में सर्वाधिक गोल करने का नया रिकॉर्ड बनाया, जिससे वह फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर सर्वाधिक गोल करने के लियोनेल मेस्सी के रिकॉर्ड के करीब भी पहुंच गए।

एजेंसी ▶▶| ईस्ट रदरफोर्ड

एमबाप्पे ने 45वें मिनट में एक शानदार क्रॉसओवर शॉट से फ्रांस को बढ़त दिलाई। यह विश्व कप के नॉकआउट राउंड में उनका नौवां गोल था, जो विश्व रिकॉर्ड है। उन्होंने ब्राजील के दिग्गज लियोनिडास और रोनाल्डो (दोनों आठ-आठ गोल) को पीछे छोड़ा।

वह यहीं पर नहीं रुके और उन्होंने मैच के 74वें मिनट में अपना दूसरा गोल करके विश्व कप नॉकआउट राउंड में अपने कुल गोल की संख्या 10 तक पहुंचा दी। इस गोल से एमबाप्पे के मौजूदा टूर्नामेंट में अब छह गोल हो गए हैं और उन्होंने सर्वाधिक गोल करने के लिए मिलने वाले गोल्डन बूट की दौड़ में अर्जेंटीना के फॉरवर्ड मेस्सी की बराबरी कर ली है।

मेस्सी के रिकॉर्ड से बस 1 गोल पीछे एमबाप्पे

विश्व कप करियर में उनके कुल गोल की संख्या 18 हो गई है, जो मेस्सी के रिकॉर्ड से सिर्फ एक कम है। एमबाप्पे ने विश्व कप में अब तक कुल 18 जबकि मेस्सी ने 29 मैच खेले हैं। फ्रांस अब अपने अगले मैच में पराग्वे का सामना करेगा। एमबाप्पे से जब मैदान से बाहर आते समय पूछा गया कि क्या वह पराग्वे का सामना करने के लिए पहले से ही उत्साहित हैं, तो उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, 'मैं चेंजिंग रूम और एसी में जाने के लिए बेताब हूं।' एमबाप्पे ने यह टिप्पणी भीषण गर्मी को लेकर की। यह मैच जब शाम को पांच बजे शुरू हुआ तब तापमान 32 डिग्री सेल्सियस था और उमस भी काफी थी।

विश्व कप का पूरा आनंद लेना चाहता हूं: एमबाप्पे

एमबाप्पे ने कहा, 'मैंने पहले भी कहा था कि मैं इस विश्व कप का पूरा आनंद लेना चाहता हूं। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि मैंने पिछले विश्व कप का आनंद नहीं लिया, लेकिन तब मैं युवा था। मेरा ध्यान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर था लेकिन अब मुझे विश्वास है कि मैं अच्छा प्रदर्शन करने के साथ खेल का आनंद भी ले सकता हूं।'

फ्रांस ने स्वीडन को 3-0 से हराया

काइलियन एमबाप्पे के दो गोल की मदद से फ्रांस ने स्वीडन को 3-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के अंतिम 16 में जगह बनाई, जहां उसका सामना पराग्वे से होगा। फ्रांस के लिए ब्रैडली बारकोला ने भी 53वें मिनट में एक गोल किया। एमबाप्पे ने 74वें मिनट में टीम की तरफ से तीसरा गोल दागकर उसकी जीत सुनिश्चित कर दी। चार साल पहले विश्व कप में उपविजेता रही और इस बार टूर्नामेंट की प्रबल दावेदार फ्रांस ने अब तक टूर्नामेंट में 13 गोल किए हैं और उसके खिलाफ केवल दो गोल हुए हैं। उसकी तरफ से माइकल ओलिस ने पांच गोल में मदद की है। फ्रांस ने मैच में शुरू से ही दबदबा बनाए रखा और स्वीडन को किसी भी समय वापसी का खास मौका नहीं दिया। फ्रांस ने इस मैच में 25 बार गोल करने के मौके बनाए जबकि स्वीडन केवल सात बार भी ऐसा कर पाया। पहले हाफ में यह आंकड़ा 15-3 का था। लगातार तीसरी बार विश्व कप फाइनल में पहुंचने की कवायद में लगा फ्रांस 4 जुलाई को फिलाडेल्फिया में पराग्वे के खिलाफ खेलेगा, जिसे जर्मनी को बाहर का रास्ता दिखाया।

मैक्सिको ने 40 साल बाद जीता नॉकआउट मुकाबला

इक्वाडोर को 2-0 से पीटा, एज्टेका में अजेय रथ जारी

एजेंसी ▶▶| मैक्सिको सिटी

जूलियन क्विनोन्स और राउल जिमेनेज ने पहले हाफ में 9 मिनट के अंतराल में गोल किए, जिससे मैक्सिको ने इक्वाडोर को 2-0 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई और नॉकआउट चरण में जीत हासिल करने के 40 साल के सूखे को खत्म किया।

क्विनोनेस ने 22वें मिनट में मैक्सिको के लिए पहला गोल किया जबकि जिमेनेज ने 31वें मिनट में उसकी बढ़त दोगुनी कर दी। प्रतिष्ठित एज़्टेका स्टेडियम में मैक्सिको की टीम ने 10 विश्व कप मैचों में अजेय रहने का रिकॉर्ड बनाया है। इस मैदान पर मैक्सिको को केवल दो हार का सामना करना पड़ा है।

अंतिम 16 में लगातार सात बार हारा मैक्सिको

मैक्सिको की टीम ने 1986 में टूर्नामेंट की मेजबानी करते हुए राउंड ऑफ 16 में बुल्गारिया को हराने के बाद से नॉकआउट चरण का कोई मैच नहीं जीता था। इसके बाद मैक्सिको को 1994, 1998, 2002, 2006, 2010, 2014 और 2018 के विश्व कप में अंतिम 16 में लगातार सात बार हार का सामना करना पड़ा। वह कतर में 2022 में खेले गए विश्व कप में ग्रुप चरण से ही बाहर हो गया था। मैक्सिको रविवार को अपने घरेलू मैदान पर इंग्लैंड और कांगो के बीच बुधवार को होने वाले मैच के विजेता का सामना करेगा।

हिनकैपी को मुंह ढकना पड़ा भारी, मिला रेड कार्ड

एजेंसी ▶▶| मैक्सिको सिटी

इक्वाडोर के पिएरो हिनकैपी विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के नए नियम के तहत विश्व कप में लाल कार्ड पाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इस नियम में प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाड़ी के साथ बहस के दौरान मुंह ढकने पर खिलाड़ी को लाल कार्ड दिखाकर बाहर करने का प्रावधान है। मैक्सिको की राउंड ऑफ 32 में इक्वाडोर पर 2-0 से जीत के दौरान हिनकैपी को दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के पांचवें मिनट में बाहर भेज दिया गया था। उन्हें मैक्सिको के फॉरवर्ड सैंटी गिमेनेज के साथ झड़प के दौरान मुंह ढकने के लिए लाल कार्ड दिखाया गया था।

इक्वाडोर टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है लेकिन हिनकैपी उसके अगले अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेल पाएंगे। फीफा ने यह नया नियम इसलिए बनाया है ताकि खिलाड़ी अपने मुंह को ढककर विरोधी टीम के खिलाड़ियों के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियों को छुपा न सकें। पराग्वे के मिगुएल अल्मिरोन इस नए नियम के तहत दंडित होने वाले पहले खिलाड़ी थे। उन्हें पिछले सप्ताह तुर्की के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच में मैदान से बाहर भेज दिया गया था।

राउंड आफ 32 के मैच में एक फैन अपनी टीम की जीत के बाद खुशी का इजहार करती हुई।

खबर संक्षेप

25 जुलाई से डूरंड कप हिस्सा लेंगी 24 टीमें

कोलकाता। डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट में इस साल 24 टीम हिस्सा लेंगी, जिनमें से सात टीम पदार्पण कर रही हैं। प्रतियोगिता के मुकाबले 25 जुलाई से 23 अगस्त तक पांच शहरों में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 25 जुलाई को कोलकाता में होगी। इसके अलावा अगले चार हफ्तों में रांची, इम्फाल, शिलांग और गुवाहाटी में भी मैच खेले जाएंगे। फाइनल कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में होगा। इस प्रतियोगिता में एक बार फिर इंडियन सुपर लीग क्लब, आई लीग टीमें, सेना की टीमें, उभरती हुई घरेलू टीमें और विदेशी टीमें एक साथ खेलेंगी। सात नई टीम में श्रीलंकाई सशस्त्र बलों की डिफेंडर्स एफसी और मेघालय प्रीमियर लीग चैंपियन नोंगसेह स्पोर्ट्स, सोशल एंड कल्चरल क्लब (एसएस एवं सीसी) शामिल हैं। कोलकाता एक बार फिर टूर्नामेंट का मुख्य केंद्र होगा।

न्यायालय श्रीमान एकादश अपर जिला न्यायाधीश बिलासपुर (छ.ग.)
पीठासीन अधिकारी विजेन्द्र सोनवानी साहब
कैलाशचंद अग्रवाल.....**वादी**
बनाम
सुशील कुमार अग्रवाल.......**प्रतिवादी गण**
प्रोसेस क्र. 174
व्य.वा.क्र.61-अ/2026
आदेश दिनांक 19.6.26
पे.ता. 20.7.26

प्रति,
सुशील कुमार अग्रवाल पिता कृष्णकुमार अग्रवाल निवासी अग्रसेन भवन के पास जूनी लाईन बिलासपुर तह.व जिला बिलासपुर छ.ग......**प्रतिवादी क्र.1**

यह कि वादी कैलाश चंद अग्रवाल के द्वारा एक व्यवहार वाद कैलाश चंद अग्रवाल बनाम सुशील अग्रवाल वगैरह इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है जो कि प्रतिवादी क्र.1 के रूप में पक्षकार है। प्रकरण में सुनवाई हेतु पेशी तारीख दिनांक 20.7.2026 को नियत की गयी है। जिसमें आप स्वयं, अधिवक्ता सहित उक्त पेशी दिनांक को न्यायालयीन समय 11.00 बजे आवश्यक रूप से उपस्थित होकर उक्त व्यवहार वाद में अपना प्रतिवाद करे। आपके अनुपस्थिति की स्थिति में उक्त पेशी तारीख को आपके विरूद्ध विधि अनुरूप एक पक्षीय कार्यवाही करते हुये प्रकरण में अग्रिम सुनवाई की जा सकेगी। यदि पेशी दिनांक 20.7.2026 को किसी कारण न्यायालयीन अवकाश होने पर न्यायालय बंद होने एवं पीठासीन अधिकारी के अनुपस्थिति की स्थिति में प्रकरण की अग्रिम कार्यवाही अगले कार्य दिवस पर की जा सकेगी। सो पेपर प्रकाशन के माध्यम से न्यायालयीन नोटिस सूचना जाने।

अत: आज दिनांक 24/6/26 को मेरे न्यायालयीन सील मुद्रा से जारी किया गया।
दिनांक: 24/6/26
स्थान : बिलासपुर छ. ग.
(विजेन्द्र सोनवानी)
एकादश जिला न्यायाधीश,
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

विंबलडन

चार साल बाद सेरेना की कोर्ट पर वापसी, दर्शकों का उत्साह चरम पर

एजेंसी ▶▶| लंदन

लगभग 4 साल में अपना पहला एकल मैच खेलने वाली सेरेना विलियम्स को विंबलडन में वापसी पर भले ही हार का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने खेल का पूरा आनंद लिया और इस बीच दर्शकों का उत्साह भी चरम पर था।

इस 44 वर्षीय खिलाड़ी ने जैसे ही सेंटर कोर्ट पर कदम रखा तो उत्साह और बढ़ गया। 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना ने विंबलडन के पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय माया जॉइंट से 6-3, 6-7 (6), 6-3 से हारने के बावजूद सराहनीय प्रदर्शन किया। उनकी दोनों बेटियां उनका उत्साह बढ़ा रही थीं। मैच समाप्त होने के बाद सेरेना तालियों की गड़गड़ाहट के बीच मुस्कुराते हुए मैदान से बाहर चली गईं।

120 मील प्रति घंटे की गति से सर्विस

सेरेना ने मैच के दौरान दिखाया कि वह अब भी 120 मील प्रति घंटे से अधिक की गति से सर्व कर सकती हैं और इस बीच ग्राउंडस्ट्रोक से अंक हासिल कर सकती हैं। हालांकि उनके लिए मूवमेंट एक समस्या थी। यही वजह थी 87वीं रैंकिंग की खिलाड़ी जॉइंट ने अमेरिकी खिलाड़ी की पहुंच से बाहर शॉट मारकर अधिक अंक जीतने में सफल रही। सेरेना अब महिला युगल मैच में अपना भाग्य आजमाएगी, जहां उन्होंने अपनी बड़ी बहन वीनस के साथ जोड़ी बनाई है।

अंडर-19 : श्रीलंका के खिलाफ 3 वनडे खेलेंगी भारतीय टीम

कोलंबो। विमथ दिनसारा भारत के खिलाफ होने वाली अंडर-19 श्रृंखला में श्रीलंका की कप्तानी करेंगे जबकि कवीजा गमागे को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। भारत इस दौरे में श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला और 2 मैचों की चार दिवसीय श्रृंखला खेलेगा। एक दिवसीय मैच 4, 6 और 9 जुलाई को हंबनटोटा में खेले जाएंगे। पहला चार दिवसीय मैच 13 जुलाई से गॉल में और दूसरा मैच 20 जुलाई से कोलंबो में खेला जाएगा।

आईसीसी रैंकिंग: ईशान बने नंबर-1 बल्लेबाज, अभिषेक को पछाड़ा

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन ने जारी आईसीसी की पुरुषों की टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने साथी खिलाड़ी अभिषेक शर्मा को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। किशन (876 रैंकिंग अंक) के शीर्ष पर पहुंचने में इसी साल हुए टी20 विश्व कप में उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन की अहम भूमिका रही है।

विश्व कप में बाएं हाथ के इस आक्रामक बल्लेबाज ने लगभग 200 के स्ट्राइक रेट से 317 रन बनाए। उन्हें कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ हुए मुकाबले में मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया था। अभिषेक (869) लगभग 12 महीने तक शीर्ष पर रहे। किशन और अभिषेक से पहले भारतीय खिलाड़ियों में विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव ने भी टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 848 अंक के साथ इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

तिलक छठे स्थान पर काबिज

नवीनतम सूची में भारत के नए उपकप्तान तिलक वर्मा (747) छठे स्थान पर बने हुए हैं जबकि पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव एक स्थान नीचे आठवें स्थान पर खिसक गए हैं। गेंदबाजों में भारत के वरुण चक्रवर्ती और जसप्रीत बुमराह एक-एक स्थान के नुकसान से क्रमशः तीसरे और छठे स्थान पर हैं। अफगानिस्तान के राशिद खान शीर्ष पर बने हुए हैं।

गिल को एक स्थान का फायदा

पुरुषों की टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में ट्रेविस हेड शीर्ष पर पहुंच गए हैं जबकि जो रूट तीसरे स्थान पर खिसक गए। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल एक स्थान के फायदे से छठे पायदान पर हैं जबकि यशस्वी जायसवाल एक स्थान नीचे खिसककर नौवें स्थान पर हैं। शीर्ष 10 से बाहर बल्लेबाजों में ऋषभ पंत 13वें स्थान के साथ सबसे अच्छी रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी हैं। गेंदबाजों में बुमराह भारत के शीर्ष खिलाड़ी हैं।

श्रीसंत को मिली बड़ी खुशखबरी केसीए ने हटाया 3 साल का बैन

एजेंसी ▶▶| तिरुवनंतपुरम

केरल क्रिकेट संघ (केसीए) ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर एस श्रीसंत पर पिछले साल लगाए गए तीन साल के प्रतिबंध को हटा लिया। यह प्रतिबंध केसीए के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के कारण लगाया गया था। केसीए के बयान के मुताबिक उसकी आम सभा की विशेष बैठक में प्रतिबंध हटाने का फैसला किया। बयान में कहा गया, 'बैठक में सर्वसम्मति से प्रतिबंध हटाने का फैसला किया गया। साथ ही केसीए ने श्रीसंत को चेतावनी दी कि अगर वह भविष्य में ऐसी हरकतें दोहराते हैं तो उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।' यह फैसला क्रिकेटर के बिना शर्त माफी मांगने और केसीए के खिलाफ अपनी टिप्पणी के लिए

खेद जताने के बाद किया गया। बयान के अनुसार श्रीसंत पर यह प्रतिबंध पिछले केरल क्रिकेट लीग (केसीएल) के मुकाबलों से पहले लगाया गया था। उन्होंने कथित तौर पर टीवी और सोशल मीडिया पर केसीए के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। आरोप है कि श्रीसंत ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में संजू सैमसन को शामिल नहीं किए जाने से जुड़े विवाद के सिलसिले में केसीए के खिलाफ झूठे और अपमानजनक बयान दिए।

विंबलडन: दूसरे दौर में पहुंचे जिजू बर्ग्ज, हम्बर्ट को दी मात

एजेंसी ▶▶| लंदन

जिजू बर्ग्ज ने 48 घंटे से भी कम समय में दूसरी बार यूगो हम्बर्ट की चुनौती का सामना किया। इस बार यह मुकाबला विंबलडन के ऑल-इंग्लैंड क्लब में पुरुषों के सिंगल्स के पहले राउंड में हुआ, जिसमें उन्होंने ईस्टबोर्न फाइनल में मिली अपनी जीत को दोहराया।

बर्ग्ज ने नंबर 27 सीड खिलाड़ी के खिलाफ शानदार शुरुआत की। जब हम्बर्ट ने वापसी की कोशिश की, तो बर्ग्ज डटे रहे और कोर्ट 17 पर 6-2, 7-5, 4-6, 3-6, 6-3 से जीत हासिल की। बेल्जियम के इस खिलाड़ी ने रविवार को ईस्टबोर्न फाइनल में पहला सेट गंवाने के बाद हम्बर्ट को

हराया था। यह जीत इसलिए भी खास है, क्योंकि दुनिया के नंबर 37 खिलाड़ी बर्ग्ज ने ईस्टबोर्न में अपना अभियान तब शुरू किया था, जब वे टूर-लेवल पर लगातार छह मैच हार चुके थे। यह हार का सिलसिला अप्रैल के मध्य से चल रहा था।

उस खिताब को जीतने के बाद, अब वे लगातार छह मैच जीत चुके हैं। वे इस सिलसिले को आगे बढ़ाना चाहेंगे जब वे पुर्तगाल के दुनिया के नंबर 98 क्वालीफायर जेमे फारिया के खिलाफ खेलेंगे।

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO. LTD
(A SUCCESSOR COMPANY OF CSEB) (A GOVT. OF CHHATTISGARH UNDERTAKING) (CIN - U40108CT2003SGC015820)
OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER (CIVIL) Shed No.5, Dangania, Raipur (CG)- 492013
Phone No. : 0771-2574581 e-mail :ceciviltrans.raipur@cspc.co.in Fax No. : 0771-2574146 Website : www.cspc.co.in
No.-04-01/Trans./Works/1138 **Raipur, dtd. 22.06.2026**
E-TENDER NOTICE
Online bids are invited from eligible/experienced contractors for following works:-
1.Tender Spn.No.-04-01/C-Trans./W/26-27/34, Rfx No.-8100048405, Construction of 2.40 M high boundary wall along with 01 No. Main gate at 132 KV S/s Pathalgaon.; **NIT Value:**-Rs. 71.36 Lakhs **EMD:-** Rs. 71,400/, **Completion Period:- 08 Months.2.Tender Spn.No.-04-01/C-Trans./W/26-27/38, Rfx No.- 8100052224,** Construction of 2.40 M high boundary wall at 220 KV S/s Barsoor.; **NIT Value:**-Rs. 56.28 Lakhs **EMD:-** Rs. 56,300/, **Completion Period:- 06 Months.**
Cost per tender document to be submitted online for tender at **Sl. No.- 01, 02 is Rs.5000/- (i/c GST).** Last date for submission of bids upto 12:15 Hrs. on **dt. 13.07.2026 for Sl. No.- 01; dt. 15.07.2026 for Sl. No.- 02.** The tender document can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal https://ebidding.cspcl.co.in:50724 /irj /portal
(Sanjay Tiwari)
Chief Engineer (Civil)CSPTCL, Raipur
SAVE ELECTRICITY

सूचना
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति पहचान संख्या EC26A1005CG5509330N दिनांक 30.06.2026 को मेसर्स कल्याणी ईस्पात लिमिटेड के इंटीग्रेटेड स्टील संयंत्र के विस्तार के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान की गयी है। इसके तहत तैयार स्टील की क्षमता 0.4785 मिलियन टन प्रति वर्ष से 0.9285 मिलियन टन प्रति वर्ष (कच्चे स्टील की क्षमता 0.466 मिलियन टन प्रति वर्ष से 2.012 मिलियन टन प्रति वर्ष) और संयंत्र का क्षेत्रफल 38.68 हे. से बढ़कर 84.021 हे. हो गयी है, जो ग्राम कोपेडीह एवं अंजोरा, तहसील एवं जिला राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित है। पर्यावरणीय स्वीकृति की प्रति, उसकी शर्तें, अतिरिक्त शर्तें तथा बचाव के उपाय कंपनी की वेबसाईट www.kalyaniispat.com पर देखा जा सकता है।

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड
नवरत्न कम्पनी
(भारत सरकार का उपक्रम)
वेबसाईट : www.ircon.org, CIN - L45203DL1976GOI008171
ई-प्रोक्योरमेंट सूचना
ई–निविदा सं. : IRCON/2059/CGRP/e-Tender/CSPGCL Siding/Electrical-01 दिनांक : 02.07.2026
छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीजीसीएल) की ओर से योग्यता आवश्यकताओं को पूरा करने वाले निविदादाताओं से "सीएसपीजीसीएल के गारे पेलमा–III (5 एमटीवाई) खानें, रायगढ़ क्षेत्र घरघोडा–गारे पेलमा खण्ड के मध्य (सीएच. किमी. 22.456 से किमी. 24.868 घरघोडा/सीएसबी से) में मिलुपारा के निकट एक क्रॉसिंग स्टेशन के विकास द्वारा जीपी–III कोल ब्लॉक से कोयले के परिवहन हेतु सीईआरएल लाइन से निकलते हुए सीएसपीजीसीएल की प्राइवेट रेलवे साइडिंग की स्थापना हेतु 25 केवी, 50 एचजैड, सिंगल फेज, ओएचई ट्रैक्शन सिस्टम, बाहरी विद्युतीकरण व स्काडा कार्यों का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग " के कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य की अनुमानित लागत	रु. 9,47,69,831.50
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	28.07.2026 को 15.00 बजे तक (आईएसटी)

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइट https://etenders.gov.in/eprocure/app देखें। शुद्धि पत्र, यदि कोई होगा तो, केवल वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। मुख्य महाप्रबंधक/विद्युत/सीजीआरपी, प्रथम तल, एआरके, जूडियो के सामने, बिलासपुर, छत्तीसगढ़–495001

कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)
निविदा सूचना
नि.क्रं.22/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026-27 बिलासपुर दिनांक 01/07/2026
एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा दिनांक 21/07/2026 को सायंकाल 4:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
1	स्वच्छता सर्वेक्षण हेतु जोन क्र. 05 क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालय का मरम्मत कार्य।	4.00

नगर निगम के विभागीय वेबसाईट www.bilaspurnagarnigam.com से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
कार्यपालन अभियंता (05)
न.पा.नि., बिलासपुर
पर्यावरण संरक्षण हेतु पॉलीथीन का उपयोग न करें।

ये है ब्रांडेड कपड़ों का कब्रिस्तान! फेंके जाते हैं महंगे-महंगे कपड़े

सैंटियागो। चिली के अटाकामा को दुनिया के सबसे सूखे रेगिस्तान में एक माना जाता है। यहां जीवन पॉसिबल नहीं है। कोई भी यहां नहीं रहता। अगर कुछ लोग रहते भी हैं तो उनकी लाइफ बड़ी मुश्किल है। लेकिन, इस रेगिस्तान में पहाड़ों जैसी ऊंचाई तक ब्रांडेड कपड़ों के ढेर लगे हुए हैं। ये कपड़े कभी किसी ने पहने तक नहीं हैं। फिर क्यों यहां इतने कपड़े पड़े हैं?

दरअसल, हर साल इकीके बंदरगाह से 59,000 टन नए कपड़े यहां पहुंचते हैं। इनमें से 85 प्रतिशत कपड़े कभी बाजार में बिकते तक नहीं और सीधे रेगिस्तान में फेंक दिए जाते हैं। हर साल 39,000 टन कपड़े रेगिस्तान में डंप किए जाते हैं। ये ढेर इतना बड़ा है कि स्पेस से दिखाई देता है। इसे कोई कभी छूने भी नहीं आता। रेगिस्तान में गर्मी और सूखे के कारण कई बार इनमें खुदबखुद आग लग जाती है। इससे लाखों-करोड़ों रुपए के ब्रांडेड कपड़े बर्बाद हो जाते हैं।

दुनिया की विडंबना

दूसरी तरफ पूरी दुनिया में करीब 700 मिलियन (70 करोड़) लोग ऐसे हैं जिनके पास पर्याप्त कपड़े तक नहीं हैं। अफ्रीका, दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई इलाकों में मां-बाप को तय करना पड़ता है कि बच्चों को खाना खिलाएं या जूते पहनाएं। यह समस्या फास्ट फैशन इंडस्ट्री की वजह से बढ़ी है। ब्रांड हर सीजन नई डिजाइन लाते हैं और पुरानी स्टॉक सस्ते में या बिना बिके डंप कर देते हैं। चिली इस डंपिंग का सबसे बड़ा केंद्र बन गया है, क्योंकि यहां सस्ते में लैंड उपलब्ध है।

गर्मी से कई बार कपड़ों में लग जाती है आग

भारत भी फास्ट फैशन मार्केट में तेजी से बढ़ रहा

भारत भी फास्ट फैशन मार्केट में तेजी से बढ़ रहा है। हमें भी इस बर्बादी से बचना होगा। रिसाइक्लिंग, सेकंड हैंड मार्केट को बढ़ावा और जिम्मेदार खपत पर ध्यान देना जरूरी है। अटाकामा का यह कपड़ों का कब्रिस्तान इंसानी बर्बादी और लालच का जीवंत प्रमाण है। हमें उत्पादन और खपत के तरीके बदलने होंगे, नहीं तो आने वाली पीढ़ियां सिर्फ कचरे के ढेर विरासत में पाएंगी।

पर्यावरण को कितना नुकसान?

ये कपड़े रेगिस्तान की मिट्टी को प्रदूषित कर रहे हैं। सिंथेटिक कपड़ों से निकलने वाले केमिकल पानी और मिट्टी दोनों को खराब कर रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के दौर में इतनी बड़ी बर्बादी पर्यावरण के लिए घातक है। विशेषज्ञ कहते हैं कि समस्या प्रोडक्शन में नहीं, बल्कि डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम में है। दुनिया भर में जहां जरूरत है, वहां कपड़े पहुंचाने के लिए बेहतर सप्लाई चेन, ट्रांसपेरेंट ट्रैकिंग और रिसाइक्लिंग सिस्टम बनाना होगा। कुछ संगठन 'पीस थ्रू ट्रेड' जैसे मॉडल पर काम कर रहे हैं, जो सरप्लस कपड़ों को जरूरतमंदों तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। जब ये तस्वीरें वायरल हुईं तो लोग हैरान रह गए। कई यूजर्स ने लिखा, 'एक तरफ पहाड़ भर कपड़े सड़ रहे हैं, दूसरी तरफ लोग नंगे घूम रहे हैं।' फास्ट फैशन ब्रांड्स पर सवाल उठ रहे हैं। ये भारत के लिए भी सबक है।

भिलाई निगम कमिश्नर को हटाने की मांग वाली याचिका खारिज

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने भिलाई नगर निगम के आयुक्त (कमिश्नर) राजीव पांडेय को पद से हटाने की मांग को लेकर दायर याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि बहुमत का होना अपनी जगह है, लेकिन कानूनी प्रक्रिया का पालन करना शासन की मूल शर्त है। बिना पूर्व नोटिस के सामान्य सभा में लाया गया कमिश्नर को हटाने का प्रस्ताव शुरुआत से ही अवैध था। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की सिंगल बेंच ने कहा कि केवल बहुमत के आधार पर कानून और निर्धारित प्रक्रिया की अनदेखी नहीं की जा सकती। जब तक कोई प्रस्ताव कानूनी प्रक्रिया के अनुसार पारित नहीं होता, तब तक राज्य सरकार को उसे लागू करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। दरअसल भिलाई नगर निगम के पार्षद संदीप निरंकारी, आदित्य सिंह समेत 32 निर्वाचित पार्षदों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि आयुक्त राजीव पांडेय मेयर-इन-काउंसिल और सामान्य सभा की मंजूरी के बिना वित्तीय और प्रशासनिक फैसले ले रहे हैं। इसी आधार पर उन्हें पद से हटाने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि 25 मार्च 2026 को आयोजित विशेष बजट सत्र की सामान्य सभा में छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम, 1956 की धारा 54 के तहत तीन-चौथाई से ज्यादा बहुमत से आयुक्त को हटाने का प्रस्ताव पारित किया गया था। इसके बावजूद राज्य सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। पार्षदों ने इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था और कानून का उल्लंघन बताया।

पुराना बस स्टैंड के पास अवैध निर्माण हाईकोर्ट ने कार्रवाई करने कहा

बिलासपुर। बिलासपुर के पुराना बस स्टैंड में अवैध निर्माण के मामले में हाईकोर्ट ने कार्रवाई करने कहा है। मामले में सचिव नगरीय प्रशासन व विकास विभाग, कलेक्टर बिलासपुर और आयुक्त बिलासपुर को नोटिस भी जारी किया गया है। दरअसल वार्ड नंबर 40 निराला नगर पुराना बस स्टैंड के पास रहने वाले श्याम कश्यप ने याचिका पेश की है। इसमें कहा गया है कि राजा होटल के सामने रहने वाले सीरीश पाण्डेय ,गिरीश पांडे आशीष पांडेय ने सड़क की भूमि पर अवैध दुकानें बनाकर किराए में दे दिया है। इसमें किसी भी प्रकार का नक्शा पास नहीं है तो निगम से अनुमति भी नहीं ली गई है। साथ ही इस अवैध निर्माण के चलते याचिकाकर्ता को भी अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार पिछले दो सालों से अधिकारियों से कई बार शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं हो रही है। याचिका में यह भी कहा गया है कि नगर निगम के द्वारा खुद संबंधित अतिक्रमण कर्ताओं के राजीनामा के संबंध में प्राप्त आवेदन को निरस्त किया जा चुका है। याचिका की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने फैसले में कहा है कि मामले की जांच की जाए और यदि अतिक्रमण पाया जाता है तो उसे हटाने की कार्रवाई की जाए।

आसमान से बरस रहे हैं बेशकीमती हीरे!

वाशिंगटन।जब हम अमीर बनने या खजाने की बात करते हैं, तो हमारे दिमाग में सोने की खदानें या हीरों की तिजोरियां आती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हमारे ही सौरमंडल में दो ऐसे जादुई और रहस्यमयी ग्रह मौजूद हैं, जहां हीरों की बारिश होती है? जी हां, आपने बिल्कुल सही सुना. यूरेनस और नेप्च्यून नाम के इन बर्फीले ग्रहों पर पानी की बूंदें नहीं, बल्कि आसमान से चमचमाते हीरे बरसते हैं। वैज्ञानिकों ने अब इस थ्योरी को सच साबित करने वाले मजबूत सुबूत ढूंढ निकाले हैं।

लैब में वैज्ञानिकों ने बनाया नकली ग्रह

इस थ्योरी को साबित करने के लिए साल 2017 में एसएलएसी नेशनल एक्सीलेटर लैबोरेटरी और जर्मनी के वैज्ञानिकों ने एक अनोखा प्रयोग किया। उन्होंने धरती पर ही इन ग्रहों जैसा माहौल तैयार करने की कोशिश की। वैज्ञानिकों ने कार्बन और हाइड्रोजन से बने एक खास प्लास्टिक पर दुनिया का सबसे शक्तिशाली एक्स-रे लेजर फायर किया। परिणाम बेहद चौंकाने वाले थे। पलक झपकते ही, यानी एक सेकंड के अरबवें हिस्से में, उस प्लास्टिक के टुकड़े नैनो-डायमंड्स (छोटे हीरों) में बदल गए। हाल ही में इसमें ऑक्सीजन मिलाकर किए गए प्रयोगों से पता चला है कि यह प्रक्रिया उम्मीद से भी ज्यादा तेज काम करती है।

अंतरिक्ष के इस कोने में छिपा है हीरों का समंदर

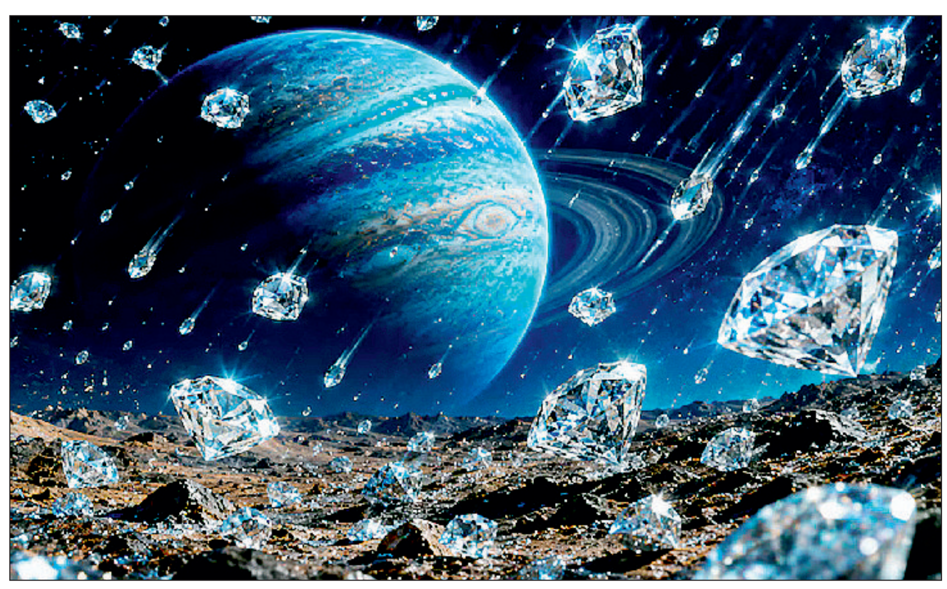

सिर्फ बारिश नहीं, चट्टानी कोर में छिपी है हीरों की परत

वैज्ञानिकों का मानना है कि हीरों की यह बारिश तो सिर्फ एक छोटी सी झांकी है। अगर यह प्रक्रिया पिछले अरबों सालों से चल रही है, तो इन ग्रहों के चट्टानी कोर (केंद्र) के चारों ओर हीरों की एक बहुत मोटी और भारी परत जमा हो चुकी होगी। यह हीरों की परत इतनी विशाल हो सकती है कि यह इन ग्रहों से निकलने वाली गर्मी और उनके अजीबोगरीब चुंबकीय क्षेत्र को भी प्रभावित करती है।

क्या हम इन हीरों को धरती पर ला सकते हैं?

इसका सीधा जवाब है- फिलहाल बिल्कुल नहीं। ये हीरे किसी खुले मैदान या समुद्र तट पर नहीं बिखरे हैं। ये बादलों की उस गहराई में बनते हैं, जहां का दबाव पृथ्वी के मुकाबले लाखों गुना ज्यादा है। आज तक कोई भी इंसानी स्पेस प्रोब इन ग्रहों की इतनी गहराई में नहीं जा सका है। नासा अब भविष्य में इन बर्फीले ग्रहों के अंदरूनी रहस्यों को जानने के लिए विशेष मिशन भेजने की तैयारी कर रहा है।

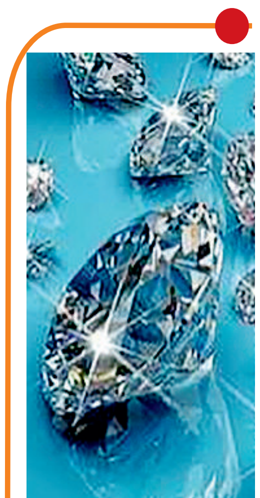

पूरे ब्रह्मांड का यही है सच

यह अनोखी खोज सिर्फ हमारे सौरमंडल तक सीमित नहीं है। अंतरिक्ष में यूरेनस और नेप्च्यून के आकार के हजारों एक्सोप्लैनेट्स (सौरमंडल से बाहर के ग्रह) मौजूद हैं। इसका मतलब यह हुआ कि हीरों की बारिश ब्रह्मांड में कोई दुर्लभ घटना नहीं, बल्कि एक आम मौसम की तरह है। भले ही हम इन हीरों को कभी छू न पाएं, लेकिन विज्ञान ने यह साबित कर दिया है कि कुदरत के पास हमसे भी बड़े खजाने छिपे हुए हैं।

जब्त शराब की बोतलों की मात्रा ज्यादा होने की पुष्टि किए बिना आबकारी अधिनियम के तहत गाड़ी ज़ब्त नहीं की जा सकती

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने कहा है कि छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 47-A के तहत गाड़ी को ज़ब्त करने का फ़ैसला इस अनुमान के आधार पर सही नहीं ठहराया जा सकता कि ज़ब्त की गई सभी बोतलों में शराब की मात्रा कानूनी सीमा से ज़्यादा थी। कोर्ट ने कहा कि ज़ब्ती की कार्रवाई करने से पहले संबंधित अधिकारी को भरोसेमंद सबूतों के आधार पर यह पक्का करना होगा कि ज़ब्त किया गया पदार्थ शराब थी और उसकी मात्रा पाँच बल्क लीटर से ज़्यादा थी; ऐसा पक्का यकीन ठोस सबूतों के बिना केवल अनुमानों पर आधारित नहीं हो सकता।

यह याचिका सेशंस जज के उस आदेश के खिलाफ़ थी, जिसमें स्कॉर्पियो गाड़ी की ज़ब्ती रद्द की गई थी। इस गाड़ी को छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत अपराध के सिलसिले में ज़ब्त किया गया था। इसमें आरोप है कि इसका इस्तेमाल शराब ढोने के लिए किया जा रहा था। पुलिस अधीक्षक रायपुर की रिपोर्ट के आधार पर कलेक्टर ने अधिनियम की धारा 47-A के तहत गाड़ी ज़ब्त करने का

पक्का यकीन ठोस सबूतों के बिना केवल अनुमानों पर आधारित नहीं हो सकता

आदेश दिया। आबकारी आयुक्त ने गाड़ी के मालिक की अपील खारिज की। राज्य सरकार का तर्क था कि गाड़ी में तय सीमा से ज़्यादा शराब ढोई जा रही थी, इसलिए कलेक्टर ने अधिनियम की धारा 47-A के तहत अपनी शक्तियों का सही इस्तेमाल किया। यह तर्क दिया गया कि एक बार जब यह साबित हो गया कि पाँच बल्क लीटर से ज़्यादा शराब ढोई जा रही थी तो गाड़ी की ज़ब्ती कानूनी परिणाम के तौर पर होनी ही थी।

कानूनी रूप से मान्य सबूतों पर आधारित नहीं

कोर्ट ने गौर किया कि अभियोजन पक्ष ने देसी शराब, विदेशी शराब और बीयर की कुल 154 बोतलें ज़ब्त करने का दावा किया, लेकिन ऐसा कोई सबूत नहीं था, जिससे पता चले कि सभी बोतलों में मौजूद चीज़ की वैज्ञानिक या रासायनिक जांच की गई। कोर्ट ने पाया कि आबकारी सब-इंस्पेक्टर ने केवल 180 एमएल की आठ क्वार्टर बोतलें और 650 एमएल की बोतल यानी कुल मिलाकर लगभग 2.09 लीटर शराब की ही जाँच की थी। फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी, केमिकल परीक्षक या किसी सक्षम अधिकारी की ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं थी, जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि बाकी बोतलों में भी शराब ही थी। कोर्ट ने कहा कि बाकी बोतलों की जांच नहीं होने की स्थिति में यह मान लेना कि सभी 154 बोतलों में शराब थी और कुल मात्रा पांच बल्क लीटर से ज़्यादा थी, कानूनी रूप से मान्य सबूतों पर आधारित नहीं है।

'छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम 2026' के क्रियान्वयन और प्रवर्तन पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिका खारिज

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने प्रदेश में नए लागू हुए 'छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम 2026' के क्रियान्वयन और प्रवर्तन पर एकतरफा अंतरिम रोक लगाने की मांग करने वाली एक रिट याचिका को खारिज कर दिया है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता द्वारा केस वापस लेने की अनुमति मांगने पर डिवीजन बेंच ने इसे बिना किसी स्वतंत्रता भविष्य में दोबारा इसी मुद्दे पर याचिका नहीं लगाने की शर्त के वापस मानकर खारिज कर दिया है। मामले में चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डीबी में सुनवाई हुई। याचिका भिलाई (दुर्ग) के हाउसिंग बोर्ड निवासी मोसेस लोगन द्वारा दायर की गई थी। याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट से गुहार लगाई थी कि कोर्ट 'छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम 2026' के संचालन, प्रारंभ और प्रवर्तन पर पूर्ण रूप से एकतरफा अंतरिम रोक लगा दे। इस नए कानून के लागू होने और इसकी वैधानिकता को लेकर यह याचिका दायर की गई थी। ध्यान रहे कि इससे पहले भी इसी नए अधिनियम को चुनौती देने वाली दो अलग-अलग याचिकाएं हाईकोर्ट के समक्ष आ चुकी हैं।

दो याचिकाएं पहले ही हो चुकीं हैं खारिज

सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि उन दोनों याचिकाओं को इसी डिवीजन बेंच ने 24 अप्रैल 2026 और 8 मई 2026 को 'समयपूर्व' मानते हुए पहले ही खारिज कर दिया है। राज्य शासन के इस कड़े रुख और पुराने फैसलों के रिकॉर्ड को देखते हुए याचिकाकर्ता के अधिवक्ता अमन प्रसाद ने मामले को आगे बढ़ाने के बजाय कोर्ट से इस रिट याचिका को वापस लेने की अनुमति मांगी। महाधिवक्ता ने इस पर अपनी सहमति देते हुए कहा कि यदि याचिकाकर्ता केस वापस लेना चाहता है, तो शासन को इस पर कोई आपत्ति नहीं है। दोनों पक्षों के बयानों को दर्ज करते हुए मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रवींद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा है, इस रिट याचिका को बिना किसी आगामी विधिक स्वतंत्रता के वापस लेते हुए खारिज किया जाता है।

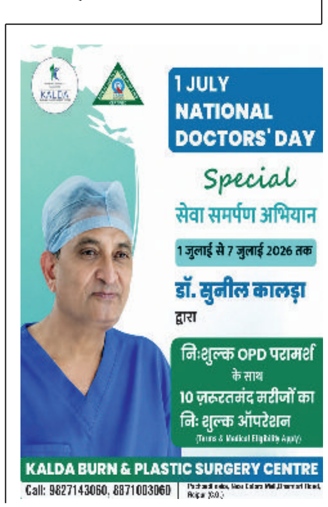

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com